राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

हर खबर की खबर

नई दिल्ली, पटना एवं जबलपुर (म. प्र.) से एक साथ प्रकाशित

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

03 नीतीश कुमार ने पार्टी कार्यकर्ताओं एवं आमजन से भेंट कर उनका उत्साहवर्धन किया एवं कुशलक्षेम जाना

राज्य का दर्जा मांगते ही होता है आतंकी हमला,कुलगाम पर फारूक अब्दुल्ला का सवाल 12

वर्ष : 14 | अंक : 115 | पटना, सोमवार, 03 अगस्त, 2026 | विक्रम संवत् 2082 | पेज : 12 | मूल्य : 03.00 | www.pratahkiran.com

प्रधानमंत्री ने नशा मुक्त युवा विकसित भारत संकल्प अभियान का किया शुभारंभ

युवा नशे और ड्रग्स के खतरों को समझें सतर्क रहें और उससे दूर रहें : मोदी

■ **देश का युवा तन-मन से स्वस्थ हो, आत्मविश्वास से भरपूर हो**

प्रात : किरण

नई दिल्ली एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को नशा मुक्त युवा से विकसित भारत संकल्प अभियान का शुभारंभ किया। नशीले पदार्थों के सेवन के खिलाफ 100 हफ्ते तक चलने वाले इस अभियान में हर नागरिक, खासकर युवाओं से शामिल होने की अपील की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, आज हम सभी जिस अभियान के साक्षी बन रहे हैं, वह व्यक्ति, परिवार, समाज और सबसे बड़ी बात कि राष्ट्र के लिए है। विकसित भारत संकल्प अभियान के लिए नशामुक्त युवा, इस मूवमेंट का नाम ही इसके संकल्प को स्पष्ट करता है। आज जब देश ने विकसित भारत का लक्ष्य तय किया है, तो इसके लिए यह आवश्यक है कि देश का युवा तन-मन से स्वस्थ हो, आत्मविश्वास से भरपूर हो और ड्रग्स जैसी घातक आदत से हमेशा-हमेशा दूर ही रहे। यही इस अभियान का उद्देश्य है। इसलिए हम सबको संकल्प लेना है कि हमारे युवा नशे और ड्रग्स के खतरे को समझें, हर तरह से जागरूक रहें और उससे दूर रहें। प्रधानमंत्री ने कहा कि विकसित भारत संकल्प अभियान के तहत शुरू की गई इस पहल का नाम ही नशा मुक्त युवा, इसके मकसद और संकल्प को दशार्ता है। जैसे-जैसे भारत एक विकसित देश बनने के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है, यह जरूरी है कि हमारे युवा मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ और आत्मविश्वास से भरे हों और साथ ही नशे की लत जैसी बुराई से दूर रहें। यही इस पहल का मुख्य मकसद है। हमें यह पक्का करने का संकल्प लेना होगा कि हमारे युवा नशे और लत के खतरों को समझें, सतर्क रहें और इस विनाशकारी आदत से दूर रहें। प्रधानमंत्री ने कहा, आने वाले 100 रविवार नशा मुक्त भारत की दिशा में 100 मजबूत कदम होंगे। अगर कोई युवा गलती से नशे में फंस भी गया है तो इसका ये मतलब बिल्कुल नहीं है कि उसके सारे रास्ते बंद हो गए हैं! हमें हमेशा इस बात का ध्यान रखना है, घर का कोई बच्चा अगर नशे का शिकार बन गया है, तो इसे सामाजिक प्रतिष्ठा की आड़ में छिपाएं नहीं। जिसकी जरूरत हो, उसका सहयोग लें। मेडिकल हेल्प से अपने बच्चे को नशे से मुक्त कराने का प्रयास करें। हमें परिवार में बच्चों से खुलकर संवाद की संस्कृति भी बनानी चाहिए ताकि ऐसे भंवर में फंसने से पहले ही आप उसका हाथ थाम सकें।

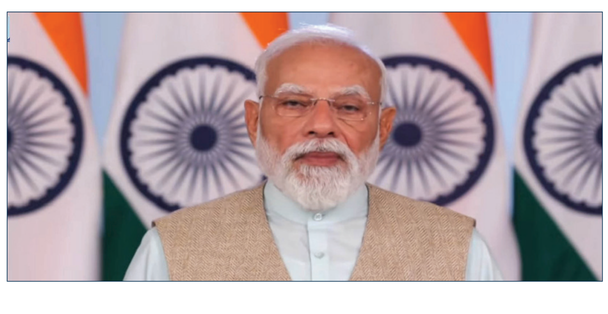

पीएम मोदी ने कहा कि समाज का सहयोग, योग और ध्यान की ताकत, ये नशे के खिलाफ हमारे अंतर्मन को ताकत देते हैं। आज तो हमारे पास नशा छोड़ने के लिए पुनर्वास केंद्र जैसी सुविधाएं भी हैं। आज स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के हजारों छात्र इस कार्यक्रम से ऑनलाइन जुड़े हैं। साथ ही, ह्यमायभारतह्ण के लाखों वॉलंटियर्स भी इससे जुड़े हैं। एनएसएस के जवान भी हमारे साथ शामिल हुए हैं। अलग-अलग क्षेत्रों, संस्थानों और बैकग्राउंड के 1 करोड़ से अधिक युवा आज एक साथ हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, एक आह्वान मैं कॉलेज और विश्वविद्यालय के हमारे प्रोफेसर्स से भी करना चाहता हूं। आप भी कोर्स की पढ़ाई के साथ-साथ स्टूडेंट्स के साथ ड्रग्स के खतरों पर बात करें। नशे के खिलाफ अपने कैम्पस में एक मूवमेंट चलाएं। आपके प्रयास बड़े परिणाम ला सकते हैं।

उन्होंने कहा, ड्रग्स के खिलाफ अभियान में आज सरकार भी मजबूती से युवाओं के साथ खड़ी है। देश में नशे के कारोबारियों और नशे पर सख्ती से कार्रवाई हो रही है, पहले की तुलना में कई गुना ज्यादा गिरफ्तारियां हुई हैं, हजारों करोड़ रुपये की ड्रग्स जब्त की गई हैं। ये दिखाता है कि ड्रग्स के खिलाफ हमारी सरकार कितनी सख्त है।प्रधानमंत्री ने युवाओं से अपील करते हुए कहा कि नशे से दूर रहकर आपको अपनी क्षमता को बचाना होगा। आपको यह पता होना चाहिए कि ड्रग्स आपको कुछ समय के लिए तो नशा या उत्साह देते हैं, लेकिन आपके करियर और परिवार को बहुत नीचे गिरा देते हैं।

नशामुक्त युवा ही रखेंगे विकसित भारत और समृद्ध बिहार की मजबूत नींव : सम्राट

बिहार में नशामुक्ति – अभियान में व्यापक जनभागीदारी के लिए ब्रह्माकुमारीज के साथ होगा एमओयू

■ **बिहार के राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने लोक भवन, पटना से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कार्यक्रम में सहभागिता की**

प्रात : किरण

पटना। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने लोक भवन पटना से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुभारंभ किए गए नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान के उद्घाटन कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत) सैयद अता हसनैन ने संबोधित किया। नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान का बिहार में राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री ने दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुये मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में शुरू किए गए इस अभियान की सराहना करते हुए कहा कि विकसित भारत तथा समृद्ध बिहार के लिए नशामुक्त युवा पीढ़ी अत्यंत आवश्यक है। प्रधानमंत्री ने वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण का जो संकल्प लिया है, उसे साकार करने में देश के युवाओं की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका होगी। युवा स्वस्थ, अनुशासित और नशे से मुक्त रहेंगे, तभी वे अपनी पूरी क्षमता के साथ राष्ट्र निर्माण में योगदान दे सकेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नशामुक्ति केवल सरकार या कानून के स्तर पर सफल नहीं हो सकती। सरकार कानून बना सकती है, लेकिन उसका प्रभावी अनुपालन और सामाजिक स्वीकार्यता जनता की सहभागिता से ही संभव है।इसलिए नशे के खिलाफ व्यापक जन-जागरण अभियान चलाने और विशेष रूप से युवाओं को इससे जोड़ने की आवश्यकता है।

शराबबंदी से विशेष रूप से महिलाओं और परिवारों को लाभ हुआ

मुख्यमंत्री ने बिहार में नशामुक्ति की दिशा में किए गए प्रयासों का उल्लेख करते हुए कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में वर्ष 2016 में बिहार में पूर्ण शराबबंदी लागू की गई। आज इसके सकारात्मक परिणाम समाज में दिखाई दे रहे हैं। शराबबंदी से विशेष रूप से महिलाओं और परिवारों को लाभ हुआ है तथा सामाजिक वातावरण में सकारात्मक बदलाव आया है।

नशामुक्ति अभियान को गांव-गांव तक तक पहुंचाया जाय

मुख्यमंत्री ने नशामुक्ति के क्षेत्र में ब्रह्माकुमारीज द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि बिहार में भी संस्था के साथ समन्वय और सहभागिता को और मजबूत किया जाए। उन्होंने कहा कि ब्रह्माकुमारीज ने भारत सरकार के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर कर नशामुक्ति का अभियान शुरू कर रही है। हम चाहते है कि बिहार सरकार के साथ भी यह एमओयू हो और नशामुक्ति अभियान को गांव, शहर, विद्यालय, महाविद्यालय और युवाओं तक व्यापक स्तर पर पहुंचाया जाय। मुख्यमंत्री ने शिक्षा के विस्तार पर जोर देते हुए कहा कि युवाओं को बेहतर शिक्षा और सकारात्मक वातावरण उपलब्ध कराना भी उन्हें नशे से दूर रखने का प्रभावी माध्यम है।

नशामुक्त बिहार और भारत के संकल्प को साकार किया जाएगा

मुख्यमंत्री ने प्रदेश के युवाओं से आह्वान किया कि वे स्वयं नशे से दूर रहने का संकल्प लें और अपने परिवार, मित्रों तथा समाज के अन्य लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करें।

जनभागीदारी और युवा शक्ति के माध्यम से नशामुक्त बिहार और नशामुक्त भारत का निर्माण करते हुए विकसित भारत के संकल्प को साकार किया जाएगा।मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में शुरू हुआ यह अभियान देश के करोड़ों युवाओं को नशे से दूर रहने और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान देने के लिए प्रेरित करेगा।

संक्षिप्त खबरें

स्वदेशी डीएससी ए24 जहाज समुद्री ऑपरेशन के लिए तैयार, कोलकाता में लॉन्च

कोलकाताएजेंसी। आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया पहल के तहत भारतीय नौसेना ने एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। डाइविंग सपोर्ट क्राफ्ट परियोजना का पांचवां और अंतिम पोत रविवार को कोलकाता स्थित टीटागढ़ शिपयार्ड में लॉन्च किया गया। यह समारोह नौसेना की परंपराओं और औपचारिक रीति-रिवाजों के अनुरूप भव्य तरीके से आयोजित किया गया।भारतीय नौसेना के कार्मिक प्रमुख वाइस एडमिरल गुरचरण सिंह की उपस्थिति में पोत को पानी में उतारा गया। इस अवसर पर भारतीय नौसेना और एम/एस टीटागढ़ रेल सिस्टम्स लिमिटेड के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।डीएससी ए24, डाइविंग सपोर्ट क्राफ्ट प्रोजेक्ट का पांचवां जहाज है। इसे यार्ड 329 के नाम से भी जाना जाता है। इस जहाज का निर्माण टीटागढ़ रेल सिस्टम्स लिमिटेड, कोलकाता द्वारा आईआरएस और नेवल नियमों के अनुसार किया गया है।जहाज में कैटामरन-हल फॉर्म दिया गया है और इसका डिस्प्लेसमेंट लगभग 300 से 400 टन के बीच है। इस डिजाइन की वजह से जहाज को बेहतर स्थिरता, बड़ा डेक एरिया और समुद्र में बेहतर प्रदर्शन मिलता है, जो डाइविंग ऑपरेशन के लिए बेहद जरूरी हैं।

एसबीआई रिसर्च ने अपनी रिपोर्ट में कहा, पहली तिमाही की वृद्धि दर अनुमान से कहीं बेहतर रह सकती है

नई दिल्ली /एजेंसी। बेहतर होते व्यापक आर्थिक हालात के बीच वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर 7 प्रतिशत रह सकती है। यह जानकारी एक नई रिपोर्ट में दी गई।रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय रिजर्व बैंक ने अपनी पिछली तीन मौद्रिक नीति समीक्षाओं में पश्चिम एशिया में युद्ध की स्थिति को देखते हुए वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही के लिए जीडीपी वृद्धि का अनुमान 6.9 प्रतिशत से घटाकर 6.6 प्रतिशत कर दिया था।एसबीआई रिसर्च ने अपनी रिपोर्ट में कहा, अब हमारा मानना है कि परिस्थितियां बदल चुकी हैं और पहली तिमाही की वृद्धि दर अनुमान से कहीं बेहतर रह सकती है।दूसरी ओर, अप्रैल 2026 तक आयातित महंगाई नियंत्रित रही, क्योंकि वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की ऊंची कीमतों का असर पेट्रोल और डीजल की कीमतों के माध्यम से भारतीय उपभोक्ताओं तक नहीं पहुंचा।रिपोर्ट में कहा गया, उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित महंगाई की दिशा अगले दो तिमाहियों में 5 प्रतिशत से अधिक रह सकती है।

कार्यपालक पदाधिकारी विमल कुमार की हत्या की जांच में जुटी पुलिस

प्रात : किरण

औरंगाबाद। बिहार के औरंगाबाद जिले में डेहरी-डालमियानगर नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी विमल कुमार की हत्या से प्रशासनिक महकमे में सनसनी फैल गई है। यह वारदात बारुण थाना क्षेत्र के धनौती पुल के पास शनिवार की देर रात हुई। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और एक व्यक्ति को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।पुलिस के अनुसार, विमल कुमार देर रात अपनी कार से डेहरी से पटना जा रहे थे। इसी दौरान धनौती पुल के समीप अज्ञात अपराधियों ने उनकी कार को ओवरटेक कर रुकवा लिया। बदमाशों ने पहले चालक को अपने कब्जे में लिया और फिर विमल कुमार के साथ बेरहमी से मारपीट की। उनके शरीर पर गंभीर चोटों के निशान पाए गए हैं।घटना के बाद गंभीर रूप से घायल विमल कुमार को तत्काल जमुहार स्थित नारायण मेडिकल कॉलेज और अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। बताया गया कि मृतक के शरीर पर मारपीट और धारदार हथियार से हमले के गंभीर निशान मिले हैं। उन्होंने कहा कि गोली लगने की बात अभी स्पष्ट नहीं है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि हो सकेगी। पुलिस अधिकारियों ने रविवार को बताया है कि हत्या के पीछे की वजह फिलहाल स्पष्ट नहीं हो सकी है। सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच की जा रही है। घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए गए हैं और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है। मामले में एक संदिग्ध को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।विमल कुमार मूल रूप से गया जिले के शेरघाटी के निवासी थे, जबकि उनका परिवार वर्तमान में पटना में रहता है। उनकी हत्या की खबर से प्रशासनिक अधिकारियों और परिजनों में शोक का माहौल है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और फॉरेंसिक जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों का दावा है कि घटना में शामिल अपराधियों की पहचान कर उन्हें जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

अधिकारियों और कर्मचारियों का गुस्सा फूट पड़ा राजधानी पटना के दानापुर में डेहरी के कार्यपालक पदाधिकारी (ईओ) विमल कुमार के निधन के बाद नगर निकाय के अधिकारियों और कर्मचारियों का गुस्सा फूट पड़ा। सभी अधिकारी ईओ विमल कुमार के शव को शव-वाहन में लेकर सड़क पर उतर आए और उग्र विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। प्रदर्शनकारियों का स्पष्ट इरादा शव के साथ मुख्यमंत्री आवास का घेराव करने का था, जिसे लेकर पूरे प्रशासनिक अमले में हड़कंप मच गया।

जैसे ही प्रदर्शनकारी गोला रोड टी-प्वाइंट स्थित गंगा कुटीर से शव-वाहन लेकर आगे बढ़े, पुलिस प्रशासन हरकत में आ गया। रास्ते में बनाई गई रुकावटों और सड़कों पर खड़े वाहनों को हटाते हुए प्रदर्शनकारी लगातार आगे बढ़ते रहे।

बांकीपुर उपचुनाव की वोटों की गिनती आज 25 उम्मीदवारों की किस्मत का होगा फैसला

एएन कॉलेज में सुबह 8 बजे से शुरू होगी वोटों की गिनती,तैयारी पूरी

प्रात : किरण

पटना।बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव में काउंटिंग का काउंटडाउन शुरू हो चुका है। उपचुनाव की मतगणना सोमवार को एएन कॉलेज में सुबह 8 बजे से शुरू होगी। वोटों की गिनती को सुचारू और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन ने बोरिंग रोड, बोरिंग कैनाल रोड और आसपास के क्षेत्रों में व्यापक ट्रैफिक डायवर्जन लागू किया है। मतगणना की समाप्ति तक कई मुख्य मार्गों पर सामान्य और व्यावसायिक वाहनों का परिचालन पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। पूर्व विधायक नितिन नवीन के राज्यसभा सदस्य निर्वाचित होने और इस्तीफे के बाद खाली हुई इस सीट पर मतदान संपन्न होने के बाद अब सभी की नजरें नतीजों पर टिकी हैं।

एएन कॉलेज की ओर वाहनों की आवाजाही पूरी तरह प्रतिबंधित 3 अगस्त को बोरिंग रोड चौराहे से एएन कॉलेज की ओर वाहनों की आवाजाही पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगी। इसके अलावा मोहनी मोड़ से सहदेव महतो मार्ग और पानी टंकी मोड़ से एएन कॉलेज की ओर सामान्य वाहन नहीं चल सकेंगे। राजापुर पुल से हड़ताली मोड़ तक व्यावसायिक वाहनों का परिचालन बंद रहेगा, जबकि शिवपुरी रेलवे क्रॉसिंग से एएन कॉलेज दुर्गा मंदिर मोड़ तक सामान्य यातायात पर रोक रहेगी।बिहार की बांकीपुर विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव के वोटों की गिनती के लिए तैयारी पूरी हो चुकी है। यह उपचुनाव 30 जुलाई को हुआ था।वोटों की गिनती 3 अगस्त को होगी, जिससे सभी 25 उम्मीदवारों की चुनावी किस्मत का फैसला होगा।ज़िला प्रशासन और चुनाव आयोग ने पटना के एएन कॉलेज स्थित कला भवन में गिनती की प्रक्रिया के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। ईवीएम मशीनों को तीन-स्तरीय सुरक्षा घेरे में रखा गया है। इनकी सुरक्षा के लिए केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की 25 कंपनियों के साथ-साथ बिहार विशेष सशस्त्र पुलिस के जवानों को भी तैनात किया गया है। सुरक्षा के लिए तीन शिफ्ट में लगभग 100 सुरक्षाकर्मी तैनात किए जाएंगे और हर शिफ्ट में सुरक्षा इंतजामों की देखरेख एक डीएसपी करेंगे। गिनती वाली जगह पर सिर्फ.अधिकृत अधिकारियों, गिनती करने वाले कर्मचारियों और उम्मीदवारों या उनके प्रतिनिधियों को ही जाने की इजाजत होगी।

स्ट्रांग रूम की लगातार से निगरानी की जाएगी।गिनती शुरू होने से पहले, उम्मीदवारों और उनके अधिकृत एजेंटों की मौजूदगी में स्ट्रांग रूम खोला जाएगा।जैसे-जैसे गिनती आगे बढ़ेगी, हर राउंड के नतीजे घोषित किए जाएंगे। 422 पोलिंग स्टेशनों पर डाले गए वोटों की गिनती 30 राउंड में होगी।गिनती 14 टेबल पर होगी और इस प्रक्रिया के लिए रिजर्व स्टाफ के अलावा लगभग 50 कर्मचारी तैनात किए जाएंगे।गिनती सुबह 8 बजे शुरू होगी। सबसे पहले पोस्टल बैलेट की गिनती होगी और लगभग 30 मिनट बाद ईवीएम की गिनती शुरू होगी। दोपहर 12 बजे के आसपास शुरूआती रुझान आने की उम्मीद है और गिनती की रफ़्तार के आधार पर शाम 4 बजे तक गिनती की प्रक्रिया पूरी होने की संभावना है। उम्मीदवारों और उनके एजेंटों को एएन कॉलेज में प्रवेश के लिए क्यू आर -कोड वाले पास जारी किए जाएंगे।

क्यू आर कोड स्कैन होने के बाद ही अंदर जाने और बाहर निकलने की इजाजत होगी।ये पास बांकीपुर के रिटर्निंग ऑफिसर राघवेंद्र प्रताप सिंह जारी करेंगे।

हालांकि उपचुनाव में 25 उम्मीदवार मैदान में हैं, लेकिन मुख्य राजनीतिक मुकाबला भ्राजपा, राजद और जन सुराज के बीच माना जा रहा है।इस मुकाबले में अहम उम्मीदवारों में भाजपा के नीरज कुमार सिन्हा, राजद की रेखा गुप्ता और जन सुराज के उम्मीदवार प्रशांत किशोर शामिल हैं। किशोर के लिए यह चुनाव उनका पहला सीधा चुनावी मुकाबला है।

जेपी गंगा पथ को मिलेगा विश्वस्तरीय स्वरूप, मुख्यमंत्री ने समग्र विकास कार्यों में तेजी लाने के दिए निर्देश

कुर्जी से काली घाट तक 6.5 किलोमीटर गंगा चैनल विकसित होगा:सीएम

■ **प्रत्येक 1.5 से 2 किलोमीटर पर पर्याप्त पार्किंग विकसित करने के निर्देश**

■ **आवश्यकतानुसार गंगा किनारे फुटओवर ब्रिज निर्माण की कार्ययोजना तैयार करें**

प्रात : किरण

पटना। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने लोक सेवक आवास स्थित संकल्प सभागार में मरीन ड्राइव (जेपी गंगा पथ) के किनारे समग्र उद्यान / पार्किंग / कैफेटेरिया आदि विकसित करने से संबंधित समीक्षा बैठक की।

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री को बिहार राज्य पथ विकास निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक सौरभ जोरवाल ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से जेपी गंगा पथ समग्र उद्यान परियोजना के अंतर्गत किये जा रहे कार्यों, पूर्ण कराये गये कार्यों तथा प्रस्तावित विकास कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। प्रस्तुतीकरण में वाटर मेट्रो जेट्टी, पार्किंग फॉर शॉप्स, ग्राउंड डेवलपमेंट, 25 एमएलडी एवं 100 एमएलडी एसटीपी, एलसीटीघाट/पीएमसी 50 शॉप्स, बॉटनिकल गार्डेन, पटना मेट्रो कास्टिंग यार्ड/मीटिंग ग्राउंड, स्पोर्ट्स ग्राउंड, पार्किंग फॉर ग्राउंड, बटरफ्लाई पार्क, बांस घाट क्रिमेटोरियम कॉम्प्लेक्स, मंदिरी नाला कनेक्टिविटी, ओल्ड बांस घाट क्रिमेटोरियम कॉम्प्लेक्स, एसटीप०/ वेस्ट टू वंडर पार्क, प्रस्तावित गंगा चौनल विकास, पटना स्मार्ट सिटी पार्क विकास, महिला हाट एंड पार्किंग / कला ग्राम, दीघा रोटरी आदि के विकास कार्यों की प्रगति एवं अद्यतन स्थिति के संबंध में मुख्यमंत्री को विस्तृत रूप से अवगत कराया गया।

समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश देते हुये ते हुये कहा कि विकास कार्यों में तेजी लाकर उन्हें निर्धारित समय-सीमा के अंदर पूर्ण करायें। कोईलवर एक्सप्रेस-वे को ध्यान में रखते हुए ऐसी कार्ययोजना तैयार करें जिससे गंगा के जलस्तर में वृद्धि होने की स्थिति में भी लोगों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। जेपी गंगा पथ पर प्रत्येक डेढ़ से दो किलोमीटर की दूरी पर पर्याप्त पार्किंग की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए ताकि वाहनों का परिचालन सुचारु रूप से हो सके। आवश्यकतानुसार गंगा के किनारे फुटओवर ब्रिज के निर्माण की कार्ययोजना तैयार करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐतिहासिक गोलघर पटना की पहचान है, इसलिए उसे और अधिक सुंदर एवं आकर्षक स्वरूप में विकसित किया जाए। गोलघर परिसर में कैफेटेरिया की व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा पटना हाईकोर्ट के समीप स्थित वाटर टावर का जीर्णोद्धार भी बेहतर ढंग से करायें। जेपी गंगा पथ समग्र उद्यान परियोजना को और अधिक आकर्षक, सुविधाजनक एवं जनोपयोगी बनाने के लिए आमलोगों से सुझाव लें। बक्सर से भागलपुर तक गंगा तट के विकास के लिए चरणबद्ध समेकित मास्टर प्लान तैयार करें ताकि गंगा बेसिन का सुव्यवस्थित विकास हो तथा भूमि का अधिकतम सदुपयोग सुनिश्चित किया जा सके। श्रद्धालुओं एवं छठव्रतियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुये गंगा घाटों को विकसित करायें। इसको लेकर पटना के कुर्जी से काली घाट तक 6.5 किलोमीटर गंगा चैनल विकसित होगा।बैठक में उप मुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, विकास आयुक्त मिहिर कुमार सिंह, नगर विकास एवं आवास विभाग के प्रधान सचिव विनय कुमार, पथ निर्माण विभाग के सचिव पंकज कुमार पाल, मुख्यमंत्री के सचिव संजय कुमार सिंह, कला, संस्कृति विभाग के सचिव प्रणव कुमार, जल संसाधन विभाग के सचिव डॉ चन्द्रशेखर सिंह, जिलाधिकारी कुंदन कुमार, बिहार राज्य पथ विकास निगम लिमिटेड के सौरभ जोरवाल आदि थे।

बिहार में जनता की सरकार, जनसेवा और विकास सर्वोच्च प्राथमिकता : मुख्यमंत्री

➤ **मुख्यमंत्री अखिल भारतीय कानू हलवाई विचार मंच, बिहार एवं वंशी चाचा सामाजिक विकास परिषद, बिहार के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित अभिनंदन समारोह में हुए शामिल**

प्रात : किरण

पटना। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी अखिल भारतीय कानू हलवाई विचार मंच, बिहार एवं वंशी चाचा सामाजिक विकास परिषद, बिहार के संयुक्त तत्वावधान में श्रीकृष्ण मेमोरियल हॉल में आयोजित अभिनंदन समारोह में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने दीप प्रज्वलित कर समारोह का विधिवत शुभारंभ किया।समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में किसी व्यक्ति या गठबंधन की नहीं, बल्कि जनता की सरकार है। सरकार का प्रत्येक मंत्री, विधायक जनसेवक है। हमारी सरकार का एक-एक दिन तथा एक-एक घंटा बिहार के विकास और जनता की सेवा के लिए समर्पित है। उन्होंने कि राज्य सरकार 31 मार्च 2027 से पूर्व एक करोड़ बीपीएल परिवारों की पहचान कर उन्हें राशन कार्ड उपलब्ध कराएगी। साथ ही 25 लाख परिवारों के घरों की छतों पर सोलर स्थापित कर निर्बाध बिजली उपलब्ध कराने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

गरीबों की जमीन पर अवैध कब्जा हटाकर उन्हें भूमि वापस दिलाने का संकल्प :

मुख्यमंत्री ने कहा कि पलवैया धाम में बाबा गणिनाथ जी महाराज के मंदिर के समग्र विकास के लिए आवश्यकतानुसार भूमि अधिग्रहित की जायेगी तथा हरसंभव सरकारी सहयोग दिया जायेगा। अगले पाँच वर्षों में मरीन ड्राइव के माध्यम से पलवैया धाम तक बेहतर सड़क संपर्क उपलब्ध कराया जाएगा। सोनपुर से राघोपुर पुल तक पाँच पुलों को जोड़ते हुए गंगा अंबिका पथ के माध्यम से मोकामा तक संपर्क विकसित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कानू-हलवाई समाज सदैव संगठित रहकर बिहार के विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहे, सरकार समाज के साथ मजबूती से खड़ी है। अखिल भारतीय कानू हलवाई विचार मंच की सभी मांगों पर प्रतिनिधिमंडल के साथ गंभीरतापूर्वक विचार-विमर्श कर निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि गरीब एवं कमजोर परिवारों की जमीन पर अवैध कब्जा करने वालों की पहचान कर उनकी जमीन वापस दिलाई जाएगी। अतिपिछड़ा समाज को किसी से डरने की आवश्यकता नहीं है, सरकार उनके अधिकारों की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2005 से पूर्व वैश्य समाज सहित बड़ी संख्या में लोग बिहार से पलायन करने को विवश थे, लेकिन एनडीए सरकार के नेतृत्व में राज्य में व्यापक परिवर्तन हुआ है तथा अर्थव्यवस्था को नई मजबूती मिली है। समारोह को पर्यटन मंत्री केदार प्रसाद गुप्ता एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने भी संबोधित किया।कार्यक्रम के दौरान आयोजक मंडल ने मुख्यमंत्री का पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्र, गदा, स्मृति चिन्ह एवं फूल-मालाओं से भव्य स्वागत किया।इस अवसर पर पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री रामचन्द्र प्रसाद आदि थे।

वित्तीय सशक्तिकरण की ओर एक सार्थक पहल: एम्स पटना एवं एसबीआई ने कर्मचारियों को दिए सुरक्षित बैंकिंग और स्मार्ट वित्तीय प्रबंधन के मंत्र

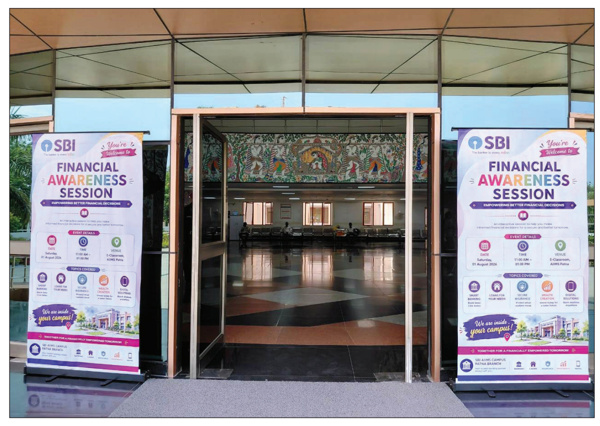

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। स्वस्थ जीवन के साथ-साथ आर्थिक रूप से जागरूक और सशक्त कार्यबल के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) पटना एवं भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), एम्स पटना परिसर शाखा ने शनिवार को वित्तीय साक्षरता एवं डिजिटल बैंकिंग जागरूकता सत्र का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आधुनिक बैंकिंग सेवाओं, सुरक्षित डिजिटल लेन-देन, निवेश, ऋण सुविधाओं तथा साइबर सुरक्षा के प्रति व्यवहारिक और उपयोगी जानकारी उपलब्ध कराना था ताकि वे बदलते वित्तीय परिवेश में अधिक आत्मविश्वास और सजगता के साथ निर्णय ले सकें।

कार्यक्रम का शुभारंभ कार्यकारी निदेशक प्रो. (ब्रिगेडियर) डॉ. राजू अग्रवाल ने किया। इस अवसर पर उप निदेशक (प्रशासन) निलोत्पल बल, एसबीआई आरबीओ वेस्ट के क्षेत्रीय प्रबंधक रामेन्द्र सिन्हा तथा एसबीआई एम्स पटना परिसर शाखा के मुख्य प्रबंधक रजनीश कुमार सहित संस्थान के अनेक अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

अपने उद्घाटन संबोधन में प्रो. (ब्रिगेडियर) डॉ. राजू अग्रवाल ने कहा कि आज के डिजिटल युग में वित्तीय साक्षरता आर्थिक स्वतंत्रता की पहली सीढ़ी है। उन्होंने कहा कि आय अर्जित करना जितना महत्वपूर्ण है उतना ही आवश्यक उसका विवेकपूर्ण प्रबंधन, सुरक्षित निवेश और डिजिटल बैंकिंग के प्रति जागरूक रहना भी है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम कर्मचारियों को आर्थिक रूप से अधिक सक्षम, सुरक्षित और भविष्य के प्रति सजग बनाएंगे।

सत्र के दौरान बैंकिंग विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों को वेतन खाते की सुविधाओं, गृह ऋण, व्यक्तिगत ऋण, डिजिटल बैंकिंग प्लेटफॉर्म, निवेश योजना, बीमा सेवाओं एवं अन्य बैंकिंग उत्पादों की विस्तृत जानकारी दी। साथ ही बढ़ते साइबर अपराधों के मद्देनजर ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी से बचाव, सुरक्षित डिजिटल भुगतान, मजबूत पासवर्ड, ओटीपी सुरक्षा तथा डिजिटल लेन-देन के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों पर विशेष रूप से प्रकाश डाला गया।

रामेन्द्र सिन्हा, क्षेत्रीय प्रबंधक, एसबीआई आरबीओ वेस्ट ने कहा कि वित्तीय समावेशन केवल बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है बल्कि प्रत्येक नागरिक को सही वित्तीय निर्णय लेने के लिए जागरूक बनाना भी उतना ही आवश्यक है। उन्होंने कहा कि एसबीआई देशभर में वित्तीय साक्षरता को जन-आंदोलन बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

रजनीश कुमार, मुख्य प्रबंधक, एसबीआई एम्स पटना परिसर शाखा ने एसबीआई की विभिन्न बैंकिंग योजनाओं एवं डिजिटल सेवाओं की जानकारी साझा करते हुए प्रतिभागियों को उनकी आवश्यकताओं के अनुरूप वित्तीय विकल्प चुनने के संबंध में मार्गदर्शन दिया। कार्यक्रम के अंत में आयोजित प्रश्नोत्तर सत्र में प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक अपने प्रश्न पूछे जिनका विशेषज्ञों ने सरल, व्यवहारिक एवं उपयोगी उत्तर दिया।

कार्यक्रम में एम्स पटना के संकाय सदस्यों, अधिकारियों, प्रशासनिक पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया।

प्रतिभागियों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह सत्र न केवल बैंकिंग सेवाओं की बेहतर समझ विकसित करने में सहायक रहा बल्कि उन्हें सुरक्षित डिजिटल व्यवहार, विवेकपूर्ण निवेश और बेहतर वित्तीय भविष्य की दिशा में सार्थक मार्गदर्शन भी प्रदान किया।स्वास्थ्य सेवा में उत्कृष्टता के साथ-साथ कर्मचारियों के आर्थिक सशक्तिकरण और वित्तीय जागरूकता को बढ़ावा देने की दिशा में एम्स पटना की यह पहल संस्थान की समग्र विकास एवं कर्मचारी हितैषी कार्यसंस्कृति का सशक्त उदाहरण है।

दृष्टिबाधित छात्राओं के साथ आवासीय प्रोजेक्ट का शुभारंभ

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। अनंतज्योति बालिका विद्यालय के दृष्टिबाधित छात्रों के साथ श्रीयम विल्डवर्स प्राइवेट लिमिटेड ने 14 प्लांट आवासीय प्रोजेक्ट का शुभारंभ किया। इस दौरान दृष्टिबाधित छात्राओं के साथ मध्याह्न भोजन एवं फल वितरण किया गया। इस अवसर पर कंपनी ऑपरेशनल हेड रोहित कुमार ने कहा कि इस कंपनी का मुख्य उद्देश्य केवल प्लांट बेचना नहीं, बल्कि समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाना भी हैं। उन्होंने कहा कि इस व्यवसाय से प्राप्त होने वाले लाभ का एक हिस्सा दिव्यांग एवं विशेष सहायता की आवश्यकता वाले छात्र-छात्राओं के समुचित विकास, शिक्षा, प्रोत्साहन और सहयोग के लिए समर्पित किया जायेगा। उन्होंने बताया कि कंपनी का दफ्तर बहादुर स्थित बाजार समिति के रूमेट गर्ल्स हॉस्टल में हैं। संपर्क करने वाले 9234569644 पर कर सकते हैं। कंपनी ने प्रोजेक्ट में निवेश करने वाले ग्राहकों से भी इस सामाजिक पहल की सहभागी बनने की अपील की हैं।

देश को नशा-मुक्त और सशक्त बनाने के लिए 1 करोड़ से अधिक युवाओं ने ली शपथ

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के ह्लनशा मुक्त भारत अभियानह्व के तहत आयोजित राज्यस्तरीय समारोह में एक नया इतिहास रचा गया। केंद्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया के मार्गदर्शन में देश भर के एक करोड़ से अधिक युवाओं ने नशा-मुक्ति की शपथ लेकर इस मुहीम को देश का सबसे बड़ा जन-आंदोलन बना दिया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्चुअल माध्यम से जुड़कर युवाओं को संबोधित किया। उन्होंने नशा-मुक्त, स्वस्थ और विकसित भारत के निर्माण का आह्वान किया।

आत्मबल, अनुशासन और दृढ़ संकल्प ही नशे के विरुद्ध सबसे प्रभावी शक्ति हैं।

– लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) सैयद अता हसनैन, राज्यपाल

कार्यक्रम की प्रमुख झलकियां:

समारोह का शुभारंभः राष्ट्रगान और दीप प्रज्ज्वलन से शुरूआत। माई भारत की निदेशक ने राज्यपाल और मुख्यमंत्री का स्वागत किया, वहीं अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह ने अभियान के उद्देश्यों की रूपरेखा रखी।

मुख्यमंत्री का संकल्पः बिहार नशा-मुक्ति के इस निर्णायक अभियान के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने इसे केवल सरकारी कार्यक्रम न मानकर हर नागरिक की सहभागिता वाला जन-आंदोलन बताया।

नैतिक चेतना पर जोरः बी.के. वर्णिका ने सकारात्मक जीवन-दृष्टि और नैतिक मूल्यों को नशा-मुक्त जीवन का आधार बताया।

समारोह में माई भारत के 500 से अधिक स्वयंसेवकों, अधिकारियों और युवाओं ने भाग लिया। बिहार राज्य गीत और शपथ ग्रहण के बाद प्रधानमंत्री के वर्चुअल संबोधन ने युवाओं में नई ऊर्जा का संचार किया।

प्रेम यूथ फाउंडेशन की ओर से विशाल नशा मुक्ति संकल्प सभा का हुआ आयोजन

■ सैकड़ों छात्र-छात्राओं ने ली नशा छोड़ने की शपथ

प्रातः किरण संवाददाता

पटना : प्रेम यूथ फाउंडेशन की ओर से नशा मुक्ति को लेकर एक विशाल संकल्प सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कॉलेज के सैकड़ों छात्र-छात्राओं और स्वयंसेवकों ने भाग लिया और नशा मुक्त भारत बनाने का संकल्प लिया।

सभा में मुख्य वक्ता फाउंडेशन के संस्थापक गांधीवादी प्रेम जी ने मंच से युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि नशा केवल व्यक्ति ही नहीं बल्कि पूरे परिवार और समाज को बर्बाद कर देता है। उन्होंने कहा कि अगर हमें ह्लविकसित भारत 2047ह्व का सपना साकार करना है तो सबसे पहले अपने समाज को नशा मुक्त बनाना होगा। अस्सी प्रतिशत मुह का कैंसर सिर्फ तंबाकु के सेवन से हो रहा है । बिहार में पूर्ण शराबबंदी लागू होने के बाद भी लोग लुक छिपकर शराब का सेवन कर रहे है यह चिंता जनक है । सूखा नशा के सेवन के हमारा युवा पीढ़ी जो इस राष्ट्र के कर्णधार है नष्ट हो रहा है । उन्होंने सभी स्वयंसेवको से आह्वान किया कि नशा मुक्त भारत बनाने में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें यह किसी सरकार या पुलिस की ही जिम्मेदारी नही है । सबको प्रयत्न करना होगा ।

सैकड़ों छात्र-छात्राओं ने ली शपथ

कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं को कतारबद्ध कर नशा न करने की शपथ दिलाई गई। सभी ने हाथ उठाकर संकल्प लिया कि वे न केवल खुद नशे से दूर रहेंगे बल्कि अपने दोस्तों, परिवार और मोहल्ले में भी नशा मुक्ति का संदेश फैलाएंगे। सभा में छात्राओं ने विशेष उत्साह दिखाया। उन्होंने नशा मुक्ति आंदोलन के बैनर और पोस्टर लेकर अब तो ठान कर ली है सपना, नशा मुक्त ही ह्यभारत अपना का नारा लगाया।

युवाओं को किया जागरूक

फाउंडेशन के प्रोग्राम ऑफिसर सुधांशु ने बताया कि नशे के कारण युवा अपनी पढ़ाई, करियर और स्वास्थ्य तीनों खो देते हैं। पोस्टरों के माध्यम से अपने लिए ना सही अपनों के लिए नशा को ना कहें और नशा छोड़ जीवन जोड़ जैसे संदेश दिए गए। वक्ताओं ने कहा कि प्रेम यूथ फाउंडेशन आगे भी कॉलेज में जाकर नशा मुक्ति अभियान चलाएगा। साथ ही दहेज प्रथा विरोध, पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता जैसे मुद्दों पर भी काम किया जाएगा।

बेजोड़ टॉक्स का 18वां एपिसोड, बिहार की राजकीय पक्षी गौरैया संरक्षक संजय कुमार ने रखे विचार

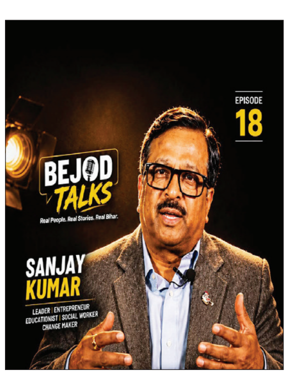

प्रातः किरण संवाददाता

पटनाः राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता नितिन नीरा चंद्रा की चंपारण टॉकीज के बेजोड़ टॉक्स, बिहार के जानेमाने हस्ताक्षर और गुमनाम प्रतिभाओं को वैश्विक मंच दे रहा है। बेजोड़ टॉक्स का 18 वां एपिसोड दो अगस्त को यूट्यूब पर रिलीज किया गया । इस एपिसोड में बिहार की राजकीय पक्षी गौरैया के संरक्षण में सक्रिय संजय कुमार पर केंद्रित किया गया है।

क्षेत्रीय सिनेमा और कला को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने वाली प्रसिद्ध प्रोडक्शन कंपनी ह्लचंपारण टॉकीजह्व ने अपने डिजिटल प्लेटफॉर्म ह्लबेजोड़ ओटीटीह्व पर एक नए और क्रांतिकारी टॉक शो ह्लबेजोड़ टॉक्स की शुरूआत की है। इस टॉक शो में बिहार और देश के अन्य हिस्सों से आने वाले उन असाधारण उद्यमियों, नवप्रवर्तकों, पर्यावरणविदों और कलाकारों की प्रेरणादायक कहानियों को दुनिया के सामने ला रहा है, जिन्होंने सीमित संसाधनों में समाज में बड़ा बदलाव किया है।

बेजोड़ टॉक्सके 18वें एपिसोड के अतिथि गौरैया संरक्षक संजय कुमार ने भोजपुरी में गौरैया संरक्षण की हर छोटी-बड़ी बातें बतायी है। कैसे जुड़े और गौरैया संरक्षण की तस्वीर बिहार सहित देश भर में कैसी है को कहानीनुमा अंदाज में बताया।

पूरा एपिसोड सिनेमायी अंदाज में प्रस्तुत किया गया है, जो उसकी खूबसूरती है। यह दूसरों से इसलिए अलग है कि ह्लबेजोड़ टॉक्स लोकल बोलियों में अतिथियों से टॉक्स करता है जो जमीनी पुट को लिए रहता है। इसमें सिर्फ टॉक्स ही नहीं है बल्कि संबंधित व्यक्ति के काम को टीम जमीनी खोज कर एपिसोड को जीवंत बनाते हैं। शो के सह-निमार्ता ऋषि राज ने गौरैया संरक्षण में किए गए संजय कुमार के कामों का आंकलन दौरा कर किया। टॉक्स के बीच में गौरैया संरक्षण पहल की फुटेज डाल रोचक बनाया हैं। शो की सिनेमैटोग्राफी और शानदार कैमरा वर्क कुंदन आर्य द्वारा किया गया है, जो दर्शकों को एक बेहतरीन विजुअल ट्रीट देता है। मंच की खूबसूरती और थीम आधारित आर्ट वर्क को प्रेमचंद महतो ने जीवंत किया है। वहीं शो की क्रिएटिविटी को चन्द्रा निशा के रचनात्मक इनपुट्स ने और अधिक मजबूती प्रदान की है।लीक से हटकर काम करने वालों को समर्पित मंच बेजोड़ टॉक्स का मुख्य उद्देश्य समाज के उन हीरों को सामने लाना है जो अक्सर मुख्यधारा के मीडिया की चकाचौंध से दूर रहकर जमीनी स्तर पर काम करते हैं।

शो में शामिल होने वाले मेहमानों में जैविक खेती करने वाले किसान, जल संरक्षण और पक्षियों के में जुटे पर्यावरणविद, ग्रामीण पृष्ठभूमि के स्टार्टअप संस्थापक और पारंपरिक कला को सहेजने वाले कलाकार शामिल हैं। यह मंच उनकी सफलता के साथ-साथ उनके संघर्ष और विजन की वास्तविक यात्रा को साझा करता है।

दृष्टि बाधित छात्राओं के साथ सेवा के संकल्प के बीच श्रीयम बिल्डवर्सेस ने किया पहले प्लॉटिंग प्रोजेक्ट का शुभारंभ

प्रातः किरण संवाददाता

पटना, 2 अगस्त। रियल एस्टेट क्षेत्र में अपनी नई शुरूआत को समाज सेवा से जोड़ते हुए श्रीयम बिल्डवर्सेस ने अपने पहले 14 प्लॉट वाले आवासीय प्रोजेक्ट का शुभारंभ अनंतज्योति बालिका विद्यालय, कुर्जी, पटना में दृष्टिबाधित छात्राओं के साथ मध्याह्न भोजन एवं फल वितरण कार्यक्रम आयोजित कर किया।

इस अवसर पर कंपनी के ऑपरेशनल हेड श्री रोहित कुमार ने कहा कि का उद्देश्य केवल प्लॉट बेचना या लाभ कमाना नहीं है, बल्कि समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाना भी है।उन्होंने कहा कि कंपनी ने संकल्प लिया है कि व्यवसाय से प्राप्त होने वाले लाभ का एक हिस्सा शारीरिक रूप से दिव्यांग एवं विशेष सहायता की आवश्यकता वाले छात्र-छात्राओं के समुचित विकास, शिक्षा, प्रोत्साहन और सहयोग के लिए समर्पित किया जाएगा। कंपनी का प्रयास रहेगा कि ऐसे बच्चों को आत्मनिर्भर बनने और समाज की मुख्यधारा से सम्मानपूर्वक जुड़ने में हर संभव सहयोग दिया जाए।

कार्यक्रम के दौरान छात्राओं के साथ आत्मीय संवाद किया गया, उनके साथ मध्याह्न भोजन किया गया तथा फल वितरित किए गए। इस अवसर पर मीडिया से बातचीत में श्री रोहित कुमार ने कहा कि ह्लव्यवसाय की वास्तविक सफलता केवल आर्थिक लाभ में नहीं, बल्कि समाज के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने में है।उन्होंने आगे कहा कि यदि समाज के अधिक से अधिक लोग इस अभियान से जुड़ेंगे, तो भविष्य में शिक्षा, स्वास्थ्य और दिव्यांगजन कल्याण से जुड़े कई और सामाजिक कार्य किए जा सकेंगे।

संस्था ने अपने पहले प्लॉटिंग प्रोजेक्ट में निवेश करने वाले ग्राहकों से भी इस सामाजिक पहल का सहभागी बनने की अपील की है। कंपनी के अनुसार, प्रत्येक निवेश केवल एक संपत्ति की खरीद नहीं होगा, बल्कि समाज के जरूरतमंद बच्चों के बेहतर भविष्य में भी एक सकारात्मक योगदान होगा।

कॉमनवेल्थ खेल ग्लासगो में भारतीय खिलाड़ियों की शानदार सफलता पर वाणिज्य प्रकोष्ठ ने दी बधाई

पटना। भाजपा वाणिज्य प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक प्रो. (डॉ.) जगन्नाथ प्रसाद गुप्ता, प्रदेश सह-संयोजक अमृतेष कुमार गुप्ता एवं मुख्य प्रवक्ता नरेश महतो ने कॉमनवेल्थ खेल ग्लासगो-2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर भारत का गौरव बढ़ाने वाले सभी खिलाड़ियों को हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं।प्रो. जगन्नाथ गुप्ता ने कहा कि भारतीय खिलाड़ियों ने अपने अनुशासन, कठोर परिश्रम एवं अदम्य आत्मविश्वास के बल पर विश्व पटल पर भारत का मान बढ़ाया है। उनकी उपलब्धियां देश के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं तथा भारत की बढ़ती खेल शक्ति का प्रमाण हैं।

वहीं अमृतेष गुप्ता ने कहा कि खिलाड़ियों की यह ऐतिहासिक सफलता प्रत्येक भारतीय के लिए गर्व का विषय है। पीएम मोदी के नेतृत्व में खेल अवसंरचना, खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं तथा प्रतिभाओं को प्रोत्साहन मिलने से भारत निरंतर वैश्विक मंच पर नई उपलब्धियां हासिल कर रहा है। उन्होंने सभी खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य एवं निरंतर सफलता की कामना की। वहीं मुख्य प्रवक्ता नरेश महतो ने कहा कि देश के खिलाड़ियों ने जिस समर्पण और संघर्ष की भावना का परिचय दिया है, वह नई पीढ़ी को राष्ट्र के लिए उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भी भारत नई ऊंचाइयां प्राप्त करेगा।

वाणिज्य प्रकोष्ठ ने पुरुष शॉट पुट एफ57 में स्वर्ण पदक विजेता सोमन राणा, रजत पदक विजेता शुभम जुयाल, पुरुष 55 किग्रा वर्ग में रजत पदक विजेता जादूमणि सिंह मांडेंगबाम, 57 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक विजेता जैस्मिन लांबोरिया, 54 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक विजेता प्रीति पवार, पुरुष ट्रिपल जंप में रजत पदक विजेता प्रवीण चित्रावेल, कांस्य पदक विजेता सेल्वा प्रभु तिरुमारन, पुरुष डेकाथलॉन में कांस्य पदक आदि थे।

बिहार बालगीत-संग्रह लोकार्पण डॉ किशोर सिन्हा के बालगीत-संग्रह मोही और दद्दू का लोकार्पण

पटना। साहित्यकार और नाटककार डॉ किशोर सिन्हा के बालगीत-संग्रह दद्दू और पोती का लोकार्पण स्थानीय जगजीवन राम शोध संस्थान में रविवार को सम्पन्न हुआ। लोकार्पण समारोह की अध्यक्षता जाने-माने कवि/कथाकार और बाल-साहित्य के रचनाकार भगवती प्रसाद द्विवेदी ने की, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में वरिष्ठ नाटककार प्रो. नरेन्द्रनाथ पांडेय, सुपरिचित कथाकार श्रीमती भावना शेखर, कवि और चिंतक शिवदयाल, प्रख्यात कवि और शिक्षाविद डॉ शिवनारायण और बेतिया से आये वरिष्ठ गीतकार डॉ गोरख प्रसाद मस्ताना सहित अनेक गणमान्य साहित्यकारों ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन रंगकर्मी और नृत्यांगना श्वेता सुरभि ने किया।इस अवसर पर पुस्तक के गीतों पर डॉ किशोर सिन्हा द्वारा बनाये हुए संगीत-वीडियो-अलबम का प्रदर्शन भी किया गया। अपने अध्यक्षीय संबोधन में श्री द्विवेदी ने कहा कि यह संग्रहालय दद्दू और पोती के बीच जीवंत संवादों से ओतप्रोत है, जिसमें बच्चों की बड़ी प्यारी कवितायें संकलित हैं। कवि और चिंतक शिवदयाल ने कहा कि मोही और दद्दू केवल बाल गीतों का संग्रह नहीं, इसमें दादा और पोती के बीच के अनमोल रिश्ते को शब्दों में बाँधने की कोशिश की गई है।

जीवनदान हेल्थ में इमेजलेस रोबोटिक जॉइंट रिप्लेसमेंट की सुविधा शुरू

पटना। इंटरनेशनल बोन एंड जॉइंट डे के उपलक्ष्य में राजधानी के जीवनदान हेल्थ ने पूर्वी भारत के पहले ड्रेगर मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर (ओटी) में जॉनसन एंड जॉनसन की वेलिस इमेजलेस रोबोटिक-असिस्टेड टेक्नोलॉजी के माध्यम से रोबोटिक-सहायता प्राप्त घुटना एवं कूल्हा प्रत्यारोपण शल्य चिकित्सा की सुविधा की शुरूआत की। इस संबंध में प्रेस वार्ता एवं तकनीकी प्रदर्शन का आयोजन किया गया।प्रेस वार्ता के दौरान ऑथोर्पेडिक्स एवं जॉइंट रिप्लेसमेंट विभागाध्यक्ष तथा रोबोटिक जॉइंट रिप्लेसमेंट विशेषज्ञ डॉ. अश्विनी गौरव ने कहा कि वेलिस इमेजलेस रोबोटिक-असिस्टेड टेक्नोलॉजी जॉइंट रिप्लेसमेंट शल्य चिकित्सा के क्षेत्र में सटीकता और सुरक्षा का नया मानक स्थापित कर रही है। उन्होंने बताया कि यह तकनीक शल्य चिकित्सा से पहले मरीज के जोड़ की स्थिति का सूक्ष्म विश्लेषण करती है, जिसके आधार पर मरीज की शारीरिक संरचना के अनुरूप विस्तृत शल्य योजना तैयार की जाती है। शल्य प्रक्रिया के दौरान यह प्रणाली तात्कालिक जानकारी और अत्यंत सटीक माप उपलब्ध कराकर कृत्रिम जोड़ की सही स्थिति सुनिश्चित करने में सर्जन की सहायता करती है।डॉ. अश्विनी ने आगे कहा कि रोबोट स्वयं किसी प्रकार की शल्य चिकित्सा नहीं करता। संपूर्ण शल्य प्रक्रिया प्रशिक्षित एवं अनुभवी सर्जन द्वारा ही की जाती है। उन्होंने बताया कि पारंपरिक जॉइंट रिप्लेसमेंट की तुलना में रोबोटिक-सहायता प्राप्त तकनीक से कृत्रिम जोड़ की बेहतर स्थापना सुनिश्चित करने में सहायता मिलती है। इससे जोड़ की प्राकृतिक कार्यप्रणाली को ध्यान में रखते हुए उपचार की योजना बनाई जा सकती है। इस अवसर पर जीवनदान हेल्थ के प्रबंधक एवं निदेशक डॉ. प्रशांत कुमार ने कहा कि संस्थान का उद्देश्य बिहार एवं पूर्वी भारत के लोगों को महानगरों के समान अत्याधुनिक एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कराना है। मौके पर मेडिकल सुपरिटेंडेंट एवं एचओडी यूरोलॉजी डॉ. अंकुर अकेला मौजूद रहे।प्रेस वार्ता के दौरान मीडिया प्रतिनिधियों को वेलिस इमेजलेस रोबोटिक-असिस्टेड सिस्टम का तकनीकी प्रदर्शन भी कराया गया। कार्यक्रम में डॉ. राजेश कुमार, स्वाजीत ठाकुर, रोहित कुमार, शैलेश कुमार सहित अस्पताल के चिकित्सक, अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

गोलीकांड से दहला आन्दर , बीच-बचाव करने पहुंचे युवक को मारी गोली

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। बिहार के सिवान जिले के आन्दर थाना क्षेत्र में आपसी विवाद के दौरान बीच-बचाव करना एक युवक को भारी पड़ गया। झगड़ा शांत कराने पहुंचे युवक को कथित तौर पर गोली मार दी गई, जिसके बाद उसे गंभीर अवस्था में पहले आन्दर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, फिर सदर अस्पताल सिवान और अंततः बेहतर इलाज के लिए पीएमसीएच पटना रेफर किया गया। जहां उनकी मृत्यु हो गई। घटना के बाद घायल युवक की मां ने आन्दर थाना में लिखित आवेदन देकर आरोपितों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की थी।

आवेदन के अनुसार, खेड़ापुर गांव निवासी मालती देवी ने बताया कि 16 जुलाई 2026 की रात करीब आठ बजे गांव में अंकुश खरवार, अजय खरवार तथा संजीत पंडित के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो रहा था। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और कई लोग मौके पर पहुंच गए। आरोप है कि संजीत पंडित, रवि गुप्ता, कन्हैया गुप्ता, मुकेश चौरसिया उर्फ नेउर, शिवम शर्मा, शिवशंकर पंडित सहित अन्य लोगों ने मिलकर अंकुश खरवार के साथ मारपीट शुरू कर दी।

इसी दौरान मालती देवी के पुत्र मुकेश श्रीवास्तव वहां पहुंचे और दोनों पक्षों के बीच समझौता कराने तथा झगड़ा शांत कराने का प्रयास करने लगे। आरोप है कि इसी दौरान रवि गुप्ता ने जान से मारने की नीयत से मुकेश श्रीवास्तव पर गोली चला दी। गोली उनके बाएं पेट के पास लगी, जिससे वे गंभीर रूप से घायल होकर मौके पर ही गिर पड़े।

गोली चलने की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंचे, जिसके बाद सभी आरोपित वहां से फरार हो गए। ग्रामीणों की सहायता से घायल मुकेश श्रीवास्तव को तत्काल प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र आन्दर ले जाया गया। वहां चिकित्सकों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए सदर अस्पताल सिवान रेफर कर दिया। बाद में बेहतर उपचार के लिए उन्हें पीएमसीएच पटना भेजा गया, जहां उनका इलाज के क्रम में मृत्यु हो गई।

मालती देवी ने अपने आवेदन में कहा है कि पुत्र के इलाज में व्यस्त रहने के कारण वे घटना के अगले दिन, 17 जुलाई 2026 को थाना पहुंचकर लिखित शिकायत दे सकी। उन्होंने पुलिस से मामले की निष्पक्ष जांच कर सभी नामजद आरोपितों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।

ग्लोबल कायस्थ कॉन्फ्रेंस, सिवान इकाई के पदाधिकारियों ने आज आन्दर प्रखंड के खेड़ापुर गांव पहुंचकर दिवंगत स्वर्गीय मुकेश श्रीवास्तव के शोकाकुल परिवार से मुलाकात की तथा गहरी संवेदना व्यक्त की। प्रतिनिधिमंडल में जिला अध्यक्ष नीलेश वर्मा नील, उपाध्यक्ष राकेश सहाय, महासचिव कुमार प्रशांत, मीडिया हेड आकाश श्रीवास्तव, सचिव विनोद श्रीवास्तव एवं अतुल श्रीवास्तव शामिल थे।

दिवंगत मुकेश श्रीवास्तव के परिवार की स्थिति अत्यंत दयनीय है। लगभग छह वर्ष पूर्व उनकी पत्नी अनिता देवी का हाट अटैक से निधन हो चुका है। परिवार में 12 वर्षीय पुत्र, 8 वर्षीय पुत्री एवं 85 वर्षीय वृद्ध माता है। परिवार के एकमात्र कमाने वाले सदस्य के निधन से पूरे परिवार के समक्ष गंभीर आर्थिक एवं सामाजिक संकट उत्पन्न हो गया है।

संगठन ने जिला प्रशासन एवं राज्य सरकार से मांग की है कि हत्या के सभी दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाए तथा पीड़ित परिवार को उचित सरकारी मुआवजा एवं अन्य सभी सरकारी सहायता तत्काल उपलब्ध कराई जाए।

यह घटना एक बार फिर इस गंभीर सवाल को सामने लाती है कि सामाजिक जिम्मेदारी निभाते हुए झगड़ा शांत कराने वाले लोग भी हिंसा का शिकार हो रहे हैं। यदि आवेदन में लगाए गए आरोप जांच में सही पाए जाते हैं, तो यह न केवल कानून-व्यवस्था बल्कि समाज में बढ़ती हिंसक प्रवृत्ति का भी चिंताजनक संकेत है।

नशामुक्त युवा ही विकसित भारत की आधारशिला : श्रवण

मंत्री ने कहा - बिहार की शराबबंदी सामाजिक क्रांति का प्रतीक है

मंत्री ने छात्र-छात्राओं एवं उपस्थित नागरिकों को नशामुक्ति की शपथ दिलाई

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से देशव्यापी नशा मुक्त युवा विकसित भारत संकल्प अभियान के शुभारंभ के अवसर पर नालंदा जिले में नालंदा कॉलेज, बिहारशरीफ के सभागार में जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ बिहार सरकार के ग्रामीण विकास मंत्री एवं सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के मंत्री श्रवण कुमार, कौशलेन्द्र कुमार, सांसद, लोक सभा, नालंदा, उप विकास आयुक्त सारा अशरफ, अपर समाहर्ता (आपदा प्रबंधन) रंजन कुमार चौधरी, जिला युवा पदाधिकारी, दीक्षा मिश्रा, नालंदा कॉलेज की प्राचार्या डॉ. सुनीता सिन्हा द्वारा दीप प्रज्वलित कर तथा स्वामी विवेकानंद के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इसके उपरांत उपस्थित जनसमूह ने प्रधानमंत्री के उद्बोधन का ऑनलाइन प्रसारण देखा एवं सुना।

अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि नशा मुक्त युवाझ विकसित भारत संकल्प अभियान केवल एक जनजागरूकता कार्यक्रम नहीं, बल्कि विकसित भारत के निर्माण का राष्ट्रीय संकल्प है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए युवाओं का शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ, आत्मविश्वासी तथा नशे से पूर्णतः मुक्त होना आवश्यक है। उन्होंने युवाओं का आह्वान किया कि वे स्वयं नशे से दूर रहें तथा समाज को भी इसके दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करें।

प्रधानमंत्री ने कहा कि देशभर के हजारों विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों के लाखों विद्यार्थी, माय भारत के स्वयंसेवक तथा राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के सदस्य इस अभियान से जुड़े हैं। एक करोड़ से अधिक युवाओं की भागीदारी इस बात का प्रमाण है कि भारत का युवा जागरूक, जिम्मेदार और विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सामूहिक प्रयासों से किसी भी सामाजिक बुराई के विरुद्ध प्रभावी जनआंदोलन खड़ा किया जा सकता है।

भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संबोधन के बाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि आज के युवाओं को ड्रग्स एवं अन्य सभी प्रकार के नशे से दूर रहना चाहिए। नशा समाज और परिवार दोनों के लिए घातक है तथा यह अनेक सामाजिक बुराइयों की जड़ है। उन्होंने कहा कि बिहार में लागू शराबबंदी सामाजिक परिवर्तन की दिशा में एक ऐतिहासिक एवं क्रांतिकारी कदम है, जिसे महिलाओं के व्यापक जनसमर्थन एवं सहभागिता से सफलता मिली।

उन्होंने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि गांधीजी शराब जैसी सामाजिक बुराई को समाप्त करने के पक्षधर थे। उन्होंने कहा कि बिहार में शराबबंदी के समर्थन में बनी मानव श्रृंखला विश्व की सबसे बड़ी मानव श्रृंखला के रूप में स्थापित हुई, जो सामाजिक जागरूकता और जनभागीदारी का उत्कृष्ट उदाहरण है।

मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने न केवल राज्य में शराबबंदी लागू की, बल्कि जनप्रतिनिधियों एवं समाज के सभी वर्गों को स्वयं नशे से दूर रहने तथा लोगों को इसके दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने का संकल्प भी दिलाया।

कानू-हलवाई विचार मंच ने सम्राट सरकार के 100 दिन पूरे होने पर किया अभिनंदन समारोह आयोजित

● एनडीए सरकार ने अति पिछड़ा एवं वैश्य समाज को सम्मान और भागीदारी दी

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। पटना के श्रीकृष्ण मेमोरियल हॉल में कानू-हलवाई विचार मंच एवं बंसी चाचा सामाजिक विकास परिषद के संयुक्त तत्वावधान में बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के 100 दिन के कार्यकाल पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भव्य अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया।

समारोह को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने कहा कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने अपने 100 दिनों के कार्यकाल में विकास, सुशासन और जनसेवा का नया अध्याय लिखा है। उन्होंने कहा कि कानू-हलवाई समाज, अति पिछड़ा समाज और वैश्य समाज की जितनी चिंता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बिहार की एनडीए सरकार ने की है, उतनी किसी अन्य सरकार ने नहीं की।

पंचायतों, नगर निकायों और सरकारी नौकरियों में अति पिछड़े समाज की भागीदारी बढ़ाना एनडीए सरकार की ऐतिहासिक उपलब्धि है।

प्रदेश अध्यक्ष ने पर्यटन मंत्री केदार प्रसाद गुप्ता एवं मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से पलवैया धाम के समग्र विकास के लिए विशेष योजना तैयार करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार राज्य सरकार धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्थलों का विकास कर रही है, उसी प्रकार पलवैया धाम को भी राष्ट्रीय पहचान दिलाई जानी चाहिए।

उन्होंने कार्यकर्ताओं और समाज के लोगों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में विकसित बिहार के संकल्प को मजबूत करने का आह्वान किया।

अंत में उन्होंने कानू-हलवाई विचार मंच द्वारा मुख्यमंत्री को सौंपे गए प्रस्ताव का उल्लेख करते हुए विश्वास जताया कि सरकार समाज के हितों से जुड़े विषयों पर सकारात्मक निर्णय लेगी। उन्होंने उपस्थित जनसमूह का अभिनंदन करते हुए भारत माता की जय के साथ अपना संबोधन समाप्त किया।

कर्तव्यनिष्ठ अधिकारी डॉ. विमल कुमार को भावभीनी श्रद्धांजलि

पटना। नगर विकास एवं आवास विभाग के मंत्री नीतीश मिश्रा ने बिहार नगर सेवा के कर्मठ एवं कर्तव्यनिष्ठ पदाधिकारी डॉ. विमल कुमार, नगर कार्यपालक पदाधिकारी, नगर परिषद, डिहरी-डालमियानगर की दिनांक 01 अगस्त को हुई हत्या पर गहरा शोक एवं दुःख व्यक्त किया है।श्री मिश्रा ने कहा कि यह अत्यंत हृदयविदारक एवं दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। डॉ. विमल कुमार एक समर्पित, साहसी एवं कर्तव्यनिष्ठ अधिकारी थे, जिन्होंने अपने दायित्वों का सदैव निष्ठापूर्वक निर्वहन किया। उनका निधन केवल नगर विकास एवं आवास विभाग नहीं बल्कि पूरे समाज के लिए भी अपूरणीय क्षति है।उन्होंने दिवंगत अधिकारी को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें तथा शोकाकुल परिजनों को इस असहनीय दुःख को सहन करने की शक्ति एवं धैर्य दें।मंत्री श्री नीतीश मिश्रा ने कहा कि इस दुःख की घड़ी में नगर विकास एवं आवास विभाग शोक-संतप्त परिवार के साथ पूरी संवेदना के साथ खड़ा है।

मंत्रियों का जनसुनवाई आज से पुनः होगा प्रारंभ, प्रदेश अध्यक्ष ने दी जानकारी

पटना। बिहार जनता दल (यू) के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने रविवार को बयान जारी कर जानकारी दी कि प्रदेश कार्यालय, पटना में आयोजित मंत्रियों का जनसुनवाई कार्यक्रम, जो विधानमंडल के सत्र एवं बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव के मद्देनजर 18 जुलाई 2026 से 2 अगस्त 2026 तक स्थगित था, वह पूर्व घोषित कार्यक्रम के अनुसार 3 अगस्त 2026 से पुनः प्रारंभ होने जा रहा है।उन्होंने बताया कि प्रत्येक सप्ताह सोमवार से शुक्रवार तक पूर्वाह्न 11:30 बजे से आयोजित इस कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्रियों एवं मंत्रीगण अपने पूर्व निर्धारित दिवसों पर ही जनसुनवाई में उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम की समय-सारिणी में किसी प्रकार का कोई बदलाव नहीं किया गया है।

उन्होंने कहा कि जनसुनवाई कार्यक्रम राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार की जनकल्याण के प्रति प्रतिबद्धता एवं दूरदर्शी जनोन्मुखी सोच से प्रेरित एक महत्वपूर्ण पहल है। उनके मार्गदर्शन में संचालित इस जनहितकारी कार्यक्रम में प्रदेशभर से लोग विश्वास और भरोसे के साथ अपनी समस्याएँ लेकर आते हैं। संबंधित विभाग के माननीय मंत्री शिकायतकर्ताओं की समस्याओं के विधिसम्मत समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को तत्काल दिशा-निर्देश देते हैं। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि इस जनसुनवाई कार्यक्रम के प्रति आमजन का भरोसा लगातार मजबूत हुआ है तथा लोगों को उनकी समस्याओं के त्वरित एवं पारदर्शी समाधान की दिशा में सकारात्मक परिणाम प्राप्त हो रहे हैं।

विमल कुमार की हत्या दुखद, कानून व्यवस्था की खुली पोल : एजाज

पटना ।बिहार प्रदेश राष्ट्रीय जनता दल के प्रवक्ता एजाज अहमद ने डिहरी नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी विमल कुमार की धारदार हथियार से निर्मम हत्या कि घोर शब्दों में निंदा करते हुए कहा कि इस तरह की दिल दहला देने वाली घटना से राज्य में कानून व्यवस्था के मामले पर सवाल खड़ा कर होता है और ऐसा लगता है कि राज्य में अपराधियों के सामने शासन और प्रशासन का खौफ समाप्त हो गया है। इस तरह की घटना से कानून व्यवस्था पर भी सवाल खड़ा होता है और ऐसा लगता है कि अपराध और अपराधियों के रहमो-करम पर अधिकारियों और आम लोगों को छोड़ दिया गया है। कहीं भी शासन और प्रशासन का अपराधियों पर खौफ नहीं दिख रहा है और सरकार का इकबाल समाप्त हो गया है । कहा कि अपराधियों ने जिस तरह से हत्या को अंजाम दिया हैं उससे यह स्पष्ट होता है कि जब सरकारी अधिकारी और कर्मचारी ही सुरक्षित नहीं है तो आम जनों की सुरक्षा कैसे हो पाएगी ये बड़ा सवाल है।

एजाज ने अपराधियों के शीघ्र गिरफ्तारी के साथ-साथ चाहे कोई कितना भी प्रभावशाली क्यों ना हो उसपर कार्रवाई होनी चाहिए और स्पीडी ट्रायल चलकर अपराधियों को सजा मुकद्दर किया जाना चाहिए क्योंकि कठोर और प्रभावी कदम उठाने की आवश्यकता है। राज्य सरकार से इस जघन्य हत्या में शामिल सभी लोगों को बेनकाब करने के लिए तत्परता से कार्रवाई की मांग की है जिससे कि सच और सच्चाई सामने आ सके।

विमल कुमार की हत्या की उच्चस्तरीय जांच हो : अरुण यादव

पटना।राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश प्रवक्ता अरुण कुमार यादव ने डेहरी नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी विमल कुमार की नृशंस हत्या की कड़ी निंदा करते हुए इसे बिहार में बिगड़ती कानून-व्यवस्था का गंभीर उदाहरण बताया है। उन्होंने कहा कि एक सरकारी अधिकारी की इस प्रकार हत्या होना अत्यंत चिंताजनक है। राजद प्रवक्ता ने मांग की है कि इस हत्याकांड की उच्च स्तरीय एवं निष्पक्ष जांच कराई जाए, इस मामले में स्पीडी ट्रायल चलाकर दोषियों को शीघ्र एवं कठोर सजा दिलाई जाए तथा हत्या के पीछे यदि किसी प्रभावशाली राजनीतिक व्यक्ति या किसी अन्य प्रकार की साजिश की भूमिका हो तो उसका भी पदार्फाश किया जाए।

लोजपा आर सितम्बर में विशाल दलित-आदिवासी सम्मेलन का करेगा आयोजन

पटना। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) का अनुसूचित जाति-जनजाति प्रकोष्ठ सितम्बर माह में मिलर हाई स्कूल के मैदान में विशाल दलित-आदिवासी सम्मेलन का आयोजन करेगा। लोजपा-(रा) के राज्य कार्यालय 1 व्हीलर रोड पटना में अनुसूचित जाति-जनजाति प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्षों एवं राज्य के पदाधिकारियों की बैठक में उक्त आशय का निर्णय लिया गया।बैठक की अध्यक्षता अनुसूचित जाति-जनजाति के प्रदेश अध्यक्ष परशुराम पासवान ने किया। बैठक में चिराग पासवान को देश का सबसे लोकप्रिय नेता बताते हुए कहा गया कि सम्मेलन का उद्घाटन हमलोगों के नेता और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान करेंगे।बैठक में सर्वसम्मत से यह निर्णय लिया गया कि दलितों पर हो रहे जुल्म की घटना से पूरे बिहार के दलित समुदाय चिंतित है। जिलों में घटना होने पर प्रकोष्ठ के सभी पदाधिकारी तुरंत घटना स्थल पर जाकर पीड़ित परिवार से मिलेंगे और न्याय दिलाने के लिए आंदोलन करेंगे। बैठक में भूमिहीन दलितों को 4 डिसमिल जमीन सरकार से दिलाने का मुहिम चलाएंगे और दलितों का पुनर्वास कराएंगे।

दाल प्रसंस्करण इकाई लगाने पर मिलेगा 25 लाख रुपये तक का अनुदान

■ 31 अगस्त तक आवेदन की अंतिम तिथि

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। बिहार सरकार ने राज्य में दलहन के प्रसंस्करण, भंडारण और मूल्य संवर्धन को बढ़ावा देने के लिए दाल प्रसंस्करण इकाई स्थापना योजना के तहत ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए हैं। यह योजना दलहन में आत्मनिर्भरता मिशन के अंतर्गत संचालित की जा रही है। आवेदन की अंतिम तिथि 31 अगस्त 2026 है।

योजना के तहत राज्य में नई दाल मिल इकाइयों की स्थापना के लिए वित्तीय सहायता दी जाएगी। इसके लिए एफपीओ, सीएलएफ, पैक्स, उद्यमी, व्यक्तिगत आवेदक तथा अन्य पंजीकृत संस्थाएं आवेदन कर सकती हैं। योजना के अनुसार परियोजना लागत का 33 प्रतिशत अथवा अधिकतम 25 लाख रुपये (जो कम हो) तक अनुदान दिया जाएगा। यह सहायता प्लांट एवं मशीनरी, भवन, वेयरहाउस तथा भंडारण अवसंरचना के निर्माण के लिए उपलब्ध होगी। हालांकि भूमि खरीद, बिजली कनेक्शन, मानव संसाधन तथा अन्य संचालन व्यय पर अनुदान नहीं मिलेगा। भवन एवं भंडारण अवसंरचना पर अनुदान की राशि कुल पात्र अनुदान का अधिकतम 30 प्रतिशत तक सीमित रहेगी। योजना का लाभ लेने के लिए एफपीओ, सीएलएफ और पैक्स का कम से कम दो वर्ष से पंजीकृत एवं संचालित होना आवश्यक है। व्यक्तिगत आवेदक की आयु 21 वर्ष या उससे अधिक होनी चाहिए। परियोजना में न्यूनतम 15 प्रतिशत स्वयं का अंशदान तथा बैंक ऋण स्वीकृत होना अनिवार्य है। नई दाल प्रसंस्करण इकाई की न्यूनतम क्षमता 300 किलोग्राम प्रति घंटा निर्धारित की गई है। इकाई में बीआईएस मानक की मशीनरी तथा एफएसएसएआई लाइसेंस अनिवार्य होगा।

परियोजना को कम से कम तीन वर्ष तक संचालित एवं रखरखाव करना होगा। अनुदान की राशि लाभार्थी के खाते में डीबीटी के माध्यम से भेजी जाएगी। आवेदन के साथ परियोजना प्रतिवेदन (डीपीआर), बैंक ऋण स्वीकृति/सहमति पत्र, आधार एवं बैंक विवरण तथा संस्थाओं के लिए पंजीकरण प्रमाणपत्र जमा करना होगा। यह योजना फिलहाल पटना, नालंदा, औरंगाबाद, मुजफ्फरपुर, लखीसराय, सुपौल, भागलपुर, सीतामढ़ी, जहानाबाद और गया जिलों में लागू की गई है।

गन्ना की नर्सरी लगाने पर मिलेगा लागत का 75 फीसदी अनुदान

■ प्रति यूनिट 5 लाख प्लांटलेट्स उत्पादन करने का लक्ष्य

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। राज्य सरकार ने गन्ना नर्सरी योजना के तहत सिंगल बड प्लांटलेट्स तकनीक से आधुनिक गन्ना नर्सरी लगाने वाले किसानों को लागत का 75 फीसदी तक अनुदान अथवा प्रति यूनिट अधिकतम 11 लाख 25 हजार रुपये देने का निर्णय लिया है। इसके लिए किसानों को गन्ना उद्योग विभाग के पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन करना होगा।

विदित हो कि बिहार सरकार ने राज्य में गन्ना का उत्पादन बढ़ाने और किसानों को रोगमुक्त एवं उन्नत किस्मों के गन्ना पौधे उपलब्ध कराने के उद्देश्य से ह्यसिंगल बड प्लांटलेट्स पर आधारित गन्ना नर्सरी स्थापना योजना शुरू की है। इसके माध्यम से आधुनिक तकनीक पर आधारित गन्ना पौध उत्पादन को बढ़ावा दिया जाएगा और किसानों को समय पर गुणवत्तायुक्त बीज उपलब्ध कराए जाएंगे।

इस योजना के तहत स्थापित होने वाली नर्सरी की वार्षिक उत्पादन क्षमता 5 लाख प्लांटलेट्स निर्धारित की गई है, जिससे राज्य में रोगमुक्त एवं प्रमाणित गन्ना बीज उपलब्ध हो सकें और किसानों को बेहतर गन्ना उत्पादन करने में सहायता मिल सके।

गन्ना नर्सरी योजना के तहत चयनित किसानों को परियोजना लागत का 75 फीसदी अनुदान अथवा अधिकतम 11 लाख 25 हजार रुपये तक प्रदान किए जाएंगे। गन्ना उद्योग विभाग द्वारा अनुदान राशि का भुगतान कार्य की प्रगति के आधार पर तीन किस्तों में किया जाएगा। पहली किस्त में 40 फीसदी, दूसरी किस्त में 40 फीसदी और तीसरी किस्त में 20 फीसदी की दर से अनुदान प्रदान किया जाएगा, ताकि परियोजना का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित हो सके।

बताया जाता है कि इस योजना का लाभ लेने के लिए प्रगतिशील किसान, कृषक उत्पादक संगठन (एफपीओ), सहकारी समितियां और इच्छुक उद्यमी निर्धारित अवधि के भीतर केन केयर पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

प्राप्त आवेदनों का परीक्षण सहायक निदेशक, ईख विकास की अध्यक्षता में गठित स्क्रीनिंग समिति द्वारा निर्धारित मानकों के अनुसार किया जाएगा। इसके बाद चयनित लाभुकों को विभाग द्वारा स्वीकृति पत्र निर्गत किया जाएगा।

नीतीश कुमार ने पार्टी कार्यकर्ताओं एवं आमजन से आत्मीय भेंट कर उनका उत्साहवर्धन किया एवं कुशलक्षेम जाना

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। जनता दल यू के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री सह राज्यसभा सदस्य नीतीश कुमार ने अपने आवास पर पार्टी के कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों से आत्मीय मुलाकात की। इस अवसर पर उन्होंने सभी का कुशलक्षेम जाना, संगठन की गतिविधियों एवं जनसरोकारों से जुड़े विषयों पर चर्चा की तथा कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन किया। कार्यकर्ताओं ने भी नीतीश कुमार का अभिवादन करते हुए उनके प्रति अपना विश्वास एवं सम्मान व्यक्त किया। नीतीश कुमार जी ने कार्यकर्ताओं से जनसेवा के प्रति समर्पित भाव से कार्य करते रहने तथा आमजन से निरंतर संवाद बनाए रखने का आह्वान किया।

इसी क्रम में पार्टी की प्रखर नेत्री मोहतरमा शबाना दाउद ने नीतीश कुमार को हस्तनिर्मित बेडशीट का सेट भेंट किया। मोहतरमा शबाना ने बताया कि मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत हर परिवार की एक महिला को दस हजार रुपए एवं आगे दो लाख तक सहायता से ही सह संभव हो सका है। महिलाओं को स्व-रोजगार का अवसर मिला। जिससे वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनी हैं और उनके परिवार की आय में भी वृद्धि हुई है। नीतीश कुमार ने स्नेहपूर्वक बेडशीट सेट स्वीकार करते हुए प्रसन्नता व्यक्त की तथा महिला के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि महिलाओं का आर्थिक सशक्तिकरण और स्वरोजगार बिहार के विकास की महत्वपूर्ण आधारशिला है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि ऐसी योजनाएँ महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ उनके परिवारों और समाज के समग्र विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती रहेंगी।

पूरे प्रदेश की महिलाओं का जीविका से जुड़ने के बाद उनके जीवन में व्यापक सकारात्मक बदलाव आया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत मिली सहायता से उन्हें स्वरोजगार शुरू करने का अवसर मिला, जिससे उनकी आय बढ़ी, परिवार आर्थिक रूप से सशक्त हुआ।

डिजिटल प्रशिक्षण अभियान को और गति देगा बिहार भाजपा

■ एक लाख से अधिक कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य : मृत्युंजय झा

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। भारतीय जनता पार्टी, बिहार प्रदेश के प्रशिक्षण विभाग की महत्वपूर्ण बैठक रविवार को प्रदेश कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक में राष्ट्रीय स्तर पर संचालित डिजिटल प्रशिक्षण अभियान की प्रगति की समीक्षा करते हुए इसे और अधिक व्यापक एवं प्रभावी बनाने पर विस्तार से चर्चा हुई।बैठक में बताया गया कि बिहार प्रदेश में अब तक लगभग 60 हजार कार्यकर्ता डिजिटल प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हैं, जबकि प्रदेश भाजपा ने एक लाख से अधिक कार्यकर्ताओं को डिजिटल माध्यम से प्रशिक्षित करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसी लक्ष्य की प्राप्ति के लिए अभियान को नई गति देने का निर्णय लिया गया।बैठक में यह निर्णय लिया गया कि 2 से 4 अगस्त के बीच बिहार के सभी 13 संगठनात्मक क्षेत्रों की अलग-अलग वर्चुअल बैठकें आयोजित की जाएंगी। इसके पश्चात 5 से 10 अगस्त के बीच प्रदेश के 52 जिलों की वर्चुअल बैठकें संपन्न होंगी। इन बैठकों में मंडल अध्यक्ष, मंडल महामंत्री, सभी 7 मोर्चों के मंडल पदाधिकारी एवं जिला एवं प्रदेश स्तर के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में सहभागिता करेंगे।बैठक को संबोधित करते हुए अध्यक्ष, बिहार संस्कृत शिक्षा बोर्ड एवं प्रशिक्षण प्रभारी, बिहार ने कहा कि डिजिटल प्रशिक्षण अभियान केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि कार्यकर्ताओं के वैचारिक, संगठनात्मक एवं तकनीकी सशक्तिकरण का प्रभावी माध्यम है। बैठक में सभी मोर्चों के प्रशिक्षण को लेकर झा ने कहा कि प्रत्येक मोर्चा अपने क्षेत्रीय एवं जिला स्तर पर वर्चुअल बैठकें आयोजित करे तथा बिहार के 1420 मंडलों में कार्यरत मोर्चा पदाधिकारियों को इस डिजिटल प्रशिक्षण अभियान से जोड़कर उनका प्रशिक्षण सुनिश्चित करे। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक कार्यकर्ताओं की सहभागिता से ही अभियान अपने लक्ष्य को प्राप्त करेगा।बैठक में यह तय हुआ कि विभिन्न स्तरों पर लगातार वर्चुअल बैठकों का आयोजन कर कार्यकर्ताओं को प्रेरित एवं प्रोत्साहित किया जाएगा।

छात्रों पर दमन के दोषियों की जवाबदेही तय होगी : कन्हैया

● फैक्ट-फाइंडिंग रिपोर्ट के आधार पर होगी कानूनी कार्रवाई

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। एनएसयूआई के राष्ट्रीय प्रभारी कन्हैया कुमार ने कहा कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा बिहार में छात्र आंदोलन के दौरान हुए पुलिसिया दमन, लाठीचार्ज और कथित मानवाधिकार उल्लंघन की जांच के लिए गठित फैक्ट-फाइंडिंग समिति ने पटना सहित विभिन्न जिलों में अपनी जांच शुरू कर दी है। समिति छात्रों, अभिभावकों, शिक्षकों, अधिवक्ताओं, पत्रकारों तथा अन्य संबंधित पक्षों से मिलकर साक्ष्य एकत्र कर रही है।

कन्हैया कुमार ने कहा कि समिति का उद्देश्य किसी पर राजनीतिक आरोप लगाना नहीं, बल्कि तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर पूरी सच्चाई देश के सामने लाना है। समिति यह जानने का प्रयास कर रही है कि 22 और 25 जुलाई को कितने छात्रों को हिरासत में लिया गया, कितनों को गिरफ्तार किया गया, किन धाराओं में मुकदमे दर्ज हुए और कानूनी प्रक्रिया का पालन किस हद तक किया गया।

कन्हैया कुमार ने कहा कि सरकार को यह जवाब देना होगा कि छात्रों पर लाठीचार्ज, आंसू गैस और बल प्रयोग के आदेश किस स्तर से दिए गए। उन्होंने कहा कि यदि सरकार ने मुकदमे वापस लेने का निर्णय लिया है तो केवल घोषणा करने से काम नहीं चलेगा, बल्कि पूरे घटनाक्रम की जवाबदेही भी तय करनी होगी।

कन्हैया कुमार ने कहा कि फैक्ट-फाइंडिंग समिति सभी दस्तावेजों, एफआईआर, पीड़ितों के बयानों और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर विस्तृत रिपोर्ट तैयार करेगी। रिपोर्ट अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी को सौंपी जाएगी तथा आवश्यकता पड़ने पर हाई कोर्ट सहित अन्य कानूनी मंचों पर भी न्याय की लड़ाई लड़ी जाएगी।

जीविका की हुनर क्रांति: सिलाई-कढ़ाई से चमकी बिहार की ग्रामीण महिलाओं की किस्मत, 50 हजार दीदियां बनीं आत्मनिर्भर

वर्ष 2023 में हुआ था जानकी जीविका महिला सिलाई प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड का गठन

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। बिहार के ग्रामीण अंचलों में पारंपरिक रूप से सुई-धागे तक सीमित रहने वाली महिलाओं का हुनर अब उनकी आर्थिक स्वतंत्रता और स्वावलंबन का सबसे बड़ा हथियार बन चुका है।

ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत कार्यरत बिहार ग्रामीण जीविकोपार्जन प्रोत्साहन समिति (जीविका) ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के तहत महिलाओं के इसी पारंपरिक कौशल को संगठित उद्योग का रूप दे दिया है।

जीविका के स्तर से संचालित सिलाई आधारित आजीविका मॉडल ने न केवल ग्रामीण महिलाओं को स्थानीय स्तर पर स्थायी स्वरोजगार उपलब्ध कराया है, बल्कि राज्य में महिला-केंद्रित सामुदायिक उद्यमिता की एक नई मिसाल भी पेश की है।

योजना के तहत वर्तमान में राज्य में 50 हजार से अधिक महिलाओं को सिलाई कार्य के माध्यम से प्रत्यक्ष रोजगार मिल चुका है। समूहों से जुड़ी महिलाएं सिलाई कार्य से जुड़कर अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत कर रही हैं। जीविका के अधिकारियों के अनुसार, इस सिलाई पहल को संस्थागत और व्यापक स्वरूप देने के लिए वर्ष 2023 में जानकी जीविका महिला सिलाई प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड का गठन किया गया था।

वर्तमान में विभिन्न सरकारी विभागों के अभिसरण से जीविका दीदियों को बड़े पैमाने पर वर्क ऑर्डर (आपूर्ति आदेश) उपलब्ध कराए जा रहे हैं। ये दीदियां स्कूलों में अध्ययनरत बच्चों के लिए आकर्षक यूनिफॉर्म के साथ-साथ विभिन्न अस्पतालों में अंतःवासी (भर्ती) रोगियों के लिए कपड़ों की सिलाई भी कर रही हैं।

इन दीदियों ने विभिन्न विभागों के साथ मिलकर अब तक 149.7 करोड़ रुपये का शुद्ध व्यवसाय किया है और उनके द्वारा रिकॉर्ड 68,77,557 परिधान (ड्रेस) तैयार कर विभिन्न संस्थानों को उपलब्ध कराया जा चुका है।

15 जिलों में नोडल सिलाई सह प्रशिक्षण केंद्र

आंकड़ों पर गौर करें तो जीविका दीदियों के लिए राज्य के 15 जिलों में नोडल केंद्र स्थापित किए गए हैं, जहां 1,365 आधुनिक सिलाई मशीनों के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण उत्पादन और तकनीकी प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

शेष 23 जिलों में कार्यक्रम का विस्तार करते हुए प्रत्येक प्रखंड के कम-से-कम दो संकुल स्तरीय संघों (सीएलएफ) में सिलाई केंद्र एवं वस्त्र-कटाई (फैब्रिक कटिंग) केंद्र स्थापित किए गए हैं। 45,000 से अधिक ब्लैक सिलाई मशीनों के साथ जीविका दीदियां क्लस्टर, उत्पादक समूह एवं ग्राम संगठन स्तर पर वस्त्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं।

19 वर्षों में 22 लाख 72 हजार से अधिक बेटियों को मिला विवाह योजना का लाभ

■ 1136 करोड़ 1 लाख 75 हजार रुपये वितरित

प्रातः किरण संवाददाता

पटना।मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत प्रत्येक वर्ष लाभुकों की संख्या में वृद्धि दर्ज की जा रही है। बीते 19 वर्षों में 22 लाख 72 हजार 35 कन्याओं को इसका लाभ दिया जा चुका है। योजना के तहत लाभुकों को कुल 1136 करोड़ 1 लाख 75 हजार रुपये की राशि डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से भेजी गई है। समाज कल्याण विभाग के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2007-08 में 20 हजार कन्या लाभार्थियों की संख्या दर्ज की गई थी, जो 2022-23 में बढ़कर 2 लाख 31 हजार 723 हो गई। इस वित्तीय वर्ष 115 करोड़ 86 लाख 15 हजार राशि कन्या विवाह योजना के तहत भेजी गई। वहीं, वित्तीय वर्ष 2023-24 में 1 लाख 57 हजार 868 लाभार्थी, 2024-25 में 65 हजार 535 और 2025-26 में 39 हजार 435 लाभार्थियों को योजना का लाभ दिया गया है।

अगले भुगतान के लिए 7 हजार 694 लाभार्थी

कन्या विवाह योजना के तहत गरीबी रेखा के अंतर्गत आने वाले परिवारों की बेटियों को शादी पर 5 हजार रुपये का अनुदान दिया जाता है। अगले भुगतान के लिए 7 हजार 694 लाभार्थियों को 3.84 करोड़ रुपये का लाभ देने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। योजना के तहत बीपीएल तथा वैसे परिवार जिनकी वार्षिक आय 60 हजार रुपये से कम है उन्हें बेटियों के विवाह पर 5 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। यह राशि ई-सुविधा के माध्यम से लाभार्थी के खाते में डीबीटी की जाती है। इसके लिए वधू की न्यूनतम आयु 18 वर्ष तथा वर की 21 वर्ष अनिवार्य है। इसका मुख्य उद्देश्य गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले परिवारों को विवाह के समय आर्थिक बोझ कम करना, विवाह पंजीकरण को बढ़ावा देना तथा बाल विवाह को पूरी तरह रोकना है।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें

संक्षिप्त खबरें

भूतपूर्व सैनिक बुधन प्रसाद शर्मा को दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि

विभूतिपुर/समस्तीपुर। प्रखंड के पुरुषोत्तमपुर निवासी और भूतपूर्व भारतीय सैनिक बुधन प्रसाद शर्मा के निधन पर एक शोक व श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष शंकर शर्मा ने की।सभा में विश्वकर्मा काष्ठ शिल्पी विकास समिति के राज्य महासचिव शिवपूजन ठाकुर ने कहा कि स्वर्गीय शर्मा ने सेना में रहकर देश की गौरवपूर्ण सेवा की। सेवानिवृत्ति के बाद उन्होंने अपना पूरा जीवन समाज सेवा में लगा दिया। संस्कृत साहित्य परिषद के अध्यक्ष बाबू प्रसाद शर्मा ने कहा कि राष्ट्र और शिक्षा के प्रति उनका समर्पण आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेगा।कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। मौके पर सुरेश शर्मा, दीपक शर्मा, रामाश्रय महतो, सेवक महतो और अरविंद कुमार शर्मा सहित कई गणमान्य लोग मौजूद थे।

बंद घर का ताला तोड़कर लाखों की भीषण चोरी

विभूतिपुर/समस्तीपुर। थाना क्षेत्र के सुरौली वार्ड नंबर 02 में अज्ञात चोरों ने एक बंद घर को निशाना बनाकर लाखों रुपये मूल्य के संपत्ति की भीषण चोरी की वारदात को अंजाम दिया है। घटना के वक्त गृहस्वामी अपनी पत्नी के साथ सिंधिया स्थित अपने दूसरे निवास पर गए हुए थे।पीड़ित गृहस्वामी श्याम सुन्दर महतो ने बताया कि वे बीते 29 जुलाई को घर के मुख्य गेट और सभी कमरों में ताला लगाकर बाहर गए थे। रविवार सुबह जब वे वापस लौटे, तो घर के मेन ग्रिल का ताला टूटा हुआ मिला। अंदर प्रवेश करने पर अलमारी, ट्रंक और अटैची के लॉक टूटे हुए थे और सारा सामान बिखरा पड़ा था।चोरों ने घर में रखे 85 हजार रुपये नगद, 7 ग्राम की एक सोने की अंगूठी तीन सोने की चैन 40 ग्राम,एक सोना का झुमका 10 ग्राम,एक सोना का बाली 7 ग्राम,दो कान का टॉप्स 14 ग्राम,3 जीतिया सेट 10 ग्राम,एक हनुमानी 5 ग्राम,दुर्गा जी एक 4 ग्राम,3 चांदी का पायल 70 ग्राम,एक चांदी का हार 250 ग्राम कुल 97 ग्राम सोना व 320 ग्राम चांदी की जेवरात जिसकी कीमत लगभग 13 लाख चोरी कर लिया।घटना की सूचना स्थानीय पुलिस को दे दी गई है। पीड़ित ने थाने में आवेदन दिया है। पुलिस मामले की जांच और चोरों की तलाश में जुट गई है।

भाकपा की बैठक, 6 अगस्त से शुरू होगी पदयात्रा

विभूतिपुर/समस्तीपुर। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) अंचल विभूतिपुर की बैठक रविवार को विशेश्वर महतो के आवास पर रामानंदन महतो की अध्यक्षता में हुई। बैठक में सर्वप्रथम दिवंगत नेताओं को दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई। इसके बाद अंचल सचिव विनोद कुमार विनय ने कार्य रिपोर्ट पेश की, जिस पर कार्यकताओं ने विस्तार से चर्चा की।अंचल सचिव ने बताया कि आगामी 6 से 10 अगस्त तक अंचल की 15 शाखाओं में पदयात्रा निकाली जाएगी। इसके तहत 5 अगस्त को चकहबीव व केराई, 6 को बलहा, 7 को खास टभका उत्तर, 8 को भुसवर और 9 अगस्त को खोकसहा व चकबिदौलिया में पदयात्रा होगी। इसके अलावा, 1 सितंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में होने वाली रैली में विभूतिपुर से 50 कार्यकताओं को भेजने का संकल्प लिया गया। बैठक को पूर्व सचिव विशेश्वर महतो, सरपंच रामउचित महतो, शंभू प्रसाद सिंह, सुनील महतो, सूरज कुमार सूर्य, प्रदीप पासवान, नंदन महतो, हरे राम महतो, रामस्वरूप महतो, छठू महतो, सुशील कुमार महतो, रामचंद्र शाह, गणेश राम सहित दर्जनों कार्यकताओं ने संबोधित किया।

लोहार शाखा नहर चालू नही होने से किसानो में नाराजगी, 4 अगस्त को एनएच-527बी जाम का ऐलान

मधुबनी। कलुआही लोहार पंचायत में वर्षो से बंद पड़ी शाखा नहर को चालू कराने की मांग तेज हो गई है। किसान संघर्ष समिति ने 4 अगस्त को सुबह 9 बजे मुरेठ स्थित एनएच-527बी पर चक्का जाम करने की घोषणा की है। आंदोलन की सूचना जिला प्रशासन को पहले ही दी जा चुकी है। किसान संघर्ष समिति के नेता दिलीप झा ने कहा कि करीब 15 वर्षो से केवटा, शुभंकरपुर समेत आसपास के गांवों के किसान नहर में पानी आने का इंतजार कर रहे हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस पहल नहीं हुई। उनका कहना है कि मुरेठ पुलिया के बाद नहर में पानी छोड़ा जा सकता है, जिससे हजारों किसानो को सिंचाई का लाभ मिलेगा। पूर्व सरपंच जयमोहन झा ने कहा कि यदि जल्द नहर चालू नही की गई तो किसान आंदोलन को और तेज करेंगे। समिति के अनुसार 4 अगस्त के प्रदर्शन में बड़ी संख्या में किसान शामिल होंगे।

मधुबनी में नशा मुक्त युवा से विकसित भारत संकल्प अभियान 2026 का शुभारंभ

●प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशभर के 10 हजार केंद्रों से जुड़े एक करोड़ से अधिक युवाओं को किया संबोधित, डीआरडीए सभागार में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित

प्रात: किरण संवाददाता

मधुबनी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को ह्यनशा मुक्त युवा से विकसित भारतह्नसंकल्प अभियान 2026ह्न का राष्ट्रव्यापी शुभारंभ किया। वर्चुअल माध्यम से आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने देशभर के लगभग 10 हजार स्थानों से जुड़े एक करोड़ से अधिक युवाओं को संबोधित करते हुए नशामुक्त भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया। इस अवसर पर आगामी 100 सप्ताह तक प्रत्येक रविवार आयोजित होने वाले राष्ट्रव्यापी ह्यसंडे ड्रग्स प्रोग्रामह्न की भी शुरुआत की गई, जिसमें युवाओं ने नशामुक्ति की शपथ ली।मधुबनी में जिला प्रशासन एवं एमवाई भारत के संयुक्त तत्वावधान में डीआरडीए सभागार में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवाओं, स्वयंसेवकों, छात्र-छात्राओं एवं सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लेकर नशामुक्त समाज बनाने का संकल्प लिया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री अरुण शंकर प्रसाद ने कहा कि नशीले पदार्थों एवं शराब का सेवन व्यक्ति, परिवार और समाज के लिए घातक है। उन्होंने युवाओं से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने तथा नशामुक्ति का संदेश जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।इसके बाद उन्होंने सभी प्रतिभागियों को नशामुक्ति की शपथ दिलाई। जिलाधिकारी आनंद शर्मा ने कहा कि अगले 100 सप्ताह तक जिले में व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाया जाएगा।इसके तहत विद्यालयों, महाविद्यालयों, शिक्षण संस्थानों, युवा क्लबों एवं स्वयंसेवी संगठनों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने विश्वास जताया कि जनसहभागिता से यह अभियान सफल होगा।विधायक माधव आनंद ने युवाओं से नशामुक्त जीवनशैली अपनाने तथा परिवार और समाज को भी इस अभियान से जोड़ने का आह्वान किया।कार्यक्रम में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक योगेंद्र प्रसाद, सदर अनुमंडल पदाधिकारी चंदन कुमार झा, जिला युवा पदाधिकारी (एमवाई भारत) अमरेन्द्र कुमार अमर, सहायक निदेशक नितेश कुमार पाठक सहित विभिन्न विभागों के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, एमवाई भारत एवं एनएसएस के स्वयंसेवक, युवा क्लबों के सदस्य, छात्र-छात्राएं एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

नशामुक्त समाज के निर्माण में युवाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है : मंत्री

●दरभंगा में नशामुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान 2026 का शुभारंभ

प्रात: किरण संवाददाता

दरभंगा। डॉ भीमराव अंबेडकर सभागार में रविवार को ह्यनशामुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान-2026 का शुभारंभ गरिमामय वातावरण में किया गया। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुआ, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशभर के एक करोड़ से अधिक युवाओं को संबोधित करते हुए नशामुक्त भारत के निर्माण का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि नशा केवल व्यक्ति ही नहीं, बल्कि परिवार, समाज और राष्ट्र के विकास का सबसे बड़ा शत्रु है। कार्यक्रम में माय भारत, राष्ट्रीय सेवा योजना, युवा क्लबों, स्वयंसेवी संगठनों तथा विभिन्न संस्थानों के युवा बड़ी संख्या में शामिल हुए। इस दौरान नशे के दुष्परिणामों पर आधारित प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक का मंचन किया गया, जिसने युवाओं को जागरूक करने का संदेश दिया। बहार सरकार के मद्यनिषेध, उत्पाद एवं निबंधन मंत्री मदन सहनी ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि नशामुक्त समाजके निर्माण में युवाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने सभी उपस्थित प्रतिभागियों को नशामुक्ति की शपथ दिलाई। केवटी विधायक डॉ. मुरारी मोहन झा एवं दरभंगा ग्रामीण विधायक राजेश कुमार मंडल ने भी युवाओं से शिक्षा, खेल, कौशल विकास और राष्ट्र निर्माण में अपनी ऊर्जा लगाने का आह्वान किया। जिलाधिकारी कौशल कुमार ने कहा कि नशा व्यक्ति की बौद्धिक क्षमता, निर्णय लेने की शक्ति और कार्यकुशलता को प्रभावित करता है। उन्होंने युवाओं से सकारात्मक सोच, अनुशासन और सामाजिक जिम्मेदारी के साथ जीवन जीने का आग्रह किया। कार्यक्रम में वरीय पुलिस अधीक्षक जगुनाथ रेड्डी जला रेड्डी, सहायक समाहर्ता कल्पना रावत, सहायक आयुक्त मद्यनिषेध प्रदीप कुमार, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी आशिष अमन सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, स्वयंसेवी संगठन और बड़ी संख्या में युवा उपस्थित रहे। अंत में सभी ने नशामुक्त समाज के निर्माण का सामूहिक संकल्प लिया। मंत्री एवं अन्य अतिथियों ने बैलून उड़ाकर तथा प्रचार रथ को हरी झंडी दिखाकर अभियान का शुभारंभ किया।

4 अगस्त को पटना में मुख्यमंत्री घेराव और सितंबर में भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन का ऐलान

विभूतिपुर/समस्तीपुर। भारत की जनवादी नौजवान सभा अंचल कमिटी विभूतिपुर की बैठक साखमोहन में अंचल अध्यक्ष अवधेश कुमार की अध्यक्षता में हुई। बैठक में जिला अध्यक्ष महेश कुमार बतौर पर्यवेक्षक और अंचल सचिव बबलू कुमार सहित दर्जनों युवा शामिल हुए।बैठक में युवाओं की बेरोजगारी, शिक्षा, स्वास्थ्य और भ्रष्टाचार के मुद्दों पर चर्चा के बाद दो बड़े निर्णय लिए गए। पहले निर्णय के तहत आगामी 4 अगस्त को पटना में होने वाले मुख्यमंत्री आवास घेराव में विभूतिपुर से 100 नौजवान शामिल होंगे। दूसरे निर्णय के तहत सितंबर महीने में विभूतिपुर प्रखंड कार्यालय और सीएचसी में भ्रष्टाचार के खिलाफ उग्र प्रदर्शन किया जाएगा। मौके पर अंचल सचिव बबलू कुमार ने कहा कि वर्तमान सरकार युवाओं को सिर्फ झूठे वादे दे रही है और बेरोजगारी-भ्रष्टाचार के खिलाफ डीवाईएफआई सड़क से सदन तक युवाओं की आवाज बुलंद करेगी।मौके पर अवनीश कुमार, विजय कुमार, अंजनी भूषण, रामदयाल राय, संतोष कुमार, संतोष कुमार पासवान, अर्जुन दास, ललन सुमन, प्रवीण कुमार, संजय कुमार, छोटन सहनी आदि मौजूद थे।

आशापुर में विधिक जागरूकता शिविर आयोजित, नि:शुल्क कानूनी सहायता योजनाओं की दी गई जानकारी

प्रात: किरण संवाददाता

बेनीपुर(दरभंगा)। जिला विधिक सेवा प्राधिकार, दरभंगा के तत्वावधान में आशापुर वार्ड संख्या-20 स्थित खानकाह मदरसा रहमते आलम में विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पैनल अधिवक्ता नवाज अहमद ने कहा कि प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार दरभंगा अजय कुमार शर्मा के निर्देश पर राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) की योजनाओं के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए ऐसे कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि नालसा द्वारा बच्चों, महिलाओं, बुजुर्गों, दिव्यांगजनों, गरीब एवं जरूरतमंद लोगों को नि:शुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराने के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इन योजनाओं के माध्यम से पात्र लोगों को अदालती प्रक्रिया से लेकर सरकारी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने में सहायता प्रदान की जाती है। उन्होंने दिव्यांगों के अधिकार, कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा तथा राष्ट्रीय लोक अदालत की उपयोगिता पर भी विस्तार से जानकारी दी। प्राधिकार सहायक कुमार गौरव ने 12 सितंबर को बेनीपुर न्यायालय में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत की जानकारी देते हुए लोगों से अधिक से अधिक मामलों के निष्पादन के लिए इसका लाभ उठाने की अपील की। कार्यक्रम में मदरसा के सचिव मोहम्मद एहसान अहमद, वार्ड पार्षद प्रतिनिधि मोहम्मद परवेज, राजेंद्र तांती, इरशाद खान, फैयाज अहमद खां, श्री तांती, श्याम तांती, जाबीर खान, मोहम्मद कलीमुद्दीन, मोहम्मद शमशेर आलम सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

जयनगर अस्पताल में मासूम की मौत की उच्चस्तरीय जांच व दोषियों पर कार्रवाई की मांग

मधुबनी। भाकपा-माले जयनगर के प्रखंड सचिव भूषण सिंह ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर जयनगर अनुमंडल अस्पताल में पांच वर्षीय पार्थिक कुमार की मौत के मामले की उच्चस्तरीय एवं निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया कि उपचार में कथित लापरवाही के कारण जयनगर प्रखंड के पड़वा वार्ड संख्या-1 निवासी पप्पू पासवान के पुत्र पार्थिक कुमार की 31 जुलाई की शाम मौत हो गई। उन्होंने कहा कि घटना के बाद अस्पताल परिसर में उत्पन्न तनाव और तोड़फोड़ की स्थिति के लिए अस्पताल प्रशासन की कार्यशैली जिम्मेदार है।भूषण सिंह ने आरोप लगाया कि यदि ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक द्वारा सर्पदंश का समय पर एवं निर्धारित चिकित्सा प्रोटोकॉल के अनुसार उपचार किया जाता, तो बच्चे की जान बच सकती थी। उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों की जिम्मेदारी तय करने की मांग की। प्रेस विज्ञप्ति में डॉ. शैलेन्द्र कुमार, अनुमंडल अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ. कुमार रौनित तथा स्वास्थ्य प्रबंधक प्रभात कुमार प्रशांत पर विभिन्न गंभीर आरोप लगाए गए हैं। भाकपा-माले ने आरोप लगाया कि कुछ सरकारी चिकित्सक निजी नर्सिंग होम का संचालन कर रहे हैं, जिससे सरकारी अस्पताल में मरीजों को अपेक्षित स्वास्थ्य सेवाएं नहीं मिल पा रही हैं। स्वास्थ्य प्रबंधक पर भी कथित अनियमितताओं के आरोप लगाते हुए उनकी जांच की मांग की गई है।पार्टी ने बिहार सरकार के स्वास्थ्य सचिव से मांग की है कि मामले की न्यायिक अथवा उच्चस्तरीय जांच कराई जाए। यदि जांच में उपचार में लापरवाही या अन्य आरोप सही पाए जाते है, तो संबंधित अधिकारियों एवं चिकित्सकों के विरुद्ध कानून के अनुसार प्राथमिकी दर्ज कर कठोर कार्रवाई की जाए। साथ ही संबंधित अधिकारियों को निलंबित कर सेवा से बर्खास्त करने तथा पीड़ित परिवार को 10 लाख रुपये मुआवजा देने की भी मांग की गई है।भाकपा-माले ने सरकारी अस्पतालों में निजी प्रैक्टिस एवं निजी नर्सिंग होम संचालन के आरोपों की व्यापक जांच कराने की भी मांग की है।

जयनगर में श्रावणी मेला का हुआ भव्य शुभारंभ अधिकारियों सदस्यों , जनप्रतिनिधियों ने फीता काटकर किया उद्घाटन

प्रात: किरण संवाददाता

मधुबनी। जिले के जयनगर अनुमंडल मुख्यालय स्थित कमला पुल के पश्चिमी भाग में अवस्थित पुराना पर्णकुटीर मंदिर परिसर में शनिवार को धार्मिक आस्था एवं उत्साह के बीच श्रावणी मेला का भव्य शुभारंभ हुआ। बोल बम सेवा समिति के तत्वावधान में आयोजित उद्घाटन समारोह में बड़ी संख्या में श्रद्धालु, स्थानीय नागरिक, जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारी शामिल हुए। पूरे परिसर में ह्नबोल बमह्न और ह्नहर-हर महादेवह्न के जयघोष से वातावरण भक्तिमय बना रहा।उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता बोल बम सेवा समिति के अध्यक्ष सह मुखिया अवध बिहारी राम दास हजरा और मंच संचालन पूर्व प्रमुख पप्पू चोरवाड़ ने किया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत के साथ हुआ, जिसके बाद उपस्थित अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों व सदस्यों ने संयुक्त रूप से फीता काटकर श्रावणी मेला का विधिवत उद्घाटन किया।उद्घाटन समारोह में एसडीएम दीपक कुमार, डीएसपी सदानंद कुमार, सीओ अखिलेश चौधरी, थाना अध्यक्ष रमन कुमार, मुख्य पार्षद कैलाश पासवान, उपमुख्य पार्षद प्रतिनिधि अरविंद तिवारी, मुखिया राम दास हजरा, पूर्व मुखिया उमेश यादव, सरपंच जहागीर हासमी, सरपंच प्रतिनिधि शंभू महतो, पंचायत समिति सदस्य मोहम्मद अकबर, पूर्व पंचायत समिति सदस्य मनोज चौधरी, जदयू प्रखंड अध्यक्ष राजकुमार सिंह, मोहम्मद जिलानी, धीरेंद्र झा, ललित यादव, कपिल देव कामत, हरि यादव, पूर्व प्रखंड प्रमुख सूर्यनाथ यादव, पूर्व मुखिया भोला यादव, भाकपा (माले) के प्रखंड सचिव भूषण सिंह, कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष सुरेंद्र महतो तथा राजद युवा के प्रदेश महासचिव ई धर्मेंद्र यादव समेत कई सदस्यों व गणमान्य लोगों ने भाग लिया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि श्रावणी मेला केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि मिथिला की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक परंपरा का प्रतीक है। प्रत्येक वर्ष सावन माह में बिहार एवं नेपाल के विभिन्न क्षेत्रों से हजारों श्रद्धालु जयनगर की पवित्र कमला नदी में जल भरकर बाबा भोलेनाथ के विभिन्न शिवालयों की ओर जलाभिषेक के लिए प्रस्थान करते है। वर्षो से यह स्थल कांवरियों की आस्था का प्रमुख केंद्र बना हुआ है।वक्ताओं ने कहा कि श्रावणी मेला क्षेत्र की सामाजिक एकता, धार्मिक सद्भाव और सांस्कृतिक विरासत को मजबूत करने का माध्यम भी है। उन्होंने आयोजन समिति की सराहना करते हुए कहा कि हर वर्ष समिति श्रद्धालुओं की सेवा के लिए समर्पित भाव से कार्य करती है।इस दौरान वक्ताओं ने बोल बम सेवा समिति से कांवरियों के लिए पेयजल, चिकित्सा सुविधा, प्रकाश व्यवस्था, साफ-सफाई एवं अन्य मूलभूत सुविधाओ की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने का आग्रह किया। साथ ही अनुमंडल प्रशासन से मेला क्षेत्र में सुरक्षा, यातायात नियंत्रण, पुलिस बल की पर्याप्त तैनाती तथा आपातकालीन सेवाओं की प्रभावी व्यवस्था करने का अनुरोध किया, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। पर्णकुटीर मंदिर के महंत बालक दास बाबा ने मेला आयोजन में सहयोग देने वाले प्रशासन, जनप्रतिनिधियों, समिति सदस्यों एवं स्थानीय लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होने कहा कि बोल बम सेवा समिति वर्षो से श्रावणी मेला का आयोजन करती आ रही है और श्रद्धालुओं की सेवा ही समिति का प्रमुख उद्देश्य है।इस अवसर पर बोल बम सेवा समिति के कार्यकारी अध्यक्ष शशि शेखर हजरा, अनुराग कुमार पंकज, सुनील यादव, शिव प्रकाश यादव सहित समिति के अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य सक्रिय रूप से उपस्थित रहे। इसके अलावा बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, शिवभक्त एवं कांवरियों ने भी समारोह में भाग लेकर आयोजन की शोभा बढ़ाई।ज्ञात हो कि सावन माह के दौरान जयनगर स्थित कमला नदी से प्रतिवर्ष हजारों श्रद्धालु पवित्र जल लेकर विभिन्न शिवालयों के लिए रवाना होते हैं। इसी को देखते हुए बोल बम सेवा समिति द्वारा प्रतिवर्ष श्रावणी मेला का आयोजन किया जाता है, जो अब इस क्षेत्र की एक महत्वपूर्ण धार्मिक परंपरा बन चुकी है। प्रशासन और आयोजन समिति को उम्मीद है कि इस वर्ष भी मेले में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओ की सहभागिता रहेगी तथा पूरे सावन माह तक धार्मिक उत्साह का माहौल बना रहेगा।प्रशासन के द्वारा कई आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए वही सभी से विधि व्यवस्था बनाए रखने को लेकर सहयोग की अपील की गई

भाकपा-माले ने मनाया संस्थापक चारू मजूमदार का शहादत दिवस

मधुबनी। जयनगर भाकपा (माले) लिबरेशन की जयनगर प्रखंड कमिटी के तत्वावधान में मंगलवार को जयनगर बस्ती के राजपूताना टोला में पार्टी के संस्थापक एवं नक्सलबाड़ी आंदोलन के प्रमुख नेता रहे कॉमरेड चारू मजूमदार का शहादत दिवस श्रद्धापूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि देने के साथ हुई। इस दौरान कार्यकताओं ने नक्सलबाड़ी आंदोलन से जुड़े नारे भी लगाए।सभा को संबोधित करते हुए प्रखंड सचिव भूषण सिंह ने कहा कि वर्ष 1967 का नक्सलबाड़ी किसान विद्रोह भारतीय राजनीति और किसान आंदोलनों के इतिहास की महत्वपूर्ण घटनाओं में से एक माना जाता है। उन्होंने कहा कि इस आंदोलन ने भूमि, सामाजिक न्याय और ग्रामीण गरीबों के अधिकारों से जुड़े मुद्दों को राष्ट्रीय स्तर पर प्रमुखता से उठाया। उन्होंने कहा कि चारू मजूमदार ने अपना जीवन शोषण, अन्याय और असमानता के विरुद्ध संघर्ष के लिए समर्पित किया। आज भी किसानों, खेत मजदूरों, दलितों, आदिवासियों, छात्रों, युवाओं और मेहनतकश वर्ग से जुड़े अनेक सामाजिक एवं आर्थिक प्रश्न प्रासंगिक बने हुए हैं। इन मुद्दों पर लोकतांत्रिक अधिकारों और सामाजिक न्याय के लिए संघर्ष जारी रखने की आवश्यकता है। भूषण सिंह ने हाल के छात्र-युवा आंदोलनों का उल्लेख करते हुए कहा कि पेपर लीक मामले में आंदोलनकारियों पर दर्ज प्राथमिकी वापस लिया जाना जनदबाव की उपलब्धि है। उन्होंने इसे छात्र-युवा एकता और लोकतांत्रिक आंदोलन की जीत बताते हुए शिक्षा, रोजगार और लोकतांत्रिक अधिकारों के सवालों पर संघर्ष जारी रखने की बात कही।सभा में अन्य वक्ताओं ने भी चारू मजूमदार के जीवन, उनके योगदान और नक्सलबाड़ी आंदोलन की विरासत पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित लोगों ने सामाजिक न्याय, लोकतांत्रिक अधिकारों और जनहित के मुद्दों पर जनसंपर्क एवं जनसंघर्ष को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में तस्लीम, भोला पासवान, तेजी लाल कामत, रमजानी, लक्ष्मण साह, ब्रजमोहन पासवान, देबू पासवान, अमृत सिंह, अभिराज सिंह, मोहन पासवान, फूलो देवी, जानकी देवी, रीता देवी, कुशमा देवी, जहाना खातून, शविला खातून सहित दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

नशा मुक्त युवा अभियान विकसित भारत की दिशा में ऐतिहासिक पहल : पप्पू सिंह

प्रात: किरण संवाददाता

अलीनगर (दरभंगा)। भारतीय जनता पार्टी, दरभंगा जिला पूर्वी के महामंत्री संजय सिंह पप्पू सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए गए नशा मुक्त युवा के लिए विकसित भारत संकल्प अभियान का स्वागत करते हुए इसे विकसित भारत के निर्माण की दिशा में ऐतिहासिक एवं दूरदर्शी पहल बताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने युवाओं से नशे के खिलाफ जनआंदोलन खड़ा करने का आह्वान किया है, जो केवल सरकारी अभियान नहीं बल्कि राष्ट्र निर्माण का संकल्प है। उन्होंने कहा कि सामूहिक जनभागीदारी से ही सामाजिक परिवर्तन संभव है और देश के करोड़ों युवाओं द्वारा नशामुक्त भारत का संकल्प लेना इसकी सफलता का प्रमाण है। पप्पू सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा अगले 100 सप्ताह तक प्रत्येक रविवार कला, संस्कृति, खेल, योग, ध्यान, आध्यात्म और सेवा से जुड़ी गतिविधियों के माध्यम से नशामुक्ति का संदेश जन-जन तक पहुंचाने की योजना युवाओं को सकारात्मक दिशा देने का अभिनव प्रयास है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण की सबसे बड़ी जिम्मेदारी आज की अमृत पीढ़ी के कंधों पर है, इसलिए प्रत्येक युवा का नशामुक्त रहना राष्ट्र के भविष्य से जुड़ा संकल्प है।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में स्पष्ट किया कि जब कोई युवा नशे की गिरफ्त में आता है तो केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि पूरा परिवार और समाज प्रभावित होता है। साथ ही ड्रग्स के अवैध कारोबार को देश के युवाओं को कमजोर करने की साजिश बताते हुए इससे सतर्क रहने का आह्वान किया। भाजपा महामंत्री ने दरभंगा जिला पूर्वी के सभी कार्यकताओं, युवाओं, विद्यार्थियों, शिक्षकों, सामाजिक संगठनों एवं अभिभावकों से प्रधानमंत्री के इस अभियान से जुड़कर गांव-गांव और मोहल्लों में नशामुक्ति का जनजागरण अभियान चलाने तथा विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की।

सनातन धर्म भारत की हजारों वर्षो पुरानी संस्कृति व जीवन-दर्शन का आधार है : डॉ मुरारी मोहन

प्रात: किरण संवाददाता

दरभंगा। सांसद पप्पू यादव द्वारा संसद भवन में सनातन धर्म के प्रति की गई अमर्यादित एवं अपमानजनक टिप्पणी के विरोध में भारतीय जनता पार्टी, दरभंगा (पश्चिमी) के जिलाध्यक्ष प्रो. आदित्य नारायण मन्ना के नेतृत्व में आज राष्ट्रीय राजमार्ग पर भाजपा कार्यकताओं ने जोरदार विरोध-प्रदर्शन करते हुए सांसद पप्पू यादव का पुतला दहन किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में उपस्थित भाजपा कार्यकताओं ने पप्पू यादव के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए कहा कि सनातन धर्म करोड़ों भारतीयों की आस्था का केंद्र है और इसका अपमान किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा। कार्यकताओं ने कहा कि संसद जैसे सर्वोच्च लोकतांत्रिक मंच पर इस प्रकार की टिप्पणी न केवल सनातन परंपरा का अपमान है, बल्कि देश की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को भी ठेस पहुंचाने वाला कृत्य है इस अवसर पर केवटी के विधायक डॉ. मुरारी मोहन झा ने विस्तारपूर्वक अपने विचार रखते हुए कहा कि सनातन धर्म केवल एक धर्म नहीं, बल्कि भारत की हजारों वर्षों पुरानी संस्कृति, परंपरा और जीवन-दर्शन का आधार है। उन्होंने कहा कि किसी भी जनप्रतिनिधि को अपनी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का उपयोग मयार्दा और संवैधानिक गरिमा के अनुरूप करना चाहिए। उन्होंने कहा कि करोड़ों लोगों की धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाले बयान किसी भी स्थिति में उचित नहीं हैं। उन्होंने सांसद पप्पू यादव से अपने बयान पर तत्काल खेद व्यक्त करने की मांग करते हुए कहा कि देश की जनता ऐसे कृत्यों को कभी स्वीकार नहीं करेगी। कार्यक्रम में जिला प्रभारी उमेश कुशवाहा,भाजपा जिला महामंत्री विजय चौधरी,उपाध्यक्ष राजेश रंजन,अभनयानंद झा, विकास चौधरी,श्रवण कुमार मिश्रा, जिला मंत्री मीरा मेहता,राहुल पासवान,जिला प्रवक्ता विनोद सिंह यादव, जिला मीडिया प्रभारी मुकुंद चौधरी,गुलशन चौधरी, रौशन कुंवर,सतीश कुमार शाह,अमरनाथ सिंह, बीना देवी,भावना पासवान, रमाशंकर ठाकुर, विनोद सहनी, विद्यासागर यादव, राजीव कुमार,रेखा झा,उमेश पासवान सहित पार्टी के अनेक पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे और सभी ने एक स्वर में सनातन धर्म के सम्मान की रक्षा का संकल्प दोहराया।

डीबीकेएन कॉलेज में शपथ ग्रहण: नशा मुक्त युवा से ही बनेगा सशक्त राष्ट्र

विभूतिपुर/समस्तीपुर। डीबीकेएन कॉलेज नरहन इकाई द्वारा रविवार को नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियानह्न के तहत जागरूकता कार्यक्रम और शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में रविवार की छुट्टी होने के बावजूद भारी संख्या में छात्र, शिक्षक, कर्मी और स्थानीय युवा शामिल हुए। एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. शशि शेखर द्विवेदी ने बताया कि प्रधानमंत्री द्वारा प्रस्तावित इस अभियान के तहत शिक्षण संस्थानों के माध्यम से लोगों को जोड़ना जरूरी है, क्योंकि सशक्त राष्ट्र निर्माण के लिए नशा मुक्त समाज एक बुनियादी आवश्यकता है। इस दौरान स्थानीय युवाओं और छात्रों ने नशा मुक्ति का संकल्प लिया। कार्यक्रम के प्रबंधन में संजय कुमार और गौतम कुमार ने मुख्य भूमिका निभाई।मौके पर केशव झा, गुलशन, सोनू, बिट्टू,आदित्य, संजय, चंदन, कुंदन, रंजीत सहित कई छात्र मौजूद रहे।

तरलाही में नि:शुल्क मल्टी-स्पेशलिटी चिकित्सा शिविर, 500 से अधिक मरीजों ने उठाया लाभ

दरभंगा। मध्य विद्यालय, तरलाही (दुर्गा मंदिर के निकट) परिसर में रविवार को इनर व्हील क्लब, दरभंगा एवं एस.वी. हॉस्पिटल, लहेरियासराय के संयुक्त तत्वावधान में नि:शुल्क मल्टी-स्पेशलिटी चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक चले शिविर में 500 से अधिक मरीजों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। विशेषज्ञ चिकित्सकों ने मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर नि:शुल्क चिकित्सकीय परामर्श एवं आवश्यक दवाइयां उपलब्ध कराईं। साथ ही मरीजों का नि:शुल्क ब्लड शुगर परीक्षण भी किया गया। शिविर का उद्घाटन इनर व्हील क्लब की अध्यक्ष डॉ. नीतू मेहता, सचिव श्रीमती अंशु, एस.वी. हॉस्पिटल की निदेशक डॉ. श्वेता झा तथा विशेषज्ञ चिकित्सकों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। शिविर में ऑर्थोपेडिक, स्त्री एवं प्रसूति रोग, जनरल सर्जरी, मेडिसिन, दंत रोग तथा जनरल फिजिशियन सहित विभिन्न विभागों के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने अपनी सेवाएं दीं। चिकित्सकों ने लोगों को संतुलित आहार, नियमित व्यायाम, समय-समय पर स्वास्थ्य जांच कराने तथा बीमारी के शुरूआती लक्षणों की अनदेखी नहीं करने की सलाह दी। इस अवसर पर इनर व्हील क्लब की ओर से शिविर में सेवाएं देने वाले सभी चिकित्सकों को स्मृति-चिह्न एवं सम्मान-पत्र देकर सम्मानित किया गया। वहीं एस.वी. हॉस्पिटल के वरिष्ठ ऑर्थोपेडिक सर्जन डॉ. गौरी शंकर झा एवं निदेशक डॉ. श्वेता झा को चिकित्सा एवं सामाजिक क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए मोमेंटो एवं सम्मान-चादर भेंट की गई। कार्यक्रम का संचालन डॉ. श्वेता झा एवं इनर व्हील क्लब की सदस्य श्रीमती अपूर्वा ने संयुक्त रूप से किया। शिविर की सफलता में सामाजिक कार्यकर्ता रवि प्रकाश यादव एवं आशुतोष कुमार के मार्गदर्शन के साथ क्लब की सदस्याओं एवं अस्पताल की टीम का महत्वपूर्ण योगदान रहा। आयोजकों ने भविष्य में भी ग्रामीण एवं जरूरतमंद लोगों के लिए ऐसे नि:शुल्क चिकित्सा शिविर नियमित रूप से आयोजित करने का संकल्प व्यक्त किया।

श्रावणी मेले का जिला प्रभारी मंत्री ने किया उद्धाटन,शिवम सुन्दरता पत्रिका का हुआ विमोचन

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। श्रावणी मेला का विधिवत एवं भव्य शुभारंभ रविवार को डीएन हाई स्कूल परिसर में राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के मंत्री-सह-जिला प्रभारी मंत्री डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल तथा अन्य गणमान्य अतिथियों द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। उद्घाटन समारोह श्रद्धा, आस्था एवं सांस्कृतिक उल्लास के वातावरण में संपन्न हुआ। समारोह के प्रारंभ में जिलाधिकारी कुमार गौरव ने सभी अतिथियों एवं देश के विभिन्न हिस्सों से पधारे श्रद्धालु भक्तों का हार्दिक स्वागत किया। अपने स्वागत भाषण में उन्होंने श्रावणी मेला के दौरान जिला प्रशासन द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, यातायात, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, नियंत्रण कक्ष तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि जिला प्रशासन श्रद्धालुओं को सुरक्षित, सुगम एवं व्यवस्थित मेला अनुभव उपलब्ध कराने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है इस अवसर पर मंदिर प्रबंधन समिति द्वारा प्रकाशित ह्यशिवम सुंदरताह्व पत्रिका का विमोचन किया गया। साथ ही ह्यश्रावणी मेला2026ह्व मोबाइल एप का शुभारंभ भी किया गया। यह एप श्रद्धालुओं को मेला से संबंधित सभी आवश्यक जानकारियां, जिला प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराई गई सुविधाएं, महत्वपूर्ण संपर्क, मार्गदर्शन एवं अन्य उपयोगी सूचनाएं एक ही मंच पर उपलब्ध कराएगा। समारोह को संबोधित करते हुए पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग की माननीय मंत्री रमा निषाद तथा पर्यटन विभाग के माननीय मंत्री केदार प्रसाद गुप्ता ने सावन माह की पावन बेला पर प्रदेशवासियों एवं श्रद्धालुओं के लिए सुख, शांति, समृद्धि एवं खुशहाली की मंगलकामना की। उन्होंने जिला प्रशासन द्वारा श्रद्धालुओं के लिए की गई व्यापक व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए इसे जनसेवा का उत्कृष्ट उदाहरण बताया।मुख्य अतिथि के रूप में अपने संबोधन में माननीय मंत्री-सह-जिला प्रभारी मंत्री डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल ने कहा कि भगवान भोलेनाथ की आराधना केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि आत्मशुद्धि और सकारात्मक जीवन का मार्ग है। उन्होंने लोगों से मन के विकारों को त्यागने, सकारात्मक सोच अपनाने तथा भेदभाव, घृणा और वैमनस्य से ऊपर उठकर सर्वधर्म समभाव एवं सामाजिक सद्भाव के मार्ग पर चलने का आह्वान किया। उन्होंने बाबा भोलेनाथ से सभी श्रद्धालुओं एवं प्रदेशवासियों के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की।समारोह के दौरान उपस्थित सभी वक्ताओं ने सावन माह की आध्यात्मिक महत्ता पर प्रकाश डालते हुए बाबा भोलेनाथ की कृपा समस्त श्रद्धालुओं पर बनी रहने की कामना की तथा श्रावणी मेला के सफल एवं सुव्यवस्थित आयोजन हेतु जिला प्रशासन के प्रयासों की सराहना की। उद्घाटन समारोह में विधायक रंजन कुमार, राजू कुमार सिंह, अजय कुमार, अजीत कुमार, बेबी कुमारी, विधान पार्षद दिनेश प्रसाद सिंह, महापौर निर्मला देवी साहू सहित अनेक जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक पदाधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। समारोह के अंत में उप विकास आयुक्त निशांत सिहारा ने सभी माननीय अतिथियों, श्रद्धालुओं, कलाकारों एवं उपस्थित जनसमुदाय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

दोहरे हत्याकांड का सनसनीखेज खुलासा, प्रेम प्रसंग में महिला और 6 वर्षीय बेटे की हत्या

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिले के कांटी थाना क्षेत्र से रिश्तों को शर्मसार कर देने वाली दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। प्रेम प्रसंग से जुड़े विवाद में एक महिला और उसके छह वर्षीय मासूम बेटे की हत्या किए जाने का मामला प्रकाश में आया है। पांच दिन पहले एनटीपीसी प्लांट के पीछे झाड़ियों से महिला का शव मिलने के बाद शुरू हुई पुलिस जांच में दोहरे हत्याकांड का खुलासा हुआ है। पुलिस ने मामले में मुख्य आरोपी के पिता को गिरफ्तार किया है, जबकि मुख्य आरोपी समेत अन्य नामजद आरोपी अब भी फरार हैं। मृतका की पहचान नरसंडा गांव निवासी मंजू कुमारी के रूप में हुई है। पांच दिन पहले उसका शव एनटीपीसी के पीछे झाड़ियों से बरामद हुआ था। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए एसकेएमसीएच भेजा और एसडीपीओ (पश्चिमी) सुचित्रा कुमारी के नेतृत्व में विशेष जांच टीम गठित की। पुलिस जांच में सामने आया कि मंजू कुमारी का पड़ोसी गांव विशुनपुर सुमेर निवासी विकास पासवान के साथ पहले प्रेम संबंध था। बाद में मंजू की शादी हो गई और वह अपने परिवार के साथ रहने लगी। पुलिस के अनुसार, शादी के बाद भी आरोपी इस रिश्ते को स्वीकार नहीं कर पाया और इसी रंजिश में उसने कथित तौर पर अपने साथियों के साथ मिलकर हत्या की साजिश रची। जांच के अनुसार, विकास पासवान ने मंजू कुमारी को मिलने के बहाने बुलाया, जहां उनकी हत्या कर शव को एनटीपीसी के पीछे झाड़ियों में फेंक दिया गया। घटना के बाद महिला का छह वर्षीय बेटा आर्यन भी लापता हो गया था। पुलिस उसकी तलाश में जुटी थी। शनिवार देर शाम आर्यन का शव भी बरामद कर लिया गया, जिसके बाद मामला दोहरे हत्याकांड में बदल गया। पीड़ित परिवार के बयान पर छह लोगों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी विकास पासवान के पिता हरी पासवान को गिरफ्तार कर लिया है। हालांकि मुख्य आरोपी विकास पासवान और उसके अन्य सहयोगी अभी भी फरार हैं। उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। एसडीपीओ (पश्चिमी) सुचित्रा कुमारी ने बताया कि महिला की हत्या की जांच के दौरान पूरे घटनाक्रम का खुलासा हुआ। लापता बच्चे की तलाश के दौरान उसका शव भी बरामद किया गया है। दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है तथा मामले की हर पहलू से जांच जारी है। इस दोहरे हत्याकांड से पूरे कांटी क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। मां और मासूम बेटे की हत्या की घटना से स्थानीय लोगों को झकझोर कर रख दिया है। पुलिस का कहना है कि फरार सभी आरोपियों को जल्द गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा।

कांटी में नहर टूटने से सैकड़ों एकड़ धान की फसल जलमग्न, किसानों में भारी आक्रोश

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। कांटी प्रखंड के झिटकाही मधुबन पंचायत अंतर्गत गोपालपुर गांव में नहर का बांध टूट जाने से सैकड़ों एकड़ कृषि भूमि जलमग्न हो गई है। खेतों में पानी भर जाने से हाल ही में रोपी गई धान की फसल डूब गई, जिससे किसानों के सामने भारी आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। ग्रामीणों और किसानों के अनुसार, कुछ ही दिन पहले धान की रोपनी पूरी की गई थी। अचानक नहर का बांध टूटने के बाद तेजी से पानी खेतों में फैल गया और देखते ही देखते सैकड़ों एकड़ में लगी धान की फसल जलमग्न हो गई। किसानों का कहना है कि रोपनी में उन्होंने काफी मेहनत और पूंजी लगाई थी, लेकिन एक ही घटना ने उनकी पूरी मेहनत पर पानी फेर दिया। घटना के बाद प्रभावित किसानों में भारी आक्रोश है। उनका कहना है कि यदि जल्द जलनिकासी की व्यवस्था नहीं की गई तो पूरी फसल नष्ट हो जाएगी, जिससे उन्हें भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ेगा। प्रभावित किसानों ने जिला प्रशासन से मामले का तत्काल संज्ञान लेने, टूटे हुए नहर बांध की शीघ्र मरम्मत कराने, मजबूत बांध का निर्माण कराने, जलनिकासी की समुचित व्यवस्था करने तथा फसल क्षति का आकलन कर उचित मुआवजा देने की मांग की है। ग्रामीणों ने संबंधित विभाग से पूरे मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने की भी मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो और किसानों की मेहनत सुरक्षित रह सके।

सावन की पहली सोमवारी से पूर्व शिवालयों में उमड़ा आस्था का सैलाब, बाबा दूधनाथ महादेव मंदिर में हुआ रुद्राभिषेक

मुजफ्फरपुर। सावन माह की प्रथम सोमवारी को लेकर जिले के सभी शिवालयों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ने लगी है।रविवार को भी भगवान भोलेनाथ के जलाभिषेक, रुद्राभिषेक और विशेष पूजा-अर्चना का सिलसिला जारी रहा। भक्तों ने ह्लहर-हर महादेवह्व के जयघोष के साथ भगवान शिव का पूजन कर परिवार की सुख-समृद्धि और मंगलकामना की। मुशहरी स्थित बाबा दूधनाथ महादेव मंदिर में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भव्य रुद्राभिषेक का आयोजन किया गया। इस दौरान पंडित लालन झा एवं अन्य आचार्यों ने विधि-विधान से भगवान शिव का रुद्राभिषेक संपन्न कराया। मंदिर परिसर पूरे दिन भक्तिमय माहौल से गूंजता रहा। पंडित लालन झा ने बताया कि सावन माह में रुद्राभिषेक का विशेष धार्मिक महत्व है। उन्होंने कहा कि श्रद्धालु अपने घर या मंदिर, कहीं भी विधिपूर्वक भगवान शिव का रुद्राभिषेक कर सकते हैं। इससे भगवान भोलेनाथ की कृपा प्राप्त होती है तथा मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। पूजा-अर्चना के दौरान अन्नू सिंह, रामबालक सिंह, चंदन, अंशु, अमृत, प्रेमा कुमारी, रूबी, प्रियंका सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। पूरे दिन मंदिर में भक्तों का तांता लगा रहा और श्रद्धालुओं ने भगवान शिव का जलाभिषेक कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

महादलित बस्ती का रास्ता बंद करने को लेकर हिंसक झड़प, कई घायल, पुलिस जांच में जुटी

मुजफ्फरपुर। जिले के सकरा थाना क्षेत्र अंतर्गत रामपुर कृष्णा पंचायत के हरिपुर कृष्णा गांव में शनिवार को महादलित बस्ती का रास्ता बंद किए जाने के विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच हिंसक झड़प हो गई। घटना में कई लोग घायल हो गए, जिनमें महिलाएं भी शामिल हैं। घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल है, जबकि पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। जानकारी के अनुसार, गांव के कुछ लोगों द्वारा महादलित बस्ती के मुख्य रास्ते को कथित तौर पर अवरुद्ध किया जा रहा था। इसका विरोध करने पर पहले दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हुई, जो देखते ही देखते हिंसक मारपीट में बदल गई। घटना की सूचना मिलने पर सकरा थाना और डायल-112 की पुलिस टीम मौके पर पहुंची। आरोप है कि पुलिस की मौजूदगी में ही दूसरे पक्ष के लोगों ने महादलित समुदाय के लोगों पर हमला कर दिया। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि महिलाओं के साथ मारपीट की गई तथा धारदार हथियार से हमला कर उन्हें गंभीर रूप से घायल किया गया।घायल महिला ने सकरा थाने में लिखित आवेदन देकर न्याय की मांग की है। आवेदन में गांव के रजनीश कुमार, पीयूष कुमार और सुशीला देवी को नामजद करते हुए आरोप लगाया गया है कि वे अक्सर महादलित बस्ती का रास्ता रोकते हैं। विरोध करने पर आरोपियों ने धारदार हथियार से हमला किया, जातिसूचक शब्दों का प्रयोग किया और जान से मारने की धमकी दी। सकरा थानाध्यक्ष ने बताया कि पीड़ित पक्ष का आवेदन प्राप्त हो गया है। घटना की सूचना मिलते ही डायल-112 की टीम को मौके पर भेजा गया था। पूरे मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है।

राष्ट्रीय सब-जूनियर तैराकी प्रतियोगिता के लिए मुजफ्फरपुर के दो खिलाड़ियों का चयन

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिले के खेल जगत के लिए गर्व की बात है कि राजस्थान की राजधानी जयपुर में आयोजित होने वाली 42वीं सब-जूनियर राष्ट्रीय तैराकी प्रतियोगिता के लिए बिहार टीम में मुजफ्फरपुर के दो होनहार तैराकों समायरा रमण और संस्कार रंजन का चयन हुआ है। दोनों खिलाड़ी 6 से 9 अगस्त तक सवाई मानसिंह स्टेडियम के स्विमिंग पूल में आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में बिहार का प्रतिनिधित्व करेंगे। 11झ्र12 वर्ष आयु वर्ग में समायरा रमण बालिका वर्ग और संस्कार रंजन बालक वर्ग से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। दोनों खिलाड़ियों ने कड़ी मेहनत, अनुशासित प्रशिक्षण और शानदार प्रदर्शन के दम पर बिहार टीम में जगह बनाई है। समायरा रमण ने हाल ही में आयोजित बिहार सब-जूनियर तैराकी चैंपियनशिप में 11झ्र12 वर्ष आयु वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए पांच स्वर्ण पदक जीतकर चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम किया था। उनके इस प्रदर्शन ने राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए चयन का मार्ग प्रशस्त किया। दोनों खिलाड़ियों के चयन पर मुजफ्फरपुर जिला तैराकी संघ के अध्यक्ष सत्यनारायण प्रसाद, सचिव कुंदन राज, स्विमफिट अकादमी के संचालक आभास कुमार तथा नॉर्थ पॉइंट चिल्ड्रेन स्कूल की प्राचार्या मोनिदिपा मित्रा ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए राष्ट्रीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन की कामना की। जिले के खेल प्रेमियों और तैराकी समुदाय ने विश्वास जताया है कि समायरा रमण और संस्कार रंजन राष्ट्रीय मंच पर शानदार प्रदर्शन कर मुजफ्फरपुर और बिहार का नाम पूरे देश में रोशन करेंगे।

मुजफ्फरपुर के लाल वाइस एडमिरल आलोक आनंद बने भारतीय नौसेना अकादमी एझिमाला के 13वें कमांडेंट

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। शहर के भगवानपुर स्थित आईजी कॉलोनी निवासी वाइस एडमिरल आलोक आनंद ने भारतीय नौसेना अकादमी, एझिमाला के 13वें कमांडेंट के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है। उनकी इस महत्वपूर्ण नियुक्ति से मुजफ्फरपुर ही नहीं, बल्कि पूरे बिहार में गर्व और खुशी का माहौल है। वाइस एडमिरल आलोक आनंद ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा मुजफ्फरपुर से प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने भारतीय नौसेना अकादमी में प्रवेश लेकर नौसेना में अपने गौरवशाली करियर की शुरूआत की। करीब 36 वर्षों के सेवाकाल में उन्होंने भारतीय नौसेना के कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया

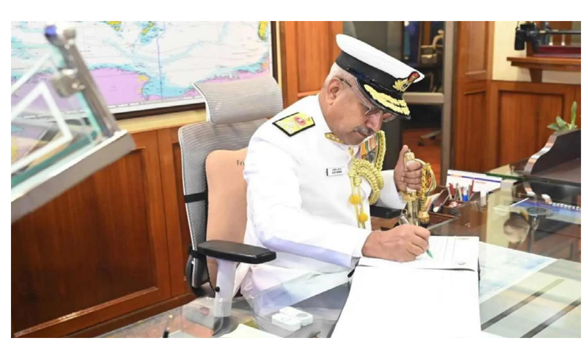

तथा देश के अत्याधुनिक युद्धपोतों की सफलतापूर्वक कमान संभाली। वर्ष 2015 में यमन से भारतीय एवं विदेशी नागरिकों को सुरक्षित निकालने के लिए चलाए गए ह्यऑपरेशन राहतह्व में उत्कृष्ट नेतृत्व और उल्लेखनीय योगदान के लिए उन्हें युद्ध सेवा पदक से सम्मानित किया गया था। कमांडेंट का पदभार संभालने से पहले वह भारतीय नौसेना के पूर्वी बेड़े के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे थे। भारतीय नौसेना अकादमी के कमांडेंट के रूप में वाइस एडमिरल आलोक आनंद की प्राथमिकताओं में प्रारंभिक अधिकारी प्रशिक्षण को और अधिक सुदृढ़ बनाना, विशेष बलों के लिए उत्कृष्ट सैन्य प्रशिक्षण, आधुनिक सैन्य शिक्षा तथा नेतृत्व विकास को बढ़ावा देना शामिल है। अकादमी का उद्देश्य भारतीय नौसेना, भारतीय तटरक्षक बल और मित्र देशों की नौसेनाओं के अधिकारियों को विश्वस्तरीय प्रशिक्षण उपलब्ध कराना है। वाइस एडमिरल आलोक आनंद की यह उपलब्धि मुजफ्फरपुर और बिहार के युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत मानी जा रही है। उनके इस नए दायित्व पर शहरवासियों और शुभचिंतकों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दी हैं।

मीनापुर में हवाई फायरिंग से मचा हड़कंप पिस्टल और कारतूस के साथ आरोपी गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। मीनापुर थाना क्षेत्र के मुस्तफागंज बाजार से पूरब जाने वाले मार्ग पर शनिवार शाम हवाई फायरिंग की घटना से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आपसी विवाद के दौरान फायरिंग करने वाले एक युवक को ग्रामीणों ने मौके पर ही पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने आरोपी के पास से एक पिस्टल, एक जिंदा कारतूस तथा घटनास्थल से एक खोखा बरामद किया है। थानाध्यक्ष सुभाष मुखिया ने बताया कि नगर पंचायत मीनापुर के वार्ड संख्या-13 (फरीदपुर) स्थित मुस्तफागंज-मकसूदपुर सड़क पर विशुनपुर निवासी राजीव कुमार और अलीनेउरा निवासी मुकेश कुमार के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो रहा था। इसी दौरान मुकेश ने कथित तौर पर पिस्टल निकालकर राजीव पर एक राउंड हवाई फायरिंग कर दी। हालांकि, इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ और राजीव बाल-बाल बच गया। फायरिंग की आवाज सुनते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए और आरोपी को पकड़ लिया। ग्रामीणों ने उसकी पिटाई करने के बाद पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर हथियार और कारतूस जब्त कर लिया। पुलिस के अनुसार, आरोपी से पूछताछ की जा रही है। बरामद हथियार की जांच के साथ पूरे मामले की छानबीन की जा रही है। पूछताछ के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद इलाके में कुछ देर के लिए तनाव का माहौल रहा, लेकिन पुलिस की तत्परता से स्थिति सामान्य हो गई।

साइड देने के विवाद ने लिया हिंसक रूप, एलएलबी के छात्र घायल, दोनों पक्षों ने दर्ज कराई शिकायत

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। काजीमोहम्मदपुर थाना क्षेत्र के होमलेस चौक रोड पर साइड देने को लेकर हुए मामूली विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। एलएलबी के एक छात्र और कार सवार दंपत्ति के बीच हुई मारपीट में छात्र गंभीर रूप से घायल हो गया। उसके सिर में गहरी चोट आई, जिसके बाद उसे सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने उसके सिर में आठ टांके लगाए। घटना की सूचना मिलने पर डायल-112 पुलिस टीम मौके पर पहुंची और कार को जब्त कर लिया। मामले में दोनों पक्षों ने काजीमोहम्मदपुर थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है। एलएलबी छात्र दिवेश कुमार, निवासी माड़ीपुर आजाद कॉलोनी, ने आरोप लगाया कि शनिवार दोपहर गन्नीपुर स्थित लॉ कॉलेज से लौटने के दौरान एक कार ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। विरोध करने पर कार चालक चंदन वत्स ने लोहे की रॉड से हमला कर दिया, जिससे उसके सिर में गंभीर चोट लगी। वहीं, कार सवार आरती कुमारी, निवासी दामुचक, ने अलग दावा किया है। उनके अनुसार, बाइक सवार दो युवकों ने उनकी कार में पीछे से टक्कर मारी और उसके बाद अभद्र व्यवहार करने लगे। उनका कहना है कि छात्र के साथ मौजूद युवक ने रॉड निकाल ली थी और बचाव के दौरान दिवेश स्वयं घायल हो गया। थानाध्यक्ष चंद्रभूषण प्रसाद सिंह ने बताया कि दोनों पक्षों से आवेदन प्राप्त हुए हैं। पुलिस उपलब्ध साक्ष्यों, प्रत्यक्षदर्शियों के बयान और अन्य तथ्यों के आधार पर मामले की निष्पक्ष जांच कर रही है। जांच के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

हाईटेंशन तार की चपेट में आने से राजमिस्त्री गंभीर, एसकेएमसीएच के आईसीयू में भर्ती

मुजफ्फरपुर। जिले के औराई थाना क्षेत्र के कटौझा गांव में रविवार सुबह मकान निर्माण के दौरान बड़ा हादसा हो गया। निर्माण कार्य कर रहे एक राजमिस्त्री 33 हजार वोल्ट प्रवाहित हाईटेंशन बिजली के तार की चपेट में आ गए, जिससे वह गंभीर रूप से झुलसकर नीचे गिर पड़े। घायल राजमिस्त्री की पहचान धरहरवा पंचायत के हनुमान नगर निवासी मुन्नू राय (45 वर्ष), पिता स्नेही राय के रूप में हुई है। हादसे के बाद स्थानीय लोगों और परिजनों ने तत्काल उन्हें इलाज के लिए श्रीकृष्ण मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (एसकेएमसीएच) पहुंचाया, जहां उनकी गंभीर हालत को देखते हुए आईसीयू में भर्ती किया गया है। मुखिया प्रतिनिधि प्रमोद पूर्वे ने बताया कि मुन्नू राय मकान निर्माण कार्य में लगे हुए थे। इसी दौरान उनका संपर्क 33 हजार वोल्ट के हाईटेंशन तार से हो गया, जिससे वे गंभीर रूप से झुलस गए। डॉक्टरों की टीम उनकी लगातार निगरानी कर रही है और उनकी स्थिति अभी भी चिंताजनक बनी हुई है। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों ने बिजली विभाग से निर्माण स्थलों के पास गुजरने वाले हाईटेंशन तारों की सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने और ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाने की मांग की है।

प्रभारी मंत्री ने श्रावणी मेला का किया उद्धाटन, डीएम एसएसपी ने सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुरः उत्तर बिहार के प्रसिद्ध बाबा गरीबनाथ मंदिर में आयोजित होने वाले वार्षिक श्रावणी मेले का रविवार को विधिवत शुभारंभ हो गया। राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री तथा मुजफ्फरपुर जिले के प्रभारी मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल ने डीएन हाईस्कूल परिसर में फीता काटकर मेले का उद्घाटन किया। इस अवसर पर प्रशासनिक अधिकारी, जनप्रतिनिधि और स्थानीय गणमान्य लोग मौजूद रहे। श्रावणी मेले के सफल संचालन, श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर जिलाधिकारी कुमार गौरव तथा वरीय पुलिस अधीक्षक कांतेश कुमार मिश्र ने संयुक्त रूप से व्यापक निरीक्षण किया। दोनों अधिकारियों ने बाबा गरीबनाथ मंदिर से लेकर आरडीएस कॉलेज तक की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान मंदिर परिसर के अंदर और बाहर भीड़ नियंत्रण, यातायात प्रबंधन, पार्किंग व्यवस्था तथा श्रद्धालुओं की सुविधा से जुड़े सभी महत्वपूर्ण बिंदुओं की समीक्षा की गई। अधिकारियों ने संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। श्रद्धालुओं की सुरक्षा और मेले की गतिविधियों पर सतत निगरानी के लिए डीएन हाईस्कूल परिसर में केंद्रीयकृत कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। प्रशासन ने बताया कि मेले में तैनात दंडाधिकारियों, पुलिस पदाधिकारियों और कर्मियों की उपस्थिति की प्रतिदिन सुबह एवं शाम जांच की जाएगी, ताकि पूरी मेला अवधि के दौरान व्यवस्था सुचारु बनी रहे।

बेखौफ बदमाशों ने टेंट संचालक को मारी गोली, हालत गंभीर

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। कांटी थाना क्षेत्र के साइन हनुमान चौक पर रविवार को बेखौफ बदमाशों ने एक युवक को गोली मार दी। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी और दहशत का माहौल बन गया। घायल युवक को स्थानीय लोगों की मदद से कांटी सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया। घायल की पहचान साइन गांव निवासी कैलाश कुमार (25 वर्ष), पिता दसई पटेल के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार, कैलाश खाना खाने के बाद अपने घर के बाहर बैठा हुआ था। इसी दौरान पहुंचे बदमाशों ने उस पर गोली चला दी और मौके से फरार हो गए। जानकारी के अनुसार, कैलाश कुमार टेंट हाउस में काम करता है, जबकि उसके चाचा रमेश पटेल भी टेंट हाउस के व्यवसाय से जुड़े हुए हैं। फिलहाल गोली मारने के पीछे का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। घटना की सूचना मिलते ही कांटी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है तथा हमलावरों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए छापेमारी में जुट गई है। पुलिस का कहना है कि मामले के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। घायल के बयान और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सनी देओल ने बेटे करण देओल के साथ पटना में किया बंटवारा 1947 का प्रमोशन, पटना साहिब गुरुद्वारे में टेका मत्था

इस साल की सबसे ज्यादा इंतजार की जा रही फिल्मों में शामिल बंटवारा 1947 का निर्माण आमिर खान प्रोडक्शंस ने किया है और इसका निर्देशन राजकुमार संतोषी ने किया है। यह बहुचर्चित ऐतिहासिक ड्रामा 14 अगस्त 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। फिल्म के दमदार ट्रेलर को मिल रहे शानदार रिस्पॉन्स के बीच अब इसकी स्टारकास्ट प्रमोशन

में जुटी हुई है। 2 अगस्त को सनी देओल अपने बेटे करण देओल के साथ पटना पहुंचे, जहां दोनों ने फिल्म बंटवारा 1947 का प्रमोशन किया। इस दौरान उन्होंने तख्त श्री हरिमंदिर जी पटना साहिब गुरुद्वारे में मत्था टेककर आशीर्वाद भी लिया। इसके बाद दोनों ने प्रमोशनल कार्यक्रमों में हिस्सा लिया और मीडिया व फैंस से मुलाकात की। बंटवारा 1947 भारत के बंटवारे के दर्द और उससे जुड़े इंसानी जज्बातों की कहानी है। फिल्म प्यार, त्याग, हिम्मत और मुश्किल हालात में भी उम्मीद बनाए रखने का संदेश देती है।

बागमती की पुरानी धारा हुई मृत सड़े पानी की बदबू से ग्रामीण बेहाल

मुजफ्फरपुर । गायघाट प्रखंड के बेरुआ गांव से होकर गुजरने वाली पुरानी बागमती नदी आज सरकारी उपेक्षा का शिकार बनकर रह गई है। कभी गांव की जीवनरेखा मानी जाने वाली यह नदी अब ठहरे हुए सड़े पानी और दुर्गंध का कारण बन गई है। नदी का प्राकृतिक प्रवाह रुक जाने से ग्रामीणों को जल संकट का सामना करना पड़ रहा है, जबकि किसानों की सिंचाई व्यवस्था भी पूरी तरह प्रभावित हो गई है। ग्रामीणों का कहना है कि पहले बागमती नदी की अविरल धारा से खेती, पशुपालन और दैनिक जरूरतों के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध रहता था। लेकिन सरकार द्वारा नदी का प्रवाह बंद किए जाने के बाद हालात लगातार बिगड़ते गए। आज नदी में पानी ठहर जाने से दुर्गंध फैल रही है, जिससे आसपास रहने वाले लोगों का जीवन मुश्किल हो गया है। स्थानीय किसानों के अनुसार सिंचाई के अभाव में फसलें प्रभावित हो रही हैं और खेती का खर्च बढ़ गया है। वहीं ग्रामीणों को रोजमर्रा के उपयोग के लिए भी पानी की समस्या झेलनी पड़ रही है। उनका आरोप है कि कई बार जनप्रतिनिधियों और संबंधित विभाग का ध्यान इस ओर दिलाया गया, लेकिन अब तक कोई ठोस पहल नहीं की गई। ग्रामीणों ने सरकार, जनप्रतिनिधियों और जल संसाधन विभाग से पुरानी बागमती नदी के पुनर्जीवन, जल प्रवाह बहाल करने और स्थायी समाधान के लिए शीघ्र कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि यदि समय रहते नदी को पुनर्जीवित नहीं किया गया तो जल संकट और पर्यावरणीय समस्याएं आने वाले दिनों में और गंभीर हो सकती हैं।

मुस्तफापुर में बने तोरण द्वार का विधायक ने किया उद्धाटन

मुजफ्फरपुर ।कांटी क्षेत्र के मुस्तफा पुर गांव में रविवार को 15वीं वित की राशि से बने तोरण द्वार का स्थानीय विधायक व पूर्व मंत्री अजीत कुमार ने फीता काट कर उद्घाटन किया। नौ लाख की लागत से बने इस तोरण द्वार के उद्घाटन के मौके पर सैकड़ो की संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे। इस तोरण द्वारा के बनने से गांव के लोगों में खुशी का माहौल था। स्थानीय लोग विधायक के प्रयास से कांटी क्षेत्र में लगातार हो रहे विकास के कार्य से काफी उत्साहित थे ।सबों ने इस तोरण द्वारा के निर्माण के लिए स्थानीय जनप्रतिनिधि व विधायक को धन्यवाद दिया। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए विधायक अजीत को कुमार ने लोगों से कहा कि आप जिस विश्वास से मुझे वोट दिया है, हम आपके विश्वास को कभी कमजोर नहीं होने देंगे ।खासकर मुस्तफापुर जैसे सुदूर ग्रामीण इलाकों में लोंगो को हर एक मूलभूत सुविधा उपलब्ध हो इसके लिए मैं लगातार प्रयास कर रहा हूं, यह प्रयास आगे भी जारी रहेगा। ।उन्होंने राशन कार्ड से वंचित लोगों को तुरंत आवेदन दे कर नया राशन कार्ड बनाने के लिए तत्परता दिखाने अपील किया। इस मौके पर विधायक एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि ने स्वच्छता अभियान में लगे गाड़ी एवं अन्य इक्विपमेंट्स को हरा झंडा दिखाकर सफाई कार्य के लिए विदा किया।

नन्हे कांवड़ियों का विशाल जत्था, बाबा गरीबनाथ धाम के लिए हुए रवाना

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। सावन माह की धार्मिक आस्था के बीच रविवार को मुजफ्फरपुर ने एक ऐतिहासिक और भावुक पल देखा। शहर के रमणा देवी मंदिर से पहली बार बड़ी संख्या में नन्हे कांवड़ियों का विशाल जत्था बाबा गरीबनाथ धाम में जलाभिषेक के लिए रवाना हुआ। श्रद्धालुओं का कहना है कि शहर में इससे पहले कभी इतने बड़े स्तर पर छोटे-छोटे बच्चों का कांवड़िया जत्था एक साथ बाबा गरीबनाथ मंदिर के लिए नहीं निकला था। यात्रा शुरू होने से पहले नन्हे कांवड़ियों का फूलों की वर्षा कर भव्य स्वागत किया गया। भगवा वस्त्र धारण किए बच्चे ह्लबोल बमह्व और ह्लहर-हर महादेवह्व के जयघोष के साथ पूरे उत्साह से आगे बढ़ते रहे। डीजे पर बज रहे शिव भजनों की धुन पर श्रद्धालु झूमते रहे, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। इस यात्रा में नन्हे कांवड़ियों के साथ उनकी माताएं, अभिभावक और बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल रहीं। पूरे मार्ग में श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा। पुलिस बल पूरे रास्ते जत्थे के साथ मौजूद रहा और शांतिपूर्ण ढंग से यात्रा संपन्न कराने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं संभालता रहा। श्रद्धालुओं ने इस आयोजन को बाबा गरीबनाथ के प्रति बढ़ती आस्था और सनातन संस्कृति के प्रति नई पीढ़ी के जुड़ाव का प्रतीक बताया। उनका कहना था कि बच्चों में भगवान शिव के प्रति श्रद्धा, धार्मिक संस्कार और सांस्कृतिक मूल्यों को विकसित करने की दिशा में यह पहल प्रेरणादायी है। श्रद्धा, भक्ति और उत्साह से सराबोर नन्हे कांवड़ियों की यह ऐतिहासिक यात्रा पूरे शहर में आकर्षण का केंद्र बनी रही। मार्ग में जगह-जगह लोगों ने श्रद्धालुओं का स्वागत किया और बाबा भोलेनाथ के जयकारों से पूरा वातावरण शिवमय हो उठा।

विचार मंथन

@Pratahkiran
www.pratahkiran.com
पटना, सोमवार, 03 अगस्त, 2026

सम्पादकीय

एआई बनाम परमाणु बम : मानवता के सामने सबसे बड़ा खतरा कौन?

डॉ. शैलेश शुक्ला

कुछ वर्ष पहले तक दुनिया के लिए सबसे बड़ा खतरा परमाणु बम को माना जाता था। आज भी यदि किसी देश के पास परमाणु हथियार हैं तो दुनिया चिंतित हो जाती है। लेकिन अब एक नई शक्ति तेजी से विकसित हो रही है, जिसका नाम है कृत्रिम मेधा (एआई)। यह तकनीक हमारे मोबाइल फोन, कंप्यूटर, अस्पतालों, स्कूलों, बैंकों, कारखानों और सरकारी दफ्तरों तक पहुँच चुकी है। यह हमारे काम को आसान बना रही है, लेकिन इसके साथ अनेक नए प्रश्न भी खड़े हो गए हैं। सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या भविष्य में एआई परमाणु बम से भी बड़ा खतरा बन सकता है? इस प्रश्न का उत्तर देने से पहले यह समझना आवश्यक है कि दोनों की प्रकृति अलग-अलग है। परमाणु बम एक हथियार है, जिसका उद्देश्य विनाश करना है। इसके विपरीत एआई एक तकनीक है, जिसे मनुष्य ने अपनी सहायता के लिए बनाया है। इसका उपयोग चिकित्सा, शिक्षा, कृषि, उद्योग, शोध, पत्रकारिता और अनेक अन्य क्षेत्रों में हो रहा है। इसलिए यह कहना उचित नहीं होगा कि एआई अपने आप में कोई बुरी चीज है। असली प्रश्न यह है कि इसका उपयोग किस उद्देश्य से और किस प्रकार किया जाता है। परमाणु बम का नुकसान सभी को दिखाई देता है। यदि उसका प्रयोग हो जाए तो कुछ ही क्षणों में भारी तबाही मच सकती है। लोगों की जान चली जाती है, इमारतें नष्ट हो जाती हैं और पर्यावरण भी लंबे समय तक प्रभावित रहता है। इसलिए दुनिया के अधिकांश देशों ने ऐसे हथियारों के उपयोग को रोकने के लिए अनेक नियम बनाए हैं। परमाणु हथियार बहुत कम देशों के पास हैं और उन पर कड़ा नियंत्रण भी रहता है। एआई की स्थिति इससे बिल्कुल अलग है। यह किसी एक देश या संस्था तक सीमित नहीं है। आज दुनिया भर में करोड़ों लोग इसका उपयोग कर रहे हैं। कोई छात्र पढ़ाई के लिए इसका सहारा ले रहा है, कोई डॉक्टर रोगों की जानकारी प्राप्त करने के लिए इसका उपयोग कर रहा है, कोई किसान खेती से जुड़ी जानकारी ले रहा है और कोई लेखक अपने काम में सहायता प्राप्त कर रहा है। यही इसकी सबसे बड़ी ताकत भी है और सबसे बड़ी चुनौती भी। एआई का सबसे बड़ा खतरा यह नहीं है कि वह अचानक दुनिया को नष्ट कर देगा। वास्तविक चिंता यह है कि यदि इसका गलत उपयोग होने लगे तो समाज को धीरे-धीरे बहुत बड़ा नुकसान पहुँच सकता है। उदाहरण के लिए आज ऐसी तकनीक उपलब्ध है जिससे किसी व्यक्ति की नकली आवाज बनाई जा सकती है, उसका झूठा वीडियो तैयार किया जा सकता है या उसके नाम से गलत बातें फैलाई जा सकती हैं। यदि इन साधनों का उपयोग चुनावों, सामाजिक विवादों या किसी व्यक्ति की छवि खराब करने के लिए किया जाए तो समाज में भ्रम और अविश्वास फैल सकता है। आज सूचना पहले से कहीं अधिक तेजी से फैलती है। यदि गलत सूचना एआई की सहायता से तैयार होकर लाखों लोगों तक पहुँच जाए, तो उसे रोकना आसान नहीं होता। लोग बिना जाँच किए उस पर विश्वास कर लेते हैं। इससे समाज में तनाव बढ़ सकता है और लोकतांत्रिक व्यवस्था भी प्रभावित हो सकती है। इसलिए एआई के इस पक्ष को गंभीरता से समझने की आवश्यकता है। रोजगार के क्षेत्र में भी एआई का प्रभाव दिखाई देने लगा है। कई ऐसे कार्य हैं जिन्हें अब कंप्यूटर पहले की तुलना में अधिक तेजी से कर सकते हैं। इससे लोगों की चिंता बढ़ना स्वाभाविक है। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं है कि सभी नौकरियाँ समाप्त हो जाएँगी। इतिहास बताता है कि जब भी नई तकनीक आती है, कुछ पुराने काम कम हो जाते हैं और नए प्रकार के काम शुरू होते हैं। इसलिए आवश्यकता इस बात की है कि लोग समय के साथ नए कौशल सीखें और बदलती तकनीक के अनुसार स्वयं को तैयार करें। शिक्षा के क्षेत्र में भी एआई नई संभावनाएँ लेकर आया है। विद्यार्थी कठिन विषयों को आसानी से समझ सकते हैं। शिक्षक पढ़ाने के नए तरीके अपना सकते हैं। लेकिन यदि विद्यार्थी बिना सोचे-समझे हर उत्तर एआई से लेने लगेंगे, तो उनकी अपनी सोचने और समझने की क्षमता कमजोर हो सकती है। शिक्षा का उद्देश्य केवल उत्तर प्राप्त करना नहीं, बल्कि सही ढंग से सोचने की क्षमता विकसित करना भी है। इसलिए एआई को शिक्षक का विकल्प नहीं, बल्कि सहायक के रूप में देखना चाहिए। पत्रकारिता में भी एआई का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। समाचारों का अनुवाद, आँकड़ों का विश्लेषण और सामान्य रिपोर्ट तैयार करने जैसे कार्य अब पहले की तुलना में अधिक तेजी से हो सकते हैं।

अराजकता के वातावरण में कुलगाम काण्ड के मायने

डा. रवीन्द्र अरजरिया

संसद से सडक तक अराजकता का वातावरण है। संसदीय गरिमा अपने श्रंगार के लिए जार-जार रो रही है। सडकों पर ईंट, पत्थर और डंडे चल रहे हैं। डीप स्टेट के एजेन्डा की प्रत्यक्ष दर्शन हो रहे हैं। न्यायालयीन आदेशों को खुलेआम न मानने घोषणायें की जा रहीं है। छात्र आन्दोलन के नाम पर सजाये गये मंच से धारा 370, राम मंदिर, सम्प्रदायगत, जातिगत मुद्दों को ही नहीं उठाया गया बल्कि गालियों की प्रतियोगिता, अभद्रता का टूर्नामेन्ट, हिंसा का होड जैसे अनगिनत कृत्य किये गये। बांग्लादेश और नेपाल की तर्ज पर भारत को चलाने की चेतावनियां दी जाती रहीं। विपक्षियों ने सरेआम सरकार विरोधी षडयंत्र को कार्यरूप दिया। देश की आन्तरिक सुरक्षा, नागरिक व्यवस्था तथा कानूनी बोध को स्थापित रखने वाले लोगों बेखौफ निशाना बनाया जाता रहा। आन्दोलन के नाम पर हिंसा करने वालों को बचाने के लिए प्रयास शुरू हो गये। इसी दौरान अमेरिका की धरती से विशेष लक्ष्य लेकर आने वाले आम आदमी पार्टी के पूर्व पदाधिकारी ने विभिन्न राजनैतिक दलों के युवा और छात्र संगठनों के साथ मिलकर काकरोच के नाम पर एक नया संगठन खडा कर दिया और धमकाने लगे देश की निरीह आवाम को। आश्चर्य होता है कि देश के ईमानदार करदाताओं के खून-पसीने की कमाई से वसूले जाने वाली धनराशि से राष्ट्र विरोधी मानसिकता वालों को भारी भरकम सुरक्षा, संसाधन तथा सहयोग दिया जा रहा है। देश को डसने वाले सांपों के पोषण हेतु देश के आम नागरिकों का खून पिलाया जा रहा है। खुले मंचों से राष्ट्र को धमकाने वाले, सरेआम साम्प्रदायिक दंगे कराने वाले, कट्टरपंथी सोच वाले, जेहादी मानसिकता वाले हजारों लोग आज सरकारी सुरक्षा घेरे में ऐश की जिन्दगी जी रहे हैं। उनके बच्चे विदेशी धरती पर भविष्य संवार रहे हैं। हालात यह है कि संसार का सबसे बडा लोकतांत्रिक देश आज अपने ही संवैधानिक हथकडियों में जकड कर स्वयं की किस्तों में होती हत्या का गवाह बनता जा रहा है। एशिया को पूरी तरह से लाचार करने के लिए डीप स्टेट लम्बे समय से भारत को निशाना बनाता रहा है। नक्सल से लेकर कट्टरता तक, आन्दोलनों से लेकर प्रदर्शनों तक और सम्प्रदाय से लेकर जाति तक के आधारों पर हिंसा फैलाई जाती रही। स्लीपर सेल, उजागर नाम और संरक्षकों की जमातें नित नये पैतरे आजमाती रहीं। एक बार फिर धरती के स्वर्ग पर कट्टरवाद ने गैर मुस्लिम को स्वर्गवासी बनाना शुरू कर दिया है। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में ईंट-भट्ठे पर पसीना बहाकर अपने परिवार का पेट पालने वाले छत्तीसगढ़ के निर्दोष श्रमिक दीपक रात्रे और भूपिंदर की आतंकवादियों द्वारा की गई कायरतापूर्ण हत्या केवल एक आपराधिक घटना नहीं है बल्कि यह भारत की साझा सांस्कृतिक चेतना, आर्थिक संप्रभुता और मानवाधिकारों पर सीधा प्रहार है। लश्कर-ए-तैयबा के छद्म संगठन द्द्यद रेजिस्टेंस फ्रंट यानी टीआरएफ द्वारा अंजाम दी गई यह वारदात उस रक्तरंजित प्रवृत्ति की निरंतरता है, जिसमें आतंकवादी संगठन पीड़ित की धार्मिक व क्षेत्रीय पहचान पूछकर या सुनिश्चित करके गोलियां चलाते हैं। पहलगाम से लेकर कुलगाम तक और गंदेरबल से लेकर श्रीनगर की सड़कों तक जब-जब किसी बेगुनाह से उसकी पहचान, उसका गृह राज्य या उसका धर्म पूछकर ट्रिगर दबाया जाता है, तब-तब आतंकवाद अपने सबसे घिनौने और नग्न रूप में प्रकट होता है। यह केवल भू-राजनीतिक संघर्ष नहीं बल्कि विचारधारा के स्तर पर उपजी एक गहरी बर्बरता है। यह केवल कश्मीर घाटी की शांति प्रक्रिया को ध्वस्त ही नहीं करना चाहती बल्कि पूरे भारत में सांप्रदायिक वैमनस्य का जहर घोलने की साजिश भी रचती है। पहलगाम से कुलगाम की विभीषिका कश्मीर घाटी में गैर-स्थानीय श्रमिकों, कश्मीरी पंडितों और धार्मिक अल्पसंख्यकों को निशाना बनाकर की जाने वाली हत्याओं का इतिहास कोई नया नहीं है। इसने अनेक बार खुलकर आतंक फैलाया जिससे देश के अनेक राजनैतिक दलों ने खुलकर समर्थन ही नहीं दिया बल्कि आतंकवादियों को मासूम, निरीह और उत्तेजिक जनमानस के रूप में भी परिभाषित भी किया।

हर किसी का अपना सावन है

सफलता के बिना, आशावाद की जगह चिंता ले लेती है। इसलिए किसान सावन पर निर्भर है और उसे इस पर भरोसा करना ही चाहिए। सावन भारतीय कविता का अभिन्न अंग रहा है। वसंत ऋतु प्रेम के द्वार खोलती है, वहीं वर्षा ऋतु प्रेम और भावनाओं की प्रचुरता की अभिव्यक्ति मानी जाती है। प्राचीन संस्कृत के कवियों, मध्यकालीन भक्ति संतों, लोकगीतों और समकालीन लेखकों को काले बादलों, हल्की फुहारों, दूर-दूर तक फैले तूफानों और वर्षा से व्याकुल दृश्यों से प्रेरणा मिली है। ऐसा लगता है कि बारिश का मौसम प्रेम को एक नई लय देता है। बारिश परिदृश्य और भावनाओं को शांत और मधुर बना देती है। कीचड़ से सनी सड़कें, झूमते पेड़, ठंडी हवा, धुंधली परछाइयाँ - ये सभी दृश्य चिंतन और आत्मीयता को प्रेरित करते हैं। वास्तव में, भारत की कुछ बेहतरीन कविताएँ, संगीत और चित्रकलाएँ बारिश के रोमांस को सम्मान देती हैं, शायद इसलिए कि यह महज एक संयोग नहीं है। सावन का मौसम देश के गांवों में लोगों के जीवन को त्योहारों में बदल देता है। बरगद, नीम और पीपल के पेड़ों पर झूले लगाए जाते हैं। चमकीले कपड़े पहने युवतियां मल्हार और कजरी जैसे पारंपरिक गीत गाती हैं, जिनमें प्रेम, एकांत और प्रकृति की समृद्धि का वर्णन होता है।

डॉ. प्रियंका सौरभ
(लेखक)

भारत मानसून के आगमन के साथ मौसम में बदलाव का स्वागत करता है, और इससे भी कहीं अधिक। यह एक ऐसे मौसम की शुरूआत है जो फलों की भरपूर फसल, ताजगी और नए जीवन को जन्म देता है, साथ ही मानव हृदयों में नई आशा और सदियों से समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को पुनर्जीवित करता है। महीनों की भीषण गर्मी और चिलचिलाती धूप के बाद बारिश होती है; यह केवल प्यासी धरती के लिए ही पानी नहीं है, बल्कि जागृत सपनों के लिए, थकी हुई आत्माओं को ऊर्जा प्रदान करने के लिए और अग्नि के सानिध्य में जीने वाले हम जैसे लोगों को बंजरपन का सामना करने और यह जानने की याद दिलाने के लिए है कि इसके बाद हरियाली और नया जीवन आएगा। कई मायनों में सावन भारत का सबसे लोकतांत्रिक मौसम है। यह सबके लिए उपलब्ध है, लेकिन हर व्यक्ति के लिए इसका अपना अनूठा महत्व है। अलग-अलग लोगों के लिए, उनके पेशे, उम्र, यादों, आस्था, आकांक्षाओं और परिस्थितियों के अनुसार इसके अलग-अलग अर्थ होते हैं। कुछ के लिए यह सफलता का प्रतीक है, तो दूसरों के लिए प्रेम का। कई लोगों के लिए यह आस्था की यात्रा है, तो बच्चों के लिए मस्ती का! जी हां, हममें से हर कोई अपने-अपने तरीके से सावन का अनुभव करता है। भारत के किसानों के लिए सावन सिर्फ बारिश नहीं, बल्कि जीवन और जीने का मौका है। कृषि आज भी इस देश में लाखों लोगों का प्रमुख रोजगार स्रोत है और बारिश का समय पर आना या न आना कई जगहों पर जीवन-मरण का सवाल होता है। हम सभी को इंतजार करना पड़ता है, और हर बादल उम्मीद लेकर आता है, हर बौछार राहत देती है, हर हरा-भरा खेत महीनों के धैर्य और मेहनत का फल होता है। समय पर बारिश होने से मिट्टी उपजाऊ होती है और किसान का आत्मविश्वास भी बढ़ता है। सफलता के बिना, आशावाद की जगह चिंता ले लेती है। इसलिए किसान सावन पर निर्भर है और उसे इस पर भरोसा करना ही चाहिए। सावन भारतीय कविता का अभिन्न अंग रहा है। वसंत ऋतु प्रेम के द्वार खोलती है, वहीं वर्षा ऋतु प्रेम और भावनाओं की प्रचुरता की अभिव्यक्ति मानी जाती है। प्राचीन संस्कृत के कवियों, मध्यकालीन भक्ति संतों, लोकगीतों और समकालीन लेखकों को काले बादलों, हल्की फुहारों, दूर-दूर तक फैले तूफानों और वर्षा से व्याकुल दृश्यों से प्रेरणा मिली है। ऐसा लगता है कि बारिश का मौसम प्रेम को एक नई लय देता है। बारिश परिदृश्य और भावनाओं को शांत और मधुर बना देती है। कीचड़ से सनी सड़कें, झूमते पेड़, ठंडी हवा, धुंधली परछाइयाँ - ये सभी दृश्य चिंतन और आत्मीयता को प्रेरित करते हैं। वास्तव में, भारत की कुछ बेहतरीन कविताएँ, संगीत और चित्रकलाएँ बारिश के रोमांस को सम्मान देती हैं, शायद इसलिए कि यह महज एक संयोग नहीं है। सावन का मौसम देश के गांवों में लोगों के जीवन को त्योहारों में बदल देता है। बरगद, नीम और पीपल के पेड़ों पर झूले लगाए जाते हैं। चमकीले कपड़े पहने युवतियां मल्हार और कजरी जैसे पारंपरिक गीत गाती हैं, जिनमें प्रेम, एकांत और प्रकृति की समृद्धि का वर्णन होता है। नवविवाहित बेटियों के लिए यह मौसम अक्सर बचपन के घर को यादों से भर देता है और उन रिश्तों को फिर से जीवंत करने का अवसर होता है जो भले ही टूट गए हों, लेकिन कभी खोए नहीं। यह सिर्फ एक सांस्कृतिक परंपरा नहीं, बल्कि जीने का एक तरीका है; ये लोक परंपराएं हैं और भारत के भावनात्मक और सामाजिक ताने-बाने की अभिव्यक्ति हैं। सावन का मौसम बच्चों की तरह आनंदित होता है। उन्हें कृषि उत्पादन या मौसम पूर्वानुमान की कोई चिंता नहीं होती। बारिश का मतलब है नंगे पैर नाचना, पानी के गड्ढों में कागज की नावें तैराना, इंद्रधनुष के पीछे खेलना और खुलकर हंसना। जब वे खुश होते हैं, तो ऐसा लगता है मानो बड़ों को एक सरल तथ्य याद आ रहा हो: कभी-कभी, खुशी छोटी-छोटी चीजों में ही होती है! लेकिन आजकल के बच्चे बाहर और निर्धारित गतिविधियों में बहुत कम समय बिताते हैं। कई बच्चों के लिए मानसून उस समय में आता है जब डिजिटल मनोरंजन बाहरी खेलों की जगह ले रहा होता है। प्रकृति के साथ इस घनिष्ठ संबंध को संरक्षित करना उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कि जंगलों और नदियों के साथ। लेकिन वृद्ध लोगों के लिए सावन का अर्थ अलग होता है। जब बारिश के दिन आते हैं, तो उन्हें कई बातें याद आ जाती हैं: बचपन के खेल, बचपन की दोस्ती, पारिवारिक मिलन और सादगी भरे पल। यह सिर्फ खिड़की के पास बैठकर गर्म चाय की चुस्की लेते हुए बाहर बारिश की हल्की आवाज सुनने का समय नहीं है, बल्कि यह जीवन भर के अनमोल पलों को याद करने का समय है। इस मायने में मानसून स्मृतियों का साथी होता है। यह ऋतु आध्यात्मिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। श्रावण सबसे पवित्र माह है जो भगवान शिव को समर्पित है और प्रत्येक वर्ष, भारत में बड़ी संख्या में लोग उनके मंदिरों में दर्शन के लिए जाते हैं। अनुशासन, त्याग और आस्था वे प्रमुख तत्व हैं जिनके माध्यम से तीर्थयात्री लंबी यात्राओं पर निकलते हैं और नदियों से पवित्र जल लाकर शिव मंदिरों में अर्पित करते हैं। ये सभी अनूठी भारतीय परंपराएं हैं जहां दुनिया और प्रकृति आपस में जुड़ी हुई हैं और आध्यात्मिक महत्व रखती हैं। नदियां, पहाड़, जंगल, वर्षा और भूमि केवल प्राकृतिक संसाधन नहीं हैं बल्कि जीवन के लिए पवित्र स्थान रखते हैं।

क्या धर्मेंद्र प्रधान की इस्तीफा बदल देगा भारतीय राजनीति की दिशा?

भारत में कई ऐसे आंदोलन हुए हैं जिन्होंने राजनीतिक व्यवस्था को गहराई से प्रभावित किया। स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर जेपी आंदोलन, मंडल आंदोलन, भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन और किसान आंदोलनों तक अनेक उदाहरण बताते हैं कि जब जनता किसी मुद्दे पर व्यापक रूप से एकजुट होती है, तो सरकारों को अपनी नीतियों पर पुनर्विचार करना पड़ता है। हालाँकि हर आंदोलन सत्ता परिवर्तन का कारण नहीं बना। कई आंदोलनों ने केवल नीतिगत बदलाव कराए, जबकि कुछ ने राजनीतिक दलों के उदय या पतन का मार्ग प्रशस्त किया। इसलिए किसी भी आंदोलन का प्रभाव उसकी व्यापकता, नेतृत्व, संगठन और दीर्घकालिक राजनीतिक रणनीति पर निर्भर करता है। धर्मेंद्र प्रधान प्रकरण को भी इसी व्यापक संदर्भ में देखा जा रहा है। यदि यह केवल एक घटना बनकर रह जाता है, तो इसका प्रभाव सीमित होगा। लेकिन यदि विपक्ष इसे व्यापक जनभावनाओं से जोड़ने में सफल होता है, तो यह एक बड़े राजनीतिक विमर्श का हिस्सा बन सकता है। पिछले कुछ वर्षों में यह धारणा बनने लगी थी कि भारतीय राजनीति में चुनावी अभियानों का केंद्र डिजिटल माध्यम और नेतृत्व आधारित प्रचार बन गया है। लेकिन हाल के घटनाक्रमों ने यह संकेत दिया कि सड़क पर उतरने वाले आंदोलनों की प्रासंगिकता अब भी समाप्त नहीं हुई है।

जितेन्द्र कुमार सिन्हा
(लेखक)

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहाँ राजनीति केवल चुनावी मंचों पर नहीं होती। संसद, सड़क, न्यायपालिका, मीडिया, विश्वविद्यालय, सामाजिक संगठन और अब सोशल मीडिया, ये सभी लोकतांत्रिक विमर्श के महत्वपूर्ण मंच बन चुके हैं। जब किसी मुद्दे पर इन विभिन्न मंचों का दबाव एक साथ दिखाई देता है, तो उसका राजनीतिक प्रभाव कहीं अधिक व्यापक हो जाता है। धर्मेंद्र प्रधान प्रकरण ने भी यही संकेत दिया है। इस पूरे घटनाक्रम ने यह प्रश्न खड़ा किया कि क्या अब भारतीय राजनीति में जनता का संगठित दबाव फिर से निर्णायक भूमिका निभाने लगा है? या यह केवल एक विशेष परिस्थिति थी, जिसका प्रभाव समय के साथ सीमित हो जाएगा? इन प्रश्नों का उत्तर केवल वर्तमान घटनाओं में नहीं, बल्कि भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में भी छिपा है। भारत में कई ऐसे आंदोलन हुए हैं जिन्होंने राजनीतिक व्यवस्था को गहराई से प्रभावित किया। स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर जेपी आंदोलन, मंडल आंदोलन, भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन और किसान आंदोलनों तक अनेक उदाहरण बताते हैं कि जब जनता किसी मुद्दे पर व्यापक रूप से एकजुट होती है, तो सरकारों को अपनी नीतियों पर पुनर्विचार करना पड़ता है। हालाँकि हर आंदोलन सत्ता परिवर्तन का कारण नहीं बना। कई आंदोलनों ने केवल नीतिगत बदलाव कराए, जबकि कुछ ने राजनीतिक दलों के उदय या पतन का मार्ग प्रशस्त किया। इसलिए किसी भी आंदोलन का प्रभाव उसकी व्यापकता, नेतृत्व, संगठन और दीर्घकालिक राजनीतिक रणनीति पर निर्भर करता है। धर्मेंद्र प्रधान प्रकरण को भी इसी व्यापक संदर्भ में देखा जा रहा है। यदि यह केवल एक घटना बनकर रह जाता है, तो इसका प्रभाव सीमित होगा। लेकिन यदि विपक्ष इसे व्यापक जनभावनाओं से जोड़ने में सफल होता है, तो यह एक बड़े राजनीतिक विमर्श का हिस्सा बन सकता है। पिछले कुछ वर्षों में यह धारणा बनने लगी थी कि भारतीय राजनीति में चुनावी अभियानों का केंद्र डिजिटल माध्यम और नेतृत्व आधारित प्रचार बन गया है। लेकिन हाल के घटनाक्रमों ने यह संकेत दिया कि सड़क पर उतरने वाले आंदोलनों की प्रासंगिकता अब भी समाप्त नहीं हुई है। जब छात्र, युवा, सामाजिक संगठन और विभिन्न समूह किसी मुद्दे पर एक साथ सक्रिय होते हैं, तो सरकार के सामने केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि नैतिक चुनौती भी खड़ी होती है। लोकतंत्र में सरकारें केवल बहुमत से नहीं, बल्कि जनता के विश्वास से भी चलती हैं। इसलिए जनदबाव को पूरी तरह अनदेखा करना किसी भी सरकार के लिए आसान नहीं होता। यही कारण है कि विपक्ष ने इस पूरे घटनाक्रम को लोकतांत्रिक संघर्ष के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास किया। भारतीय संसद लोकतांत्रिक जवाबदेही का सबसे महत्वपूर्ण मंच है। किसी भी सरकार के निर्णयों की समीक्षा, प्रश्नों के उत्तर, बहस और आलोचना, ये सभी संसदीय लोकतंत्र की आधारशिला है। धर्मेंद्र प्रधान प्रकरण में विपक्ष ने संसद के भीतर लगातार सरकार को घेरने की रणनीति अपनाई। विभिन्न विपक्षी दलों ने इसे केवल एक विभागीय मामला न मानकर व्यापक जवाबदेही का विषय बनाया। संसद में उठे प्रश्नों और बाहर चल रहे आंदोलनों के बीच एक प्रकार का समन्वय दिखाई दिया। राजनीतिक दृष्टि से यह विपक्ष के लिए एक महत्वपूर्ण रणनीतिक बदलाव माना जा सकता है। पहले कई मुद्दों पर विपक्ष बिखरा हुआ दिखाई देता था, लेकिन इस बार उसने अपेक्षाकृत अधिक समन्वित रुख अपनाने की कोशिश की। भारतीय लोकतंत्र में नागरिक समाज की भूमिका हमेशा महत्वपूर्ण रही है। शिक्षाविद, पूर्व प्रशासक, सामाजिक कार्यकर्ता, छात्र संगठन, वकील, लेखक और विभिन्न पेशेवर समूह समय-समय पर सार्वजनिक मुद्दों पर अपनी राय रखते रहे हैं। हाल के वर्षों में सोशल मीडिया ने नागरिक समाज की आवाज को और अधिक व्यापक बना दिया है। अब किसी भी मुद्दे पर विशेषज्ञों और आम नागरिकों की प्रतिक्रियाएँ कुछ ही घंटों में राष्ट्रीय बहस का हिस्सा बन जाती हैं। धर्मेंद्र प्रधान प्रकरण में भी नागरिक समाज के विभिन्न वर्गों की प्रतिक्रियाओं ने इस मुद्दे को केवल राजनीतिक विवाद न रहने देकर सार्वजनिक विमर्श का विषय बना दिया। कांग्रेस लंबे समय से ऐसे मुद्दे की तलाश में थी जो उसे राष्ट्रीय स्तर पर सरकार के खिलाफ एक मजबूत नैरेटिव बनाने का अवसर दे सके। यदि विपक्ष इस पूरे घटनाक्रम को ह्लजनदबाव की सफलताह्व के रूप में प्रस्तुत करता है, तो वह भविष्य में इसी मॉडल को अन्य मुद्दों पर भी अपनाने का प्रयास कर सकता है। इस रणनीति के मुख्य तत्व हो सकते हैं जनता के बीच लगातार अभियान। संसद में संयुक्त विपक्ष का समन्वित प्रदर्शन। सोशल मीडिया के माध्यम से व्यापक प्रचार। छात्र, युवा और नागरिक संगठनों से संवाद। स्थानीय आंदोलनों को राष्ट्रीय विमर्श से जोड़ना। लेकिन इस रणनीति की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि विपक्ष केवल विरोध तक सीमित रहता है या जनता के सामने ठोस वैकल्पिक नीतियाँ भी प्रस्तुत करता है। अब राजनीतिक दृष्टि से सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न उत्तर प्रदेश है। 2027 का विधानसभा चुनाव केवल राज्य की सत्ता का चुनाव नहीं होगा, बल्कि उसे 2029 के लोकसभा चुनाव के सेमीफाइनल के रूप में भी देखा जाएगा। उत्तर प्रदेश भारत का सबसे बड़ा राजनीतिक राज्य है। यहाँ की सामाजिक संरचना, जातीय समीकरण, धार्मिक विविधता, ग्रामीण-शहरी संतुलन और विशाल मतदाता आधार राष्ट्रीय राजनीति को गहराई से प्रभावित करते हैं। यदि विपक्ष किसी राष्ट्रीय मुद्दे को उत्तर प्रदेश के स्थानीय प्रश्नों रोजगार, शिक्षा, कृषि, कानून-व्यवस्था और सामाजिक न्याय से जोड़ने में सफल होता है, तो चुनावी मुकाबला अधिक रोचक हो सकता है। वहीं दूसरी ओर भाजपा भी इस राज्य में अपना सबसे मजबूत संगठन रखती है।

सड़कों पर लावारिस पशुओं का बढ़ता आतंक

कांतिलाल मांडोत

सड़क पर अचानक सामने आ गई गाय, सांड या भैंस। चालक के पास ब्रेक लगाने का समय नहीं। पलभर में वाहन असंतुलित हुआ और एक परिवार की खुशियां हमेशा के लिए उजड़ गईं। भारत के शहरों, कस्बों और गांवों में यह दृश्य अब असामान्य नहीं रह गया है। हर दिन अखबारों और समाचार चैनलों में ऐसे हादसों की खबरें आती हैं, जिनमें निर्दोष लोग अपनी जान गंवा देते हैं या जीवनभर के लिए अपंग हो जाते हैं। यह केवल सड़क सुरक्षा का विषय नहीं, बल्कि प्रशासनिक लापरवाही, सामाजिक गैर-जिम्मेदारी और कानून के कमजोर क्रियान्वयन का गंभीर परिणाम है। ऐसे समय में सर्वोच्च न्यायालय का यह कहना कि सड़कों पर घूमने वाले लावारिस पशु प्राकृतिक स्पीड ब्रेकर नहीं हैं और इनके कारण होने वाले हादसों के पीड़ितों के लिए वैधानिक मुआवजा व्यवस्था बनाई जानी चाहिए, अत्यंत स्वागतयोग्य और समयोचित निर्देश है। न्यायालय ने केंद्र और राज्य सरकारों से स्पष्ट कहा है कि इस समस्या को अलग-अलग घटनाओं के रूप में नहीं, बल्कि राष्ट्रीय समस्या के रूप में देखा जाए। देश में सड़क दुर्घटनाओं की संख्या लगातार चिंता का विषय बनी हुई है। सड़क परिवहन और राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों के अनुसार भारत में हर वर्ष लगभग डेढ़ लाख से अधिक लोगों की सड़क दुर्घटनाओं में मृत्यु होती है। इनमें एक बड़ा हिस्सा उन दुर्घटनाओं का भी है जिनका कारण सड़कों पर घूमने वाले पशु होते हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने सुनवाई के दौरान सरकारी आंकड़ों का उल्लेख करते हुए कहा कि पशुओं के हमलों और उनसे जुड़े हादसों में प्रतिवर्ष लगभग 1300 से अधिक लोगों की जान चली जाती है। यह संख्या बताती है कि समस्या केवल स्थानीय नहीं बल्कि राष्ट्रीय स्तर की है। सबसे अधिक पशुजनित सड़क हादसों का सटीक राष्ट्रीय राज्यवार रिकॉर्ड अभी उपलब्ध नहीं है, क्योंकि अधिकांश राज्यों में इन्हें अलग श्रेणी में व्यवस्थित रूप से दर्ज नहीं किया जाता। फिर भी विभिन्न राज्यों के उपलब्ध आंकड़े समस्या की गंभीरता को उजागर करते हैं। ओडिशा में वर्ष 2022 से 2024 के बीच लावारिस पशुओं से जुड़े 3023 सड़क हादसे दर्ज किए गए। मध्य प्रदेश में पिछले दो वर्षों में 237 दुर्घटनाओं में 94 लोगों की मृत्यु हुई। यह केवल दर्ज मामलों का आंकड़ा है, जबकि अनेक दुर्घटनाएं सामान्य सड़क हादसों के रूप में दर्ज हो जाती हैं। यह समस्या केवल महानगरों तक सीमित नहीं है। दिल्ली, जयपुर, भोपाल, अहमदाबाद, लखनऊ, कानपुर, इंदौर, नागपुर, पटना और चंडीगढ़ जैसे शहरों में अक्सर सांडों और गायों के झुंड मुख्य सड़कों पर बैठे दिखाई देते हैं। राष्ट्रीय राजमार्गों पर रात के समय सड़क पर बैठे पशु वाहन चालकों के लिए सबसे बड़ा खतरा बन जाते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में तो स्थिति और भी गंभीर है, जहां किसान दूध देना बंद कर चुके पशुओं को खुला छोड़ देते हैं और वे सड़कों पर विचरण करते रहते हैं। समस्या की जड़ केवल प्रशासनिक नहीं बल्कि सामाजिक भी है। जब तक पशु दूध देता है या खेती में उपयोगी रहता है, तब तक उसकी देखभाल की जाती है। जैसे ही वह आर्थिक रूप से अनुपयोगी हो जाता है, उसे सड़क पर छोड़ दिया जाता है। इससे पशु भी असुरक्षित होता है और आम नागरिक भी। सर्वोच्च न्यायालय ने बिल्कुल उचित टिप्पणी की है कि पशुपालकों की जिम्मेदारी केवल पशु पालने तक सीमित नहीं है बल्कि उसके पूरे जीवन की जिम्मेदारी भी उन्हीं की है। यदि वे उसकी देखभाल नहीं कर सकते तो उसे अधिकृत गौशाला या आश्रय गृह में सौंपना चाहिए, सड़क पर नहीं छोड़ना चाहिए। न्यायालय ने कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए हैं। सभी पशुओं की टैगिंग और डिजिटल पहचान सुनिश्चित की जाए ताकि मालिक की पहचान हो सके। प्रत्येक नगर निकाय में नोडल अधिकारी नियुक्त किए जाएं। लावारिस पशुओं को पकड़कर आश्रय गृहों में भेजा जाए। जिन राज्यों में संबंधित कानून पहले से हैं, उनका सख्ती से पालन कराया जाए। सबसे महत्वपूर्ण बात यह कि सड़क हादसे के पीड़ितों को समयबद्ध मुआवजा देने की कानूनी व्यवस्था बनाई जाए। दरअसल, यह केवल सड़क सुरक्षा का मामला नहीं बल्कि संविधान के मूल दायित्वों से भी जुड़ा विषय है। संविधान का अनुच्छेद 48 राज्य को पशुधन संरक्षण का दायित्व देता है, जबकि अनुच्छेद 51(ए)(जी) प्रत्येक नागरिक को जीवों के प्रति करुणा रखने का कर्तव्य सौंपता है। लेकिन करुणा का अर्थ यह नहीं कि पशुओं को सड़कों पर खुला छोड़ दिया जाए। वास्तविक करुणा उनकी उचित देखभाल, भोजन, चिकित्सा और सुरक्षित आश्रय सुनिश्चित करने में है। सरकारों को अब इस समस्या पर तदर्थ कार्रवाई के बजाय दीर्घकालिक नीति बनानी होगी।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातःकिरण
पटना, सोमवार, 03 अगस्त, 2026

नशा मुक्ति युवा का विकसित भारत अभियान का आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा कार्यलय। जय प्रकाश महिला महाविद्यालय में भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय तथा भारत के तत्वावधान में आयोजित नशामुक्त युवा फॉर विकसित भारत अभियानह्न का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से देश के युवा शक्ति को संबोधित किया गया जिसमें महाविद्यालय के सेमिनार हॉल में स्वयंसेवकों एवं छात्राओं ने सक्रियता से भाग लिया। छात्राओं ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रधानमंत्री के संबोधन को सुनकर लाभान्वित हुए। यह कार्यक्रम प्राचार्या डॉ.किरण कुमारी एवं राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम पदाधिकारी डॉक्टर बिंदी कुमारी के संरक्षण मे किया गया। प्राचार्या ने संबोधन में कहा कि विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उपस्थित विद्यार्थियों को नशे से दूर रहकर स्वस्थ, अनुशासित एवं जिम्मेदार नागरिक बनने का आह्वान किया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को ड्रग्स एवं अन्य नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें नशा मुक्त भारत के निर्माण के लिए प्रेरित एवं संगठित करना था। कार्यक्रम में महाविद्यालय परिवार के शिक्षक डॉ. रेखा श्रीवास्तव, मनीषा कुमारी, डॉ नमिता किशोर कर्मचारी ओम प्रकाश उपस्थित रहे। छात्राओं में अनुष्का कुमारी ,काजल कुमारी ,खुशी कुमारी सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने कार्यक्रम में सहभागिता करते हुए नशा मुक्त भारत के निर्माण का संकल्प एवं शपथ लेकर कार्यक्रम का समापन किया।

सारण के टॉप 10 में शामिल कुख्यात अपराधी अशोक पाण्डेय हुआ गिरफ्तार

छपरा सदर। दरियापुर थाना पुलिस एवं एस०टी०एफ० टीम के संयुक्त अभियान में हत्या एवं आर्म्स एक्ट के कांड में जिले के टॉप-10 में शामिल कुख्यात अपराधी अशोक पाण्डेय उर्फ अशोक शुक्ला को गिरफ्तार कर लिया गया है। उक्त जानकारी सारण के एस एस पी विनीत कुमार के द्वारा दी गई है। गौरतलब है कि वरीय पुलिस अधीक्षक, सारण के निर्देश पर सारण जिलान्तर्गत अपराध के मुख्य शीर्षों में वांछित / फिरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में प्राप्त गुप्त सूचना के आधार पर दरियापुर थाना पुलिस टीम के द्वारा छापामारी कर दरियापुर थाना कांड संख्या-441/25 के अभियुक्त अशोक पाण्डेय उर्फ अशोक शुक्ला, पिता-कमला पाण्डेय उर्फ कमला शुक्ला, थाना-दरियापुर, जिला-सारण को गिरफ्तार किया गया है। उक्त अपराधी का जिले के विभिन्न थानों में आधा दर्जन से अधिक कांड दर्ज है।

सारण में मखाना क्रांति की शुरूआत, जलालपुर में 25 एकड़ खेत का निरीक्षण कर किसानों को किया गया प्रोत्साहित

जिला उद्यान विभाग की पहल रंग लाई, मखाना उत्पादन बढ़ाकर किसानों की आय दोगुनी करने की तैयारी

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा । सारण जिले में मखाना उत्पादन को बढ़ावा देने की दिशा में जिला प्रशासन और उद्यान विभाग की पहल अब धरातल पर आकार लेने लगी है। जिला पदाधिकारी वैभव श्रीवास्तव के निर्देश पर रविवार को जलालपुर प्रखंड के मंगोलापुर गांव में चयनित कृषक के लगभग 25 एकड़ क्षेत्र में तैयार मखाना फसल का स्थल निरीक्षण किया गया। अधिकारियों ने खेत का भ्रमण कर वैज्ञानिक एवं आधुनिक तकनीकों के माध्यम से बेहतर उत्पादन के लिए किसानों को आवश्यक मार्गदर्शन दिया। निरीक्षण के दौरान मखाना फसल की वर्तमान स्थिति, पोषण प्रबंधन, जल प्रबंधन, कीट एवं रोग नियंत्रण सहित उत्पादन बढ़ाने से जुड़े विभिन्न तकनीकी पहलुओं की विस्तार से समीक्षा की गई। अधिकारियों ने किसानों को विभागीय योजनाओं का लाभ उठाते हुए मखाना की खेती का रकबा बढ़ाने और आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। जिला उद्यान पदाधिकारी सुधीर कुमार तिवारी ने बताया कि सारण की भौगोलिक परिस्थितियों को देखते हुए पिछले कई वर्षों से जिले में मखाना उत्पादन को बढ़ावा देने के प्रयास किए जा रहे थे, जो अब सफल होते दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि मखाना एक उच्च मूल्य की नगदी फसल है, जिससे किसानों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि हो सकती है। विभाग किसानों को तकनीकी मार्गदर्शन, प्रशिक्षण और विभिन्न योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराने के लिए लगातार कार्य कर रहा है। उन्होंने जिले के अधिक से अधिक किसानों से मखाना उत्पादन अपनाने तथा विभागीय योजनाओं का लाभ लेकर अपनी आय बढ़ाने की अपील की। निरीक्षण के दौरान जिला उद्यान पदाधिकारी के साथ जलालपुर के प्रखंड उद्यान पदाधिकारी, प्रखंड कृषि पदाधिकारी तथा संबंधित विभागों के अन्य अधिकारी एवं कर्मी भी उपस्थित थे ।

संक्षिप्त खबरें

ज्ञान गंगा जीके जीएस प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

पानापुर (सारण) रविवार को थानाक्षेत्र के भोरहां में उत्क्रमित मध्य विद्यालय भोरहां के प्रांगण में ज्ञान गंगा जीके जीएस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। भोरहां,जीपुरा,महम्मपुर, रामपुर रुद्रा सहित दर्जनों गांवों के छात्र छात्राओं ने भाग लिया ।जिसमें दस टांप विद्यार्थियो का चयन किया गया। सूरज कुमार ने प्रथम,सुफिया प्रविण द्वितीय, प्रियंका कुमारी तृतीय,अनु कुमारी चतुर्थ,पूजा कुमारी पंचम,शिवम कुमार छठा,खुशी कुमारी सातवां, रंजन कुमार आठवां, कुन्दन कुमार नवां तथा रेशमी कुमारी को दसवां स्थान प्राप्त हुआ ।सभी सफल छात्र छात्राओं को स्थानीय जिला पार्षद रत्नेश भास्कर, सुरेन्द्र महतो,आरती देवी ने पुरस्कार स्वरूप कप,नगदी तथा बैग आदि दिया गया। इससे पहले प्रतियोगिता के उद्घाटन के मौके पर जिला पार्षद रत्नेश कुमार भास्कर ने कहा कि इस तरह का आयोजन ग्रामीण प्रतिभा को निखारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है ।छोटे छोटे प्रतियोगिता ही बड़े मंच की तैयारी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है ।मौके शिक्षक अभिमन्यु सिंह,प्रविण कुमार ओझा तथा आयोजक मंडल में सदस्य मोहम्मद वसीम, मिथलेश कुमार तथा आकाश कुमार उपस्थित थे।

60 लीटर देश शराब के साथ एक शराब तस्कर गिरफ्तार

परसा। बिहार में पूर्ण शराबबंदी के बावजूद शराबतस्करों द्वारा शराब लगातार शराब तस्करी की जा रही है इसी क्रम में गुप्त सूचना के आधार पर परसा पुलिस ने थाना क्षेत्र के परसा शंकरडीह छापेमारी कर 60 लीटर देशी शराब के साथ एक शराब तस्कर को गिरफ्तार कर उत्पाद अधिनियम नियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर रविवार को छपरा व्यवहार न्यायालय भेज दिया. गिरफ्तार शराब तस्कर परसा शंकरडीह निवासी चंदेश्वर माझी का पुत्र जितेंद्र मांझी बताया जाता है.

26 अगस्त को छपरा में होगा भव्य जश्न-ए-ईद मिलादुन नबी, ऐतिहासिक आयोजन की तैयारियां तेज

छपरा। इस्लाम धर्म के अंतिम पैगंबर हजरत मोहम्मद मुस्तफा (सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम) के यौमे विलादत (जश्न-ए-ईद मिलादुन नबी) के अवसर पर आयोजित होने वाले मुख्य समारोह की तैयारियां तेज हो गई हैं। आगामी 26 अगस्त को जिले के प्रमुख धार्मिक एवं शैक्षणिक संस्थान दारुल उलूम नईमिया, जामा मस्जिद, साहेबगंज (छपरा) में आयोजित होने वाले भव्य जलसे को ऐतिहासिक एवं यादगार बनाने के उद्देश्य से रविवार को आयोजन समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक के बाद मौलाना नेसार अहमद मिस्बाही, प्रिंसिपल मौलाना हामिद रजा, कारी रेयाजुद्दीन, मुर्शिद आलम अमजदी, राहतुन नईम, अजमेरी नईम, वजीर अहमद एवं फैयाज आलम ने संयुक्त रूप से बताया कि इस वर्ष का जश्न-ए-ईद मिलादुन नबी धार्मिक गरिमा, सादगी और सौहार्दपूर्ण वातावरण में भव्य रूप से आयोजित किया जाएगा। आयोजन समिति ने समारोह को ऐतिहासिक स्वरूप देने का संकल्प लिया है तथा सभी लोगों से इसे शांति, अनुशासन और भाईचारे के साथ मनाने की अपील की है। बैठक में निर्णय लिया गया कि जलसे में देश के प्रतिष्ठित उलेमा-ए-किराम, प्रसिद्ध मुकर्रिर (धार्मिक प्रवक्ता) और शायर-ए-इस्लाम को आमंत्रित किया जाएगा। ये विद्वान हजरत मोहम्मद (सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम) के जीवन, उनके आदर्शों, मानवता, अमन, भाईचारे, समानता और इंसानियत के संदेश पर प्रकाश डालेंगे तथा इस्लाम की वास्तविक शिक्षाओं से लोगों को अवगत कराएंगे। आयोजन समिति ने बताया कि ईद मिलादुन नबी के अवसर पर जिले की मस्जिदों, मदरसों और घरों को आकर्षक ढंग से सजाया जाएगा। रात्रि में धार्मिक जलसे का आयोजन होगा, जबकि अगले दिन फज्र की नमाज के बाद परंपरागत जुलूस-ए-मोहम्मदी निकाला जाएगा।

जगदम कॉलेज में नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान का आयोजन

राजेन्द्र कॉलेज में हुआ नशामुक्त युवा फॉर विकसित भारत-संकल्प कार्यक्रम

छपरा कार्यालय। राजेंद्र कॉलेज, छपरा में भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय तथा के माध्यम से संचालित किए जा रहे नशामुक्त युवा फॉर विकसित भारत-संकल्प अभियानह्न कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर माननीय प्रधानमंत्री द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये सम्बोधन एवं डॉक्युमेंट्री कार्यक्रम प्रोजेक्टर पर महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं को दिखाया गया और नशा मुक्ति का संकल्प दिलाया गया। कार्यक्रम के संदर्भ में प्राचार्य प्रो० (डॉ०) संजय कुमार ने अपने संदेश में छात्र-छात्राओं से नशामुक्ति के प्रति जागरूक रहने, अपने परिवार, आसपास में जागृति फैलाने तथा सशक्त समाज व विकसित राष्ट्र के निर्माण में अपना सार्थक योगदान देने की अपील की। कार्यक्रम के आरम्भ में रासेयो कार्यक्रम पदाधिकारी द्वय डॉ. ऋचा मिश्रा एवं डॉ. बी. एस. साहू ने आगामी दो वर्षों तक प्रत्येक रविवार को आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम के बारे में छात्र-छात्राओं को अवगत कराया साथ ही इस राष्ट्रीय मुहिम में उत्साहपूर्वक भाग लेने, स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहते हुए हर तरह के नशे से मुक्त एवं बेहतर समाज निर्माण में अपना योगदान देने की अपील की। इस अवसर पर प्राचार्य प्रतिनिधि के रूप में डॉ० अर्चना उपाध्याय ने दो वर्ष तक सतत चलने वाले इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में सक्रिय रहने एवं स्वस्थ तथा सशक्त भारत के निर्माण में योगदान देने का आग्रह किया। इसी क्रम में भूगोल विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ० प्रत्यूष सिंह ने छात्र-छात्राओं को स्वास्थ्य के जागरूक रहते हुए अपने सपनों को साकार करने हेतु परिश्रम करते रहने हेतु प्रेरित किया। इस अवसर पर जिला प्रशासन की ओर से जय प्रकाश महतो (जिला बीस सूत्रीय सदस्य, सारण) कुमारी मीरा वर्मा (श्रम अधीक्षक, छपरा) की विशेष उपस्थिति रही। वहीं एन.एस.एस. के स्वयं सेवकों एवं महाविद्यालय में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं में रॉबिन सिंह, चाँदनी कुमारी, प्रीति कुमारी, जुली कुमारी, रूही राज, मौली मिश्रा, प्रियंका कुमारी, नेहा कुमारी, लक्ष्मी कुमारी, खुशी कुमारी, आदित्य प्रकाश, शिवम कुमार, रिंकी कुमारी, सत्या कुमारी सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं एवं महाविद्यालयीन कर्मचारियों की उत्साहपूर्ण सक्रिय सहभागिता रही।

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय। जगदम कॉलेज में नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत - संकल्प अभियान के तहत माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के संबोधन की लाइव स्क्रीनिंग का आयोजन जिला पदाधिकारी वैभव श्रीवास्तव, जिला शिक्षा पदाधिकारी निशांत किरण, वरीय पुलिस अधीक्षक (SSP) विनीत कुमार, कॉलेज के प्राचार्य प्रो. (डॉ) के पी श्रीवास्तव तथा अन्य गणमान व्यक्तियों की मौजूदगी में किया गया। पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए कॉलेज के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) के.पी. श्रीवास्तव ने अतिथियों को स्मृति चिह्न के रूप में पौधे भेंट कर उनका अभिनंदन किया। कार्यक्रम की शुरूआत सरस्वती वंदना से हुई और जिला पदाधिकारी वैभव श्रीवास्तव ने स्वयं आगे बढ़कर सभागार में उपस्थित सभी प्राध्यापकों, एनसीसी कैडेटों और एनएसएस स्वयंसेवकों को अपने जीवन, परिवार और पूरे समाज को ड्रग्स तथा अन्य नशीले पदार्थों से मुक्त रखने की सामूहिक शपथ दिलाई। जगदम कॉलेज के मुख्य सभागार में राष्ट्रीय कैडेट कोर (NCC) और राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) के संयुक्त तत्वावधान में इस मेगा स्क्रीनिंग कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य देश की युवा शक्ति को नशे की सामाजिक बुराई से बचाकर राष्ट्र निर्माण में भागीदार बनाना है। कार्यक्रम में कॉलेज के छात्र-छात्राओं, एनसीसी कैडेटों एनएसएस स्वयंसेवकों, विशेश्वर सेमिनरी के स्काउट और गाइड कैडेट्स ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना की दोनों इकाइयों के कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ राजीव कुमार गुप्ता एवं डॉ राजश्री सिंह, डॉ अनमोल ठाकुर, डॉ धनंजय कुमार सिंह, डॉ अमृत कुमार, डॉ दिव्यांशी श्रीवास्तव, अजय कुमार, प्रेम कुमार, विशेष आदि उपस्थित रहें। अपने वर्चुअल संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्पष्ट रूप से कहा कि देश के युवा ही अपनी उर्जा, कल्पना शक्ति और टैलेंट से साल 2047 तक देश को विकसित भारत की मंजिल तक ले जाएंगे। देश को महाशक्ति और विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प तभी पूरा होगा, जब देश की युवा पीढ़ी मानसिक और शारीरिक रूप से पूरी तरह स्वस्थ हो। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे न केवल खुद को नशे से दूर रखें, बल्कि समाज में भी लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक करने का काम करें। प्रधानमंत्री ने नशा मुक्त भारत अभियान की शुरूआत करते हुए अपने संदेश में कहा कि आने वाले 100 रविवार नशा मुक्त भारत की दिशा में 100 मजबूत कदम होंगे। प्रधानमंत्री ने इस 100 हफ्तों के राष्ट्रव्यापी अभियान (खंल्ला ईंश्चि टङ्क्षील्ल३) में युवाओं से ह्यमाय भारतह्न (ट ईं१३) प्लेटफॉर्म के माध्यम से बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री के संबोधन के बाद सभागार में मौजूद सभी ने राष्ट्रगीत गाया और कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान से हुआ। जगदम कॉलेज के प्राचार्य ने इस सफल आयोजन के लिए जिला प्रशासन, एनसीसी और एनएसएस इकाइयों का आभार व्यक्त किया और कहा कि यह अभियान कॉलेज के छात्रों के जीवन को एक सकारात्मक दिशा देने में मील का पत्थर साबित होगा।

न्यायालय कर्मियो ने पूर्व के मांगो को लेकर धरना प्रदर्शन करने का लिया निर्णय

छपरा। 9 अगस्त को पटना में लंबित मांगों को लेकर न्यायालय कर्मचारियों ने विशाल आम सभा करने का निर्णय लिया है। बिहार राज्य व्यवहार न्यायालय कर्मचारी संघ के अध्यक्ष राजेश्वर तिवारी ने कहा कि आम सभा में सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों के अनुरूप शेट्टी आयोग की अनुशंसाओं का पूर्ण क्रियान्वयन, 1 जनवरी 2006 के प्रभाव से वेतन पुनरीक्षण, वेतन विसंगतियों का निराकरण, समान कार्य के लिए समान वेतन, कालबद्ध एवं नियमित पदोन्नति, रिक्त पदों पर पदोन्नति, कैडर पुनर्गठन, नए प्रोन्नति पदों का सृजन, सेवा शर्तों में सुधार, अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति तथा अन्य लंबित न्यायोचित मांगों पर चर्चा कर आगे की रणनीति तय की जाएगी। न्यायालय कर्मचारियों की ये मांगें वर्षों से लंबित हैं, जबकि न्यायिक व्यवस्था का बढ़ता दायित्व लगातार कर्मचारियों के कंधों पर डाला जा रहा है। संगठन का मानना है कि कर्मचारियों के सेवा हितों से जुड़े मामलों का शीघ्र समाधान न्यायिक व्यवस्था को अधिक प्रभावी एवं सुदृढ़ बनाने के लिए आवश्यक है न्यायालयों में डिजिटलीकरण लागू होने के बावजूद अधिकांश स्थानों पर कंप्यूटर, प्रिंटर, यूपीएस, इंटरनेट और कागज जैसी मूलभूत सुविधाओं का अभाव बना हुआ है। अनेक न्यायालयों में कर्मचारियों के लिए पर्याप्त टेबल-कुर्सियां, सुरक्षित अभिलेखागार, स्वच्छ शौचालय और पेयजल जैसी बुनियादी सुविधाएं भी उपलब्ध नहीं हैं। इसके बावजूद न्यायिक कार्यों के समयबद्ध निष्पादन तथा केस इन्फॉर्मेशन सिस्टम (सीआईएस) के नियमित अद्यतन की संपूर्ण जवाबदेही कर्मचारियों पर ही निर्धारित की जाती है। कई न्यायालयों में महत्वपूर्ण न्यायिक अभिलेखों के सुरक्षित रख-रखाव की समुचित, व्यवस्था नहीं है और अभिलेखों को मजबूरी में फर्श पर रखना पड़ता है। यदि किसी दस्तावेज से संबंधित कोई समस्या उत्पन्न होती है तो उसका उत्तरदायित्व भी कर्मचारियों पर ही तय कर दिया जाता है। महासचिव सत्यार्थ सिंह ने राज्य के सभी न्यायिक कर्मचारियों से 9 अगस्त को पटना में आयोजित विशाल आम सभा में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने की अपील की है। उन्होंने कहा कि यह आम सभा कर्मचारियों की लंबित मांगों पर सामूहिक निर्णय लेने तथा संगठन की आगामी रणनीति तय करने की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण होगी।

चिरांद के अयोध्या मंदिर परिसर में सैकड़ों महोगनी पौधों का रोपण, विद्यार्थियों ने लिया पर्यावरण संरक्षण का संकल्प

प्रात : किरण संवाददाता

डोरीगंज (सारण)। पर्यावरण संरक्षण मिशन, छपरा के तत्वावधान में रविवार को ऐतिहासिक चिरांद स्थित अयोध्या मंदिर परिसर में वृहद वृक्षारोपण अभियान चलाया गया। अभियान के तहत सैकड़ों महोगनी के पौधे लगाए गए। कार्यक्रम में मध्य विद्यालय, चिरांद के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए पौधों के संरक्षण का संकल्प लिया। इस अभियान में चिरांद विकास परिषद एवं गंगासमग्र उत्तर बिहार की भी सक्रिय सहभागिता रही। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शहर के प्रख्यात हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. राजीव रंजन सिंह ने कहा कि पर्यावरण की रक्षा केवल पौधे लगाने से नहीं, बल्कि प्लास्टिक के उपयोग को कम करने, सूखे एवं गीले कचरे का पृथक्करण तथा स्वच्छ जीवनशैली अपनाने से भी संभव है। उन्होंने बच्चों से प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी निभाने का आह्वान किया। चिरांद विकास परिषद के सचिव श्रीराम तिवारी ने पर्यावरण, तालाबों और नदियों के संरक्षण की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जलस्त्रोतों की सुरक्षा आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य की आधारशिला है। वहीं इंजीनियर अमरेश मिश्रा ने आहर-पइन जैसी पारंपरिक जल संरचनाओं के संरक्षण तथा भू-जल स्तर बढ़ाने के उपायों पर विस्तार से जानकारी दी। मध्य विद्यालय के प्रधानाध्यापक चंद्रभूषण ने विद्यार्थियों से प्रत्येक वर्ष कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल करने का संकल्प लेने की अपील की।कार्यक्रम में सहायक शिक्षक प्रभू साह, स्वामी दिव्यात्मानंद जी महाराज, मंदिर के पुजारी बबुआ जी महाराज, अविनाश कुमार सिंह, प्रीतम सोनी, संदीप कुमार, अविनाश कुमार, राजकिशोर प्रसाद, चंदन भक्त तथा कमलाकांत सिंह सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। पूरे कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागरूकता का संदेश गूंजता रहा और उपस्थित लोगों ने अधिक से अधिक पौधे लगाने एवं उनकी देखभाल करने का संकल्प लिया।

स्कॉर्पियो की टक्कर से बाइक सवार की मौत, दो ग्रामीण घायल, चालक माने गांव के समीप वाहन छोड़कर फरार

छपरा/एकमा। एकमा थाना क्षेत्र में स्थित छपराझसीवान मुख्य मार्ग (एनएच-531) पर नगर पंचयात एकमा बाजार स्थित अलख नारायण सिंह उच्च विद्यालय के समीप शनिवार देर शाम हुए भीषण सड़क हादसे में बाइक सवार एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि सड़क किनारे बैठे दो ग्रामीण स्कॉर्पियो की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद स्कॉर्पियो चालक माने गांव के समीप वाहन छोड़कर फरार हो गया। सूचना पर पहुंची एकमा थाना पुलिस ने वाहन को जब्त कर थाने ले आई है। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान सिवान जिले के दारौंदा थाना क्षेत्र के पांडेपुर गांव निवासी अमलेश प्रसाद (45) के रूप में हुई है। वह अपनी टीवीएस एक्सएल मोपेड से छपरा की ओर से अपने घर महाराजगंज लौट रहे थे। इसी दौरान सिवान की ओर से तेज रफ्तार और अनियंत्रित स्कॉर्पियो ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। हादसे के दौरान सड़क किनारे बैठे हंसराजपुर गांव निवासी चाय दुकान संचालक उपेन्द्र सिंह (45) तथा मुर्गी फार्म संचालक संतोष सिंह (48) भी स्कॉर्पियो की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों का प्राथमिक उपचार एक निजी क्लीनिक में कराया गया, लेकिन स्थिति गंभीर होने पर रविवार को उन्हें एकमा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। वहां ड्यूटी पर तैनात डॉ. इरफान अहमद ने प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए दोनों को सदर अस्पताल, छपरा रेफर कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही शनिवार रात एकमा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, छपरा भेज दिया। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी। बाद में माने गांव के समीप लावारिस हालत में खड़ी स्कॉर्पियो को बरामद कर जब्त कर लिया गया। पुलिस चालक की पहचान के लिए आसपास के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाल रही है। रविवार को मृतक की पत्न ी सुभावती देवी ने एकमा थाना में आवेदन देकर स्कॉर्पियो के पंजीकरण संख्या के आधार पर फरार चालक के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की मांग की। एकमा थानाध्यक्ष रामबालक यादव ने बताया कि मृतक की पत्नी के आवेदन के आधार पर वाहन पंजीकरण संख्या के अनुसार प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है।

5 अगस्त से पहले कराएं e-KYC, अन्यथा गैस सिलेंडर मिलने में हो सकती है परेशानी

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। पेट्रोलियम मंत्रालय एवं भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड के निदेशानुसार भारत गैस के सभी उपभोक्ताओं के लिए 15 अगस्त 2026 से पहले e-KYC (इलेक्ट्रॉनिक नो योर कस्टमर) कराना अनिवार्य कर दिया गया है। निर्धारित अवधि के भीतर e-KYC नहीं कराने वाले उपभोक्ताओं को भविष्य में गैस सिलेंडर की आपूर्ति एवं अन्य सेवाओं के लाभ प्राप्त करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। ओम एंटरप्राइजेज भारत गैस के संचालक अभिषेक सिंह ने उपभोक्ताओं से समय रहते e-KYC कराने की अपील करते हुए कहा, पेट्रोलियम मंत्रालय के निदेशानुसार सभी भारत गैस उपभोक्ताओं का ी-ङ उ कराया जा रहा है। इसका उद्देश्य वास्तविक और पात्र उपभोक्ताओं की पहचान सुनिश्चित करना, फर्जी एवं डुप्लीकेट कनेक्शनों पर रोक लगाना तथा एलपीजी वितरण व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और सुरक्षित बनाना है। इसलिए सभी उपभोक्ता 15 अगस्त से पहले अपनी ी-ङ उ अवश्य पूरी करा लें। उन्होंने कहा कि ह्निर्धारित समय सीमा के बाद जिन उपभोक्ताओं का e-KYC पूरा नहीं होगा, उन्हें गैस सिलेंडर प्राप्त करने या अन्य उपभोक्ता सेवाओं का लाभ लेने में परेशानी हो सकती है। उन्होंने कहा कि समय की भीड़ से बचते हुए अभी से प्रक्रिया पूरी कर लेना ही बेहतर होगा। अभिषेक सिंह ने बताया कि e-KYC की प्रक्रिया पूरी तरह निःशुल्क है। इसके लिए उपभोक्ताओं को केवल अपना आधार कार्ड और पंजीकृत मोबाइल नंबर लेकर ओम एंटरप्राइजेज भारत गैस कार्यालय अथवा अधिकृत ी-ङ उ केंद्र पर पहुंचना होगा। वहां कुछ ही मिनटों में बायोमेट्रिक अथवा ओटीपी के माध्यम से ी-ङ उ की प्रक्रिया पूरी कर दी जाएगी। उन्होंने यह भी कहा, e-KYC का मुख्य उद्देश्य उपभोक्ताओं के रिकॉर्ड को आधार से सत्यापित करना, सरकारी योजनाओं का लाभ सही व्यक्ति तक पहुंचाना, गैस वितरण प्रणाली में पारदर्शिता लाना तथा भविष्य में किसी भी प्रकार की तकनीकी या पहचान संबंधी समस्या से उपभोक्ताओं को बचाना है। भारत गैस के सभी एजेंसीयों ने सभी उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे इसे केवल औपचारिकता न समझें, बल्कि अपनी गैस सेवा को निर्बाध बनाए रखने के लिए आवश्यक प्रक्रिया के रूप में प्राथमिकता दें। किसी भी प्रकार की जानकारी या सहायता के लिए उपभोक्ता अपने नजदीकी भारत गैस वितरक कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं। एजेंसी ने स्पष्ट किया है कि समय पर e-KYC कराने से उपभोक्ताओं को भविष्य में गैस आपूर्ति और अन्य सेवाओं का लाभ बिना किसी बाधा के मिलता रहेगा।

क्या मेरा दूध मेरे बच्चे के लिए काफी है : गांव की चौपाल में माताओं ने खोले मन के सवाल, वैज्ञानिक जवाबों ने बदली सोच

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। मेरे पड़ोस में जुड़वा बच्चे हुए हैं। लोग कहते हैं कि मां का दूध पर्याप्त नहीं होता, इसलिए डिब्बे का दूध देना पड़ता है...। बैठक में यह सवाल जैसे ही एक महिला ने रखा, वहां मौजूद अन्य महिलाओं ने भी अपनी-अपनी शंकाएं सामने रखनी शुरू कर दीं। किसी ने पूछा कि सर्दी-खांसी होने पर क्या बच्चे को स्तनपान कराना चाहिए?, तो किसी ने कहा कि स्तनपान कराने से महिलाओं का शरीर खराब हो जाता है। वहीं कुछ महिलाओं ने यह भी बताया कि गांव में आज भी कई लोग मानते हैं कि यदि मां बैंगन, कटहल या मछली खा ले तो बच्चे के शरीर पर दाने निकल आते हैं। ये सवाल किसी किताब के नहीं, बल्कि सारण जिले के रिविलगंज प्रखंड के ढेल्हारी और नटवर सेमरिया गांव में आयोजित एक सामुदायिक बैठक के दौरान महिलाओं द्वारा उठाए गए वास्तविक सवाल थे। विश्व स्तनपान सप्ताह के तहत आयोजित इस बैठक में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने न केवल इन मिथकों का वैज्ञानिक आधार पर जवाब दिया, बल्कि महिलाओं को यह भी समझाया कि सही जानकारी ही स्वस्थ मां और स्वस्थ बच्चे की सबसे बड़ी कुंजी है। गांव की चौपाल बनी स्वास्थ्य संवाद का मंच शनिवार को आयोजित इस बैठक में दर्जनों महिला और पुरूषों ने भाग लिया। बैठक का नेतृत्व सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ) वंदना पाल ने किया। उनके साथ जीविका की सीएम प्रीति कुमारी, बीके विधा शंकर प्रसाद तथा एएनएम मीना, सीफार के रिजनल प्रोग्राम कॉर्डिनेटर गनपत आर्यन, सीफार के प्रोग्राम एसोसिएट कृष्णा सिंह भी मौजूद थे। बैठक की शुरूआत स्तनपान के महत्व पर चर्चा से हुई, लेकिन जैसे-जैसे संवाद आगे बढ़ा, महिलाओं ने बिना किसी झिझक के अपने मन में वर्षों से बैठे सवाल और पारिवारिक मान्यताओं को साझा करना शुरू कर दिया। पहले घंटे का दूध ही बच्चे का पहला टीका है सीएचओ वंदना पाल ने महिलाओं को बताया कि बच्चे के जन्म के बाद पहला एक घंटा सबसे महत्वपूर्ण होता है। इसी दौरान मां को नवजात को स्तनपान कराना चाहिए। उन्होंने कहा कि जन्म के बाद निकलने वाला गाढ़ा पीला दूध, जिसे कई लोग आज भी गलतफहमी में फेंक देते हैं, वास्तव में कोलोस्ट्रम होता है। यह बच्चे का पहला प्राकृतिक टीका है, जो उसे कई गंभीर संक्रमणों से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने महिलाओं को यह भी बताया कि छह महीने तक बच्चे को केवल मां का दूध देना चाहिए। इस दौरान पानी, शहद, घुट्टी या कोई अन्य खाद्य पदार्थ देने की आवश्यकता नहीं होती। जब महिलाओं ने साझा किए अपने अनुभव बैठक का सबसे भावनात्मक क्षण तब आया जब दो धात्री महिलाओं ने अपने अनुभव साझा किए।

मशरूम फार्म पर फरसा लेकर पहुंचे पड़ोसी, महिला की उंगली कटी, सोने की चेन छीनने का आरोप

प्रात : किरण संवाददाता

दरियापुर (सारण)। दरियापुर थाना क्षेत्र के घोरूहूँ कोठियाँ गांव स्थित एक मशरूम फार्म पर रविवार को हुए विवाद में एक महिला घायल हो गई। फार्म संचालक नागेन्द्र कुमार साहनी ने पड़ोसी नरेन्द्र साहनी उर्फ मुन्ना साहनी एवं अन्य लोगों पर फरसा से हमला करने, मारपीट करने तथा उनकी पत्नी के गले से सोने की चेन छीनने का आरोप लगाते हुए थाने में आवेदन दिया है। दिए गए आवेदन के अनुसार, रविवार को करीब 11:17 बजे नागेन्द्र कुमार साहनी अपने नंदिनी एग्रो ग्रुप मशरूम फार्म में कार्य कर रहे थे। इसी दौरान पड़ोसी नरेन्द्र साहनी उर्फ मुन्ना साहनी फरसा लेकर वहां पहुंचे और गाली-गलौज करते हुए हमला कर दिया। आरोप है कि फरसा के वार से नागेन्द्र साहनी की पत्नी माला कुमारी की उंगली कट गई और उन्हें गंभीर चोटें आईं। पीड़ित ने आरोप लगाया है कि जब उन्होंने बीच-बचाव का प्रयास किया तो हमलावरों के साथ आए अन्य लोगों ने उन्हें पकड़कर जमीन पर पटक दिया और गर्दन दबाने लगे। इसी दौरान नरेन्द्र साहनी द्वारा उनकी पत्नी के गले से सोने की चेन छीनकर भाग जाने का भी आरोप लगाया गया है। घटना के दौरान शोर सुनकर परिजन मौके पर पहुंचे और किसी तरह बीच-बचाव कर दोनों को बचाया। आवेदन में कहा गया है कि हमले में प्रयुक्त फरसा को सुरक्षित रखा गया है, जिसे जांच के दौरान पुलिस को सौंपा जाएगा। घायल महिला का उपचार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, दरियापुर में कराया गया। नागेन्द्र साहनी ने अपने आवेदन में यह भी उल्लेख किया है कि आरोपी पूर्व में भी उनके मशरूम फार्म के विरुद्ध कई बार आवेदन देकर प्रताड़ित करते रहे हैं। उन्होंने घटना से संबंधित वीडियो, फोटो एवं अन्य दस्तावेज होने का दावा किया है।

विगत 24 घंटे में टॉप-10 के 01 वांछित सहित 31 अभियुक्त किये गये गिरफ्तार

छपरा सदर। सारण के वरीय पुलिस अधीक्षक विनीत कुमार द्वारा दिये गये निर्देश के आलोक में असामाजिक तत्वों तथा अपराधकर्मियों की गिरफ्तारी एवं शराब के सेवन, बिक्री, भंडारण, निर्माण और परिवहन आदि पर पूर्ण रूप से पाबंदी लगाने तथा देशी शराब भट्टी ध्वस्त करने हेतु कार्रवाई को दृष्टिगत रखते हुए 1 अगस्त को विशेष अभियान चलाया गया। इस अभियान में कुल-31 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया, जिसमें शराब सेवन में 12, वारंट में 7,शराब कारोबार में 6,हत्या के प्रयास में 1,चोरी में 1, अपहरण में 1, खनन में 1, हत्या में , एस सी एस टी एक्ट में 1 अभियुक्त शामिल है। अपराध नियंत्रण एवं यातायात सुरक्षा के दृष्टिकोण से कुल-35 वाहनों से 56,000 रूपए जुमार्ना राशि वसूली गई। साथ ही जिला अंतर्गत कुल शराब-62 लीटर तथा एक अपहृता बरामद की गई।

श्री कृष्ण जन्मोत्सव पांच दिवसीय कार्यक्रम 4 सितंबर से

छपरा कार्यालय। स्थानीय महर्षि दधीचि आश्रम उमानाथ मंदिर परिसर में आज एक आम सभा की बैठक हुई जिसमें सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि आगामी 4 सितंबर से श्री कृष्णा जन्मोत्सव एवं 19 सितंबर को महर्षि दधीचि जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा । मंदिर समिति के संयोजक अरुण पुरोहित ने बताया की लाखों रुपए की लागत से महर्षि दधीचि भगवान की मूर्ति जयपुर से आ गई है और 10 लाख रुपए की लागत से भव्य मंदिर बनाने का कार्य शुरू किया जाएगा। 19 सितंबर को महर्षि दधीचि के जन्मोत्सव कार्यक्रम में देश-विदेश से सैकड़ो लोग छपरा की धारा धरातल पर आकर उत्सव मनाएंगे।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com

संक्षिप्त खबरें

तेज रफ्तार वाहन की टक्कर से युवक की मौत, बड़ा भाई घायल

सिवान। दारौंदा थाना क्षेत्र के पांडेपुर गांव निवासी शनिवार की शाम एकमा बाजार करने गए थे तभी दर्दनाक सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि उसका बड़ा भाई गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। मिली जानकारी के अनुसार, पांडेपुर गांव निवासी अमलेश प्रसाद (पिता- बैजनाथ प्रसाद) अपने बड़े भाई के साथ शनिवार की शाम करीब सात बजे बाजार करने गए थे। इसी दौरान एक तेज रफ्तार वाहन ने दोनों को जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि अमलेश प्रसाद की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनके बड़े भाई गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने घायल को तत्काल इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। सूचना मिलने पर दारौंदा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए छपरा सदर अस्पताल भेज दिया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है तथा टक्कर मारने वाले वाहन की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। मृतक अपने पीछे पत्नी और तीन बच्चों को छोड़ गए हैं। हादसे की खबर मिलते ही परिवार में मातम छा गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव में भी शोक का माहौल बना हुआ है।

राजेंद्र पुल, मोकामा के समानांतर नये रेल पुल के अंतिम चरण में निर्माण कार्य

हाजीपुर। मोकामा के पास गंगा नदी पर मौजूदा राजेन्द्र पुल के समानांतर एक नये रेल पुल का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है तथा इससे होकर रेल परिचालन प्रारंभ करने के उद्देश्य से एनआई कार्य किया जाना प्रस्तावित है । इस कार्य हेतु दानापुर मंडल के राजेन्द्र पुल, उपरी हाथीदह जं, टाल जं, रामपुर डुमरा और सोनपुर मंडल में दिनकर ग्राम सिमरिया में राजेन्द्र पुल पर डबल लाइन सुविधा के साथ नए पुल को जोड़ने और दिनकर ग्राम सिमरिया-बरौनी जं. के मध्य मुख्य लाइन कनेक्शन को जोड़ने का कार्य हेतु प्री एनआई कार्य 21.09.2026 से प्रारंभ किया जा रहा है तथा 04.10.2026 को एनआई का यह कार्य पूर्ण होगा। इस अवधि के दौरान इस पुल से होकर गुजरने वाली कई ट्रेनों का परिचालन रद्द, कई ट्रेनों का परिचालन परिवर्तित मार्ग से तथा कई ट्रेनों का आंशिक समापन/प्रारंभ कर चलाया जाएगा । दिनांक 20.09.26 को 06 ट्रेन, 21.09.26 को 12 ट्रेन, 22.09.26 को 13 ट्रेन, 23.09.26 को 15 ट्रेन, 24.09.26 को 21 ट्रेन, 25.09.26 को 24 ट्रेन, 26.09.26 को 29 ट्रेन, 27.09.26 को 31 ट्रेन, 28.09.26 को 21 ट्रेन, 29.09.26 को 20 ट्रेन, 30.09.26 को 25 ट्रेन, 01.10.26 को 32 ट्रेन, 02.10.26 को 32 ट्रेन, 03.10.26 को 36 ट्रेन तथा 04.10.26 को 21 ट्रेनों का परिचालन रद्द रहेगा । इसी तरह उपरोक्त अवधि के दौरान कुल 384 ट्रेनों को परिवर्तित मार्ग से चलाया जाएगा जबकि 56 ट्रेनों का आंशिक समापन तथा 67 ट्रेनों का आंशिक प्रारंभ कर चलाया जाएगा । इन रद्द ट्रेनों का तिथिवार विवरण 1 के रूप में संलग्न किया जा रहा है। परिवर्तित मार्ग एवं आंशिक समापन/प्रारंभ का विवरण कल दिया जाएगा । विदित हो कि वर्तमान में मोकामा और बरौनी के बीच गंगा नदी पर स्थित 1.9 किमी लंबा रेल-सह-सड़क राजेन्द्र पुल का निर्माण वर्ष 1959 में किया गया था । मौजूदा राजेन्द्र पुल पर सिंगल लाइन है और कुछ तकनीकी बाधाओं के कारण इस पुल पर रेल लाइन का दोहरीकरण करना संभव नहीं है। वर्तमान पुल पर रेल परिचालन प्रारंभ होने के लगभग 60 सालों में यातायात में कई गुणा वृद्धि हुई है । इन्हीं आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए 2015-16 के रेल बजट में रुपए 1491.47 करोड़ की अनुमानित लागत से मोकामा के पास राजेन्द्र पुल के समानांतर एक नये रेल पुल के निर्माण की मंजूरी प्रदान की गयी थी। इसके उपरांत 12 मार्च, 2016 को इस पुल का शिलान्यास माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा किया गया था। यह नया पुल वर्तमान राजेन्द्र पुल के समानान्तर एवं पटना छोर की तरफ वर्तमान पुल से 50 मीटर की दूरी पर बनाया गया है । इस पुल पर दोहरी रेल लाइन का प्रावधान है । मुख्य पुल की लम्बाई करीब 1.9 किमी तथा एप्रोच लाइन सहित कुल लम्बाई 14 किमी है। इस पुरी परियोजना में गंगा नदी पर मुख्य पुल के साथ ही 09 लघु पुल, 02 सड़क उपरि पुल तथा 03 रेल ओवर रेल का निर्माण भी किया गया है । नये पुल की निर्माण योजना इस तरह बनायी गयी है कि वर्तमान पुल के एप्रोच में कम से कम परिवर्तन करना पड़े । निमार्णाधीन नये पुल के दोनों छोर के स्टेशन, वर्तमान पुल के दोनों छोर के स्टेशनों से ही जुड़े होंगे अर्थात वर्तमान में उत्तर में स्थित हाथीदह, टाल एवं रामपुर डुमरा स्टेशनों तथा दक्षिण में स्थित राजेन्द्रपुल तथा बरौनी स्टेशनों से जुड़े होंगे ।

पीएचडी कोर्स वर्क में शामिल होने से पहले शिक्षकों व कर्मचारियों को लेनी होगी अनुमति

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय आरा प्रशासन ने पीएचडी कोर्स वर्क-2026 में भाग लेने वाले शिक्षकों एवं कर्मचारियों के लिए नई व्यवस्था लागू कर दी है। विश्वविद्यालय ने स्पष्ट किया है कि बिना सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति तथा स्वीकृत अवकाश के कोई भी शिक्षक या कर्मचारी पीएचडी कोर्स वर्क में शामिल नहीं हो सकेगा। इस संबंध में कुलसचिव कार्यालय द्वारा 31 जुलाई 2026 को सभी स्नातकोत्तर विभागाध्यक्षों तथा अंगीभूत महाविद्यालयों के प्राचार्यों को विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। विश्वविद्यालय के विभागों और कॉलेजों में कार्यरत नियमित, संविदा (कॉन्ट्रैक्ट), आउटसोर्सिंग अथवा अन्य किसी भी श्रेणी के शिक्षक एवं कर्मचारी यदि पीएचडी कोर्स वर्क में भाग लेना चाहते हैं तो उन्हें पहले सक्षम प्राधिकारी से विधिवत अनुमति प्राप्त करनी होगी। केवल विभागीय अनुमति पर्याप्त नहीं मानी जाएगी, बल्कि कोर्स वर्क की पूरी अवधि के लिए स्वीकृत अवकाश लेना भी अनिवार्य होगा। विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभी प्राचार्यों एवं विभागाध्यक्षों को निर्देश दिया है कि वे अपने अधीन कार्यरत किसी भी शिक्षक या कर्मचारी को नियमों की अनदेखी कर कोर्स वर्क में शामिल न होने दें। यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी संबंधित विभागाध्यक्ष एवं प्राचार्य की होगी। यदि कोई कर्मचारी या शिक्षक बिना अनुमति अथवा अवकाश स्वीकृति के कोर्स वर्क में भाग लेता है तो इसकी जवाबदेही भी संबंधित स्तर पर तय की जा सकती है।आदेश में यह भी कहा गया है कि अनुमति एवं अवकाश स्वीकृत होने के बाद ही संबंधित कर्मचारी या शिक्षक को कोर्स वर्क की कक्षाओं में भाग लेने की अनुमति दी जाएगी। इसके अतिरिक्त पीएचडी कोर्स वर्क में भाग लेने वाले सभी शोधार्थियों की अद्यतन सूची कुलसचिव कार्यालय में उपलब्ध कराने का भी निर्देश दिया गया है, ताकि विश्वविद्यालय मुख्यालय में इसका आधिकारिक रिकॉर्ड सुरक्षित रखा जा सके।विश्वविद्यालय प्रशासन का मानना है कि इस व्यवस्था से शैक्षणिक एवं प्रशासनिक कार्यों में अनुशासन बना रहेगा और विभागों की नियमित गतिविधियां प्रभावित हुए बिना शोध कार्य भी सुव्यवस्थित ढंग से संचालित हो सकेंगे।

शाहपुर बाजार में शराब के नशे में हंगामा कर रहे दो गिरफ्तार

प्रात: किरण संवाददाता

शाहपुर। शाहपुर बाजार में रविवार को शराब के नशे में हंगामा कर रहे दो लोगों को डायल 112 की टीम ने गिरफ्तार कर लिया। दोनों की हरकत से बाजार में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया था। सूचना मिलने पर डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची और दोनों को हिरासत में लेकर शाहपुर थाना पहुंचाया। थाने में दोनों की जांच कराई गई, जिसमें शराब सेवन की पुष्टि होने के बाद बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई। पुलिस ने दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है। शाहपुर थानाध्यक्ष संतोष सिंह ने बताया कि बाजार में शराब के नशे में हंगामा करने की सूचना पर डायल 112 की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो लोगों को गिरफ्तार किया। उन्होंने बताया कि शराब पीकर सार्वजनिक स्थान पर हंगामा करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। साथ ही लोगों से अपील की कि ऐसी किसी भी घटना की जानकारी तत्काल पुलिस को दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके।

विवाद में युवक को पीटा

आरा। जिले के पीरो थाना क्षेत्र के मनैनी बाजार के समीप गाली-गलौज करने के विवाद को लेकर एक युवक की जमकर पिटाई कर दी गई। इससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। परिजन द्वारा उसे इलाज के लिए पीरो सीएचसी से सदर अस्पताल लाया गया। जानकारी के अनुसार जख्मी चरपोखरी थाना क्षेत्र के बाबूबांध गांव निवासी विजय चौधरी का 26 वर्षीय पुत्र अंकित कुमार है। इधर, अंकित कुमार ने बताया कि गांव में ही एक व्यक्ति से कुछ दिन पूर्व उन लोगों का झगड़ा हुआ था। हालांकि बात खत्म हो गई थी। रविवार की सुबह जब वह बाइक द्वारा सिकरहटा थाना क्षेत्र के फतेहपुर बाजार मार्केटिंग करने जा रहा था। इस दौरान मनैनी बाजार के समीप उसी के गांव के कुछ युवक वहां पर पहले से मौजूद थे। जैसे ही वह उनके पास से गुजरा, तो उनके द्वारा गाली-गलौज किया जाने लगा। तभी उसने बाइक धीरे कर दी, तो उनके द्वारा दोबारा गाली-गलौज किया जाने लगा।

मंदिरों और शिवालियों में उमड़ेगी भक्तों की भीड़

आरा। सावन मास की पहली सोमवारी 3 अगस्त को है। सोमवारी को लेकर शहर सहित जिले के विभिन्न क्षेत्रों में स्थित मंदिरों एवं शिवालयों को आकर्षक ढंग से सजाया गया है। सोमवार की सुबह मंदिरों एवं शिवालयों में श्रद्धालु-भक्तों की भारी भीड़ उमड़ेगी। शहर के महादेवा रोड स्थित बुढ़वा महादेव मंदिर, बिन टोली स्थित अति प्राचीन सिद्धनाथ मंदिर, महाजन टोली स्थित पातालेश्वर नाथ मंदिर, टाउन थाना स्थित जोड़ा मंदिर समेत विभिन्न मंदिरों में सोमवार की अहले सुबह से ही लोग शिवलिंग पर जलाभिषेक कर और पूजा-अर्चना करेंगे। सावन मास की पहली सोमवारी को लेकर मंदिरों के आसपास फूल, बेलपत्र आदि की दुकाने रविवार की शाम से ही लगा दी गई है। पुलिस-प्रशासन द्वारा भी सुरक्षा के दृष्टिकोण से मंदिरों के पास महिला-पुरुष पुलिस कर्मियों की प्रतिनियुक्ति की गई है। शहर के महादेव रोड में सोमवारी को लेकर मेला का आयोजन किया जाएगा। इसके अलावे ग्रामीण इलाकों में भी मंदिरों एवं शिवालयों को आकर्षक ढंग से सजाया गया है। बिहिया प्रखंड के पिपरा जगदीश गांव में स्थित छोटा शिवाला को आकर्षक ढंग से सजाया गया। मंदिर के गुंबद पर गोल्डन लाइट लगाया गया है, जो भक्तों को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। इसके अलावे मंदिर में साफ-सफाई भी की गई, ताकि भक्तों को किसी तरह की परेशानी नही हो।

केस मैनेज करने के विवाद में सीआरपीएफ जवान समेत दो पीटा

- जख्मियों का सदर अस्पताल में कराया जा रहा इलाज
- तीयर थाना क्षेत्र के उड़ियान टोला गांव में रविवार की सुबह घटी घटना

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। जिले के तीयर थाना क्षेत्र के उड़ियान टोला गांव में रविवार की सुबह केस मैनेज करने के विवाद में सीआरपीएफ जवान एवं उनके भाई की पिटाई कर दी गई। इससे दोनों गंभीर रूप से जख्मी हो गए। परिजन द्वारा उन्हें इलाज के लिए बिहिया पीएचसी से सदर अस्पताल लाया गया। जानकारी के अनुसार जख्मियों में तीयर थाना क्षेत्र के उड़ियान टोला गांव निवासी स्व. सचिदानंद सिंह का 43 वर्षीय पुत्र कृष्ण भगवान सिंह एवं 37 वर्षीय पुत्र नंदलाल सिंह शामिल है। इसमें कृष्ण भगवान सिंह सीआरपीएफ जवान हैं। वर्तमान में वह मध्य प्रदेश के बालाघाट में कार्यरत है।इधर, सीआरपीएफ जवान कृष्ण भगवान सिंह ने बताया कि 17 जुलाई को छुट्टी लेकर खेती करने के लिए गांव आये थे। उन्होंने बताया कि वर्ष 2015 में उनके पट्टीदार द्वारा उनके छोटे भाई को जान से मारने का प्रयास किया गया था। तब उनके द्वारा स्थानीय थाना में उनके खिलाफ प्राथमिकी भी दर्ज कराई थी। जिसमें अब उन लोगों को सजा होने वाला है। उसी केस को मैनेज करने को लेकर उक्त पट्टीदार द्वारा दबाव डाला जा रहा था। रविवार की सुबह जब वह अपने भाई नंदलाल सिंह के साथ खेत पर बैठे थे और खेत में रोपनी का काम चल रहा था। तभी उनके पट्टीदार लाठी-डंडे एवं धारदार हथियार लिये वहां आ धमके और उनकी जमकर पिटाई कर दी। भगाने के क्रम में उनके द्वारा धारदार हथियार से दोनों भाइयों के सर पर वार कर दिया। जिससे दोनों गंभीर रूप से जख्मी हो गए। वहीं दूसरी तरफ जख्मी सीआरपीएफ ने अपने पट्टीदार अनिल महतो, महेंद्र महतो एवं रामजी महतो व उनके परिवार के लोगों पर लाठी-डंडे एवं धारदार हथियार से मारकर जख्मी करने का आरोप लगाया है। इस संबंध में तीयर थानाध्यक्ष राजीव रंजन कुमार ने बताया कि दोनों पक्षों के बीच पूर्व से विवाद चल रहा है। उसी विवाद को लेकर मारपीट की गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जवाईनियाँ बांध पर विस्थापित परिवारों के बीच राशन का वितरण

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। जिले शाहपुर प्रखंड के जवाईनियाँ बांध पर रह रहे लगभग 100 विस्थापित परिवारों के बीच रविवार को हिन्दू पुत्र संगठन द्वारा राहत सामग्री का वितरण किया गया। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष नागेश सम्राट के नेतृत्व में जरूरतमंद परिवारों को खाद्यान्न उपलब्ध कराया गया। इस दौरान उन्होंने राज्य सरकार से विस्थापित परिवारों के शीघ्र पुनर्वास की मांग करते हुए उन्हें जमीन एवं उचित मुआवजा उपलब्ध कराने का आग्रह किया।नागेश सम्राट ने कहा कि लंबे समय से विस्थापित परिवार कठिन परिस्थितियों में जीवनयापन कर रहे हैं। उन्होंने सरकार से अपील की कि इन परिवारों को जल्द से जल्द भूमि उपलब्ध कराई जाए तथा नियमानुसार मुआवजा दिया जाए ताकि वे अपना स्थायी आवास बनाकर सम्मानपूर्वक जीवन जी सकें। उन्होंने कहा कि प्रशासन और सरकार को इस गंभीर मानवीय समस्या की ओर तत्काल ध्यान देना चाहिए। राशन वितरण कार्यक्रम में संगठन के कार्यकताओं ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया और जरूरतमंद परिवारों तक राहत सामग्री पहुंचाई। इस अवसर पर अभिषेक रंजन, रौशन पांडेय, विकास उपाध्याय, अंजनी तिवारी, अंशु महतो, गोलू, नारायण सहित संगठन के दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आचार्य सुलभ सागर जी महाराज ससंघ का पावन वर्षायोग कलश स्थापना एवं जैनेश्वरी दीक्षा महोत्सव भव्य रूप से मनाया गया

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। शहर के जेल रोड स्थित श्री दिगंबर जैन चंद्रप्रभु मंदिर में आचार्य सुलभ सागर जी महाराज ससंघ का पावन वर्षायोग कलश स्थापना एवं जैनेश्वरी दीक्षा महोत्सव भव्य रूप से मनाया गया। सुबह में जिनेन्द्र प्रभु की भक्तिपूर्वक अभिषेक, पूजन एवं शांतिधारा किया गया। तत्पश्चात 48 दिवसीय भक्तामर विधान का आयोजन हुआ। मीडिया प्रभारी निलेश कुमार जैन ने बताया कि दोपहर समय में आचार्य संघ का चातुर्मास के निमित्त भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि जिला न्यायाधीश सासाराम अनुज कुमार जैन थे। गुरुदेव का भावपूर्वक उत्कृष्ट द्रवों से पाद प्रक्षालन, पुष्पवृष्टि, मंगल आरती, शास्त्र भेंट, पिच्छी भेंट भक्तों के द्वारा किया गया। आरा जैन समाज के बालक-बालिकाओं, युवा- युवतियों एवं महिलाओं के द्वारा स्वागत गान, संगीत, नाटक एवं मनमोहक भाव नृत्य की प्रस्तुति हुई। आचार्य संघ में शामिल ब्रह्मचारिणी निर्मला दीदी को आचार्य श्री के कर कमलों के द्वारा भव्य जैनेश्वरी दीक्षा दिया गया। विगत तीन दिनों से जैनेश्वरी दीक्षा के निमित्त भव्य मंगल कार्यक्रम संपन्न हो रहा था, जिसमें गोद भराई, हल्दी, मेंहदी, एवं बिनौली यात्रा निकालना, दीक्षार्थी दीदी का कैशलोच इत्यादि कार्यक्रम शामिल है। इसके पश्चात प्रथम कलश स्थापना करने का सौभाग्य राजीव कुमार जैन फिरोजाबाद, द्वितीय एवं तृतीय कलश का सौभाग्य उमा-परेश चंद्र जैन एवं 48 सौभाग्यशाली भक्तों के द्वारा 48 भक्तामर मंगल कलश स्थापित करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। चातुर्मास कलश स्थापना के मंगल कार्यक्रम में शामिल होने के लिए भारतवर्ष के विभिन्न प्रांतों से भक्तगण आरा पहुंचे थे। जिसमें मुख्य रूप से दिल्ली, फिरोजाबाद कानपुर, जयपुर, रांची, आगरा, हजारीबाग, लखनऊ, बहराइच, बनारस, पटना, कोलकाता के भक्त थे। उपस्थित सभी भक्तों को आचार्य श्री ने मंगल आशीर्वाद प्रदान किए। कार्यक्रम का संचालन डॉ शशांक जैन ने किया। मुनिसंघ के सचिव अजय कुमार जैन ने बताया कि निर्गन्ध मुनि का चातुर्मास करवाना आरा जैन समाज का बड़ा ही सौभाग्य का विषय है आचार्य संघ के सानिध्य में अनेकों धार्मिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन चल रहा है पूरे चातुर्मास तक आत्म कल्याण का शुभ अवसर प्रदान होगा लोगों में धार्मिक रुचियों बढ़ेगी तथा संस्कार सिंचन भी होगा। कार्यक्रम के समापन पर साधर्मी वात्सल्य की व्यवस्था मंदिर परिसर था जिसे सभी भक्तों ने प्रसाद स्वरूप ग्रहण किए। उक्त अवसर पर श्री दिगंबर जैन पंचायती मंदिर के अध्यक्ष कमलेश कुमार जैन, उपाध्यक्ष रीना जैन, सचिव डॉ आदित्य विजय जैन, संयुक्त सचिव बिभु जैन, कोषाध्यक्ष रविश जैन एवं समस्त ट्रस्ट के ट्रस्टीगण, सेवा समिति, उपसमिति के पदाधिकारीगण एवं सदस्यगण के साथ-साथ हजारों की संख्या में गुरूभक्त शामिल रहे।

भोजपुर बॉल बैडमिंटन संघ की जिला इकाई गठित, खिलाड़ियों को मिलेगा नया मंच

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। भोजपुर जिले में बॉल बैडमिंटन खेल को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए बॉल बैडमिंटन संघ की जिला इकाई का गठन कर दिया गया। इस संबंध में एचडी जैन कॉलेज, आरा में खेल प्रेमियों की एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें जिले में इस खेल को लोकप्रिय बनाने, खिलाड़ियों की प्रतिभा को निखारने तथा निकट भविष्य में जिला स्तरीय प्रतियोगिता आयोजित कराने का निर्णय लिया गया। बैठक में सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। इसमें डॉ. अरविंद कुमार को जिलाध्यक्ष, डॉ. अंकुर त्रिपाठी को सचिव तथा प्रो. स्मिता जैन को कोषाध्यक्ष चुना गया। वहीं उपाध्यक्ष पद पर डॉ. कुमार निर्भय, डॉ. पंकज कुमार सुधांशु, डॉ. माधवी कुमारी एवं डॉ. कुमार पुरुषोत्तम सुमन का चयन किया गया। संयुक्त सचिव के रूप में डॉ. सुमन कुमारी, डॉ. आफताब अहमद, डॉ. अमर कुमार तथा सूरज कुमार निर्वाचित हुए। कार्यकारिणी सदस्य के रूप में डॉ. आदित्य कुमार आनन्द एवं डॉ. उमेश कुमार राय को शामिल किया गया, जबकि स्वयंसेवकों में अंकुल कुमार सिंह और विकास कुमार का चयन किया गया। नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष डॉ. अरविंद कुमार ने कहा कि भोजपुर में बॉल बैडमिंटन खेल को मजबूत आधार देने की तैयारी शुरू कर दी गई है। आने वाले समय में इस खेल के माध्यम से जिले के खिलाड़ी राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि बिहार बॉल बैडमिंटन एसोसिएशन ने उन्हें खेल के प्रचार-प्रसार के लिए संयोजक की जिम्मेदारी भी सौंपी है।उन्होंने कहा कि नई कमेटी में खेल प्रेमियों को जोड़कर एक मजबूत संगठन तैयार किया गया है। बैठक में जिला स्तर पर खिलाड़ियों को प्रशिक्षण देने, नियमित प्रतियोगिताओं का आयोजन करने तथा भविष्य में चैंपियनशिप जैसे बड़े आयोजन कराने पर भी सहमति बनी। बॉल बैडमिंटन से संबंधित विस्तृत जानकारी इच्छुक विद्यार्थी एचडी जैन कॉलेज के इतिहास विभाग से प्राप्त कर सकते हैं।

15 अगस्त तक करा लें ई-केवाईसी, नहीं तो महंगा पड़ सकता है गैस सिलेंडर

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। एलपीजी गैस उपभोक्ताओं के लिए ई-केवाईसी (e-KYC) कराना अब अनिवार्य हो गया है। गैस एजेंसियों ने स्पष्ट किया है कि जो उपभोक्ता 15 अगस्त तक ई-केवाईसी नहीं कराएंगे, उन्हें भविष्य में घरेलू गैस सिलेंडर के स्थान पर व्यावसायिक दरों पर सिलेंडर लेने जैसी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में सभी उपभोक्ताओं से समय रहते सत्यापन प्रक्रिया पूरी करने की अपील की गई है। आरा की गैस एजेंसियों के संचालकों ने बताया कि बड़ी संख्या में उपभोक्ताओं ने ई-केवाईसी करा ली है, लेकिन अभी भी हजारों उपभोक्ताओं का सत्यापन बाकी है। एजेंसियों का कहना है कि निर्धारित समय सीमा के भीतर प्रक्रिया पूरी नहीं होने पर गैस आपूर्ति और सब्सिडी से जुड़ी समस्याएं भी उत्पन्न हो सकती हैं। इसलिए सभी उपभोक्ता जल्द से जल्द ई-केवाईसी करा लें।उपभोक्ता घर बैठे भी अपने मोबाइल फोन से ई-केवाईसी की प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं। इसके लिए संबंधित गैस कंपनी का आधिकारिक मोबाइल ऐप डाउनलोड करना होगा। इंडियन ऑयल के उपभोक्ता ONE, भारत गैस के उपभोक्ता He'o BPCL तथा एचपी गैस के उपभोक्ता HP PÔy/HP GÔs ऐप का उपयोग कर सकते हैं। ऐप में पंजीकृत मोबाइल नंबर से लॉगिन करने के बाद ई-केवाईसी या आधार सत्यापन विकल्प का चयन करना होगा। इसके बाद 12 अंकों का आधार नंबर दर्ज कर फेस ऑथेंटिकेशन की प्रक्रिया पूरी करनी होगी। सत्यापन सफल होने पर स्क्रीन पर पुष्टि संदेश दिखाई देगा और पंजीकृत मोबाइल नंबर पर एसएमएस भी प्राप्त होगा।गैस एजेंसियों ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि अंतिम तिथि का इंतजार न करें। यदि किसी उपभोक्ता को मोबाइल से ई-केवाईसी करने में कठिनाई हो रही है, तो वह आवश्यक दस्तावेजों के साथ अपनी संबंधित गैस एजेंसी पहुंचकर भी यह प्रक्रिया पूरी करा सकता है। इससे भविष्य में गैस वितरण में किसी प्रकार की असुविधा से बचा जा सकेगा।

सड़क हादसे में बाइक सवार युवक जख्मी

आरा। नवादा थाना क्षेत्र के रविवार की दोपहर कतीरा मोड़ के समीप हुए सड़क हादसे में बाइक सवार युवक जख्मी हो गया। परिजन उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल ले गए। जानकारी के अनुसार जख्मी नवादा थाना क्षेत्र के मौलाबाग निवासी राजीव श्रीवास्तव का 18 वर्ष से पुत्र दिव्यांशु है। इधर, दिव्यांशु के परिजन ने बताया कि रविवार की दोपहर वह बाइक द्वारा अपने घर से कतीरा जा रहा था। इस दौरान कतीरा मोड़ के समीप उसके बाइक के सामने का अचानक बच्चा गया। जिसे उसकी बाइक अनियंत्रित होकर पलट गई और वह जख़्मी हो गया।

वीकेएसयू सहित राज्य के विश्वविद्यालयों में सात नए व्यावसायिक पाठ्यक्रम होंगे शुरू

- राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप तैयार होंगे कोर्स, आधारभूत संरचना और विशेषज्ञ शिक्षकों पर रहेगा विशेष जोर

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। वीकेएसयू आरा सहित बिहार के सभी राज्य विश्वविद्यालयों में जल्द ही सात नए व्यावसायिक (वोकेशनल) पाठ्यक्रम शुरू किए जाएंगे। यह पहल राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी)-2020 और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के दिशा-निर्देशों के अनुरूप की जा रही है। राज्यपाल एवं कुलाधिपति सैयद अता हसनैन के निर्देश पर इन पाठ्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करने की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। प्रस्तावित पाठ्यक्रमों में मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एमबीए), बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (बीबीए), बैचलर ऑफ साइंस इन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डिजिटल साइंस एंड बिजनेस मैनेजमेंट, इंटीग्रेटेड प्रोग्राम इन मैनेजमेंट (आईपीएम), डेटा साइंस एंड बिजनेस स्टडीज तथा आईटी एंड मैनेजमेंट स्टडीज जैसे रोजगारपरक कोर्स शामिल हैं। इन पाठ्यक्रमों का उद्देश्य विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीक और उद्योगों की जरूरतों के अनुरूप कौशल प्रदान करना है।वीकेएसयू सहित राज्य के सभी विश्वविद्यालयों एवं उनके अंगीभूत महाविद्यालयों में इन पाठ्यक्रमों के संचालन के लिए आवश्यक आधारभूत संरचना विकसित करने पर विशेष जोर दिया जाएगा। साथ ही योग्य शिक्षकों, उद्योग विशेषज्ञों तथा अनुभवी पेशेवरों को शिक्षण कार्य से जोड़ने की भी तैयारी की जा रही है, ताकि छात्रों को गुणवत्तापूर्ण एवं व्यावहारिक शिक्षा मिल सके। राज्यपाल सचिवालय ने सभी कुलपतियों को प्रत्येक विश्वविद्यालय में कोर्स समिति गठित करने का निर्देश दिया है। यह समिति पाठ्यक्रमों की रूपरेखा, संसाधनों की उपलब्धता और प्रभावी क्रियान्वयन की निगरानी करेगी। इसमें वीकेएसयू आरा, पटना विश्वविद्यालय, मगध विश्वविद्यालय, बीआरए बिहार विश्वविद्यालय, जयप्रकाश विश्वविद्यालय, तिलका मांझी भागलपुर विश्वविद्यालय, ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, पूर्णिया विश्वविद्यालय, मुंगेर विश्वविद्यालय, नालंदा खुला विश्वविद्यालय सहित अन्य राज्य विश्वविद्यालयों के कुलपति शामिल होंगे।इन नए व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के शुरू होने से वीकेएसयू के विद्यार्थियों को रोजगारोन्मुख शिक्षा का बेहतर अवसर मिलेगा और उच्च शिक्षा को उद्योगों की आवश्यकताओं से जोड़ने की दिशा में यह महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

बिजली संकट के समाधान को लेकर पंचायतवार बैठक शुरू

सहार भोजपुर। स्थानीय प्रखंड क्षेत्र में बिजली संकट के समाधान को लेकर पंचायतवार बैठकों का सिलसिला शुरू हो गया है। पहले शनिवार को सहार के सोन नदी तट स्थित सूर्य मंदिर पर बिजली व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर ग्रामीणों की बैठक आयोजित की गई थी, जिसमें आंदोलन की रणनीति पर चर्चा की गई थी।रविवार को अम्हरुआ पंचायत में आयोजित बैठक कीया गया। बैठक में ग्रामीणों और किसानों ने ऊर्जा मंत्री, बिहार सरकार को संयुक्त हस्ताक्षरयुक्त आवेदन भेजकर नियमित व निर्बाध बिजली आपूर्ति, जर्जर तारों व उपकरणों की मरम्मत तथा शिकायतों के त्वरित निस्तारण की मांग की। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि शीघ्र सुधार नहीं होने पर चरणबद्ध आंदोलन किया जाएगा।

घर में चोरी का आरोप, चार नामजद समेत अन्य के खिलाफ कार्रवाई की मांग

पीड़िता ने प्रेस वार्ता कर सुनाई आपबीती, बिहिया थाने में दिया आवेदन

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। बिहिया थाना क्षेत्र के जमुआ गांव की एक महिला ने घर में चोरी की घटना को लेकर बिहिया थाने में लिखित आवेदन देकर चार नामजद समेत अन्य लोगों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है। पीड़िता विंदा देवी, पति राजेश यादव ने रविवार को प्रेस वार्ता कर घटना की जानकारी भी दी। पीड़िता ने आरोप लगाया कि 28 जुलाई को सूचना मिली कि उसके घर के सामने एक पिकअप वाहन खड़ा है। जब वह घर पहुंची तो देखा कि घर का दरवाजा खुला हुआ था और अंदर रखा सामान गायब था। महिला का आरोप है कि आरोपित घर से बर्तन, सिलाई मशीन, टीवी, जेवरात तथा इलाज के लिए रखे 1लाख 40 हजार रुपये नकद समेत अन्य सामान लेकर चले गए। आवेदन में महिला ने चार लोगों को नामजद करते हुए उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पीड़िता ने बताया कि घटना की जानकारी उसने तत्काल अपने पति को भी दी। वहीं, रविवार को आयोजित प्रेस वार्ता में उसने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की। इस संबंध में बिहिया थानाध्यक्ष ने बताया कि आवेदन प्राप्त हुआ है। मामले की जांच की जा रही है। जांच के बाद विधि-सम्मत कार्रवाई की जाएगी।

जवइनिया गंगा कटाव पीड़ितों के बीच 200 लोगों को कराया गया भोजन

आरा। गंगा कटाव से प्रभावित जवइनिया के बिलौटी गांव में विस्थापित परिवारों की सहायता के लिए रविवार को नगर पंचायत बिहिया के चेयरमैन सचिन कुमार गुप्ता की टीम ने भोजन वितरण कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान करीब 200 जरूरतमंद लोगों के बीच भोजन वितरित किया गया। कटाव से प्रभावित परिवारों ने इस पहल की सराहना करते हुए राहत मिलने की बात कही। भोजन वितरण कार्यक्रम में मौजूद टीम के सदस्य आनंद कुमार और रोहित कुमार ने बताया कि नगर पंचायत चेयरमैन सचिन कुमार गुप्ता शुरू से ही सामाजिक कार्यों में सक्रिय रहते हैं और जरूरतमंद लोगों की मदद को प्राथमिकता देते हैं। उन्होंने कहा कि गंगा कटाव के कारण कई परिवारों को अपना घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर जाना पड़ा है। ऐसे समय में प्रभावित लोगों तक भोजन और अन्य आवश्यक सुविधाएं पहुंचाना मानवीय दायित्व है। टीम के सदस्यों ने बताया कि यह सेवा कार्य आगे भी लगातार जारी रहेगा। जब तक विस्थापित परिवार सामान्य स्थिति में नहीं लौटते, तब तक जरूरत के अनुसार भोजन और अन्य आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा। गंगा कटाव से प्रभावित परिवारों ने नगर पंचायत अध्यक्ष और उनकी टीम के इस प्रयास के प्रति आभार व्यक्त किया।

संक्षिप्त खबरें

जिला स्तरीय नशा मुक्त युवा कार्यक्रम आयोजित

अरवल। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में ट ईं१३, द्वारा नशा मुक्त युवाझ विकसित भारत अभियान के अंतर्गत जिले के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में व्यापक स्तर पर कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम देशभर में संचालित राष्ट्रव्यापी जन-अभियान का हिस्सा है।जिले का मुख्य कार्यक्रम राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालय, कलेर में आयोजित किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रेरणादायी लाइव संबोधन को सुना तथा नशामुक्त भारत के निर्माण का संकल्प लिया।इसके अतिरिक्त गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक कॉलेज, धमौल, एस. डी. कॉलेज, अरवल, राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालय, कलेर सहित जिले के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में भी अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस कार्यक्रमों में पदाधिकारी, माननीय जनप्रतिनिधि, छात्र-छात्राएं, शिक्षकगण तथा भारत स्काउट एवं गाइड के कैडेट्स ने बढ़-चढ़कर सहभागिता की।कार्यक्रम के दौरान युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, समाज में नशा मुक्ति का संदेश प्रसारित करने तथा विकसित भारत के निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया गया।सभी प्रतिभागियों ने स्वयं नशे से दूर रहने एवं अपने परिवार, मित्रों तथा समाज को भी नशा मुक्ति के प्रति जागरूक करने की शपथ ग्रहण की।कार्यक्रम का समापन नशामुक्त, स्वस्थ एवं विकसित भारत के निर्माण हेतु अरवल जिले को नशामुक्त बनाने के सामूहिक संकल्प के साथ सम्पन्न हुआ।

करपी में कांवरिया विश्राम शिविर का उद्घाटन,लखन रसीला के द्वारा भजन गायन प्रस्तुत

करपी। जिले के करपी में श्रावण मास के पावन अवसर पर नवयुवक कांवरिया संघ द्वारा प्रत्येक वर्ष की भाँति इस वर्ष भी कांवरिया विश्राम शिविर का आयोजन करपी हाई स्कूल के प्रांगण में आयोजित किया जा रहा है।आयोजकों ने बताया कि इस पावन अवसर पर प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, रोहित कुमार सिंह,थाना अध्यक्ष, धीरज कुमार सिन्हा क्षेत्र के प्रतिष्ठित व्यवसायी, सम्मानित समाजसेवी एवं अन्य गणमान्य अतिथि अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएंगे।कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण प्रसिद्ध भजन एवं बोल बम गायक कलाकार लखन रसीला एवं उनकी संगीत मंडली की भक्ति-रस से ओत-प्रोत प्रस्तुति होगी। संघ के पदाधिकारियों ने सभी श्रद्धालु शिवभक्तों से अपील की है कि अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस पुण्य आयोजन को सफल बनाएं तथा बाबा दुधेश्वरनाथ महादेव का दिव्य आशीर्वाद प्राप्त करें।

जमीन रजिस्ट्री के नाम पर 10 लाख रुपये ठगी का आरोप

औरंगाबाद। जिले के नवीनगर प्रखंड के दरमी खुर्द गांव निवासी विराट अक्षय सिंह ने माली थाना क्षेत्र के मिजार्पुर गांव निवासी अमित कुमार परमार पर जमीन की रजिस्ट्री कराने के नाम पर 10 लाख रुपये की धोखाधड़ी करने का आरोप लगाया है। इस संबंध में उन्होंने नगर थाना के पुलिस निरीक्षक सह सर्किल इंस्पेक्टर को आवेदन देकर मामले की जांच कर प्राथमिकी दर्ज करते हुए कानूनी कार्रवाई की मांग की है। आवेदन में कहा गया है कि अमित कुमार ने औरंगाबाद शहर में जेके मोटल्स के बगल स्थित एक जमीन दिखाते हुए उसकी रजिस्ट्री कराने का भरोसा दिया था। उनके झांसे में आकर विराट अक्षय सिंह ने आरटीजीएस के माध्यम से 10 लाख रुपये अमित कुमार के खाते में स्थानांतरित कर दिए। राशि मिलने के बाद आरोपित लगातार रजिस्ट्री की बात टालता रहा। बाद में साफ तौर पर जमीन की रजिस्ट्री करने से इनकार कर दिया। जब रुपये वापस करने की मांग की गई तो आरोपित लगातार इनकार कर रहा है। पीड़ित ने बताया कि 3 जनवरी 2025 को कोटक महिंद्रा बैंक के चेक द्वारा आरटीजीएस किया गया। पीड़ित का कहना है कि जमीन रजिस्ट्री से इनकार किया।

नगर निगम के सबसे बड़े व्यवसायिक क्षेत्र वार्ड-19 को नई सड़क की सौगात

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने किया निर्माण कार्य का शुभारंभ

प्रात: किरण संवाददाता

गयाजी। गया नगर निगम के सबसे बड़े व्यवसायिक क्षेत्रों में शामिल वार्ड संख्या-19 को वर्षों से लंबित सड़क निर्माण की सौगात मिल गई है। शनिवार को बिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने पुरानी गोदाम क्षेत्र में पथ निर्माण विभाग की ओर से कारू चाय दुकान से बारी रोड तक बनने वाली सड़क का विधिवत शिलान्यास एवं निर्माण कार्य का शुभारंभ किया है।

इस अवसर पर वार्ड पार्षद मुन्नी देवी एवं पूर्व पार्षद सह भाजपा नेता मनोज कुमार ने विधानसभा अध्यक्ष का गर्मजोशी से भव्य स्वागत किया है। आगे बताया गया कि वार्ड पार्षद द्वारा लगातार उठाई जा रही मांग और जनहित को देखते हुए इस महत्वपूर्ण सड़क निर्माण योजना को स्वीकृति मिली, जिसके बाद निर्माण कार्य शुरू कराया गया है।

इस शुभारंभ समारोह को संबोधित करते हुए विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि शहर के आधारभूत ढांचे को मजबूत करना और नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि इस सड़क के निर्माण से न केवल स्थानीय लोगों को आवागमन में सहूलियत मिलेगी, बल्कि व्यवसायिक गतिविधियों को भी गति मिलेगी। साथ ही यातायात व्यवस्था अधिक सुरक्षित, सुगम और व्यवस्थित होगी।

स्थानीय व्यवसायियों और क्षेत्रवासियों ने सड़क निर्माण शुरू होने पर खुशी जताते हुए कहा कि लंबे समय से जर्जर सड़क के कारण ग्राहकों, व्यापारियों और आम लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। नई सड़क बनने के बाद व्यवसाय को बढ़ावा मिलेगा तथा आसपास के मोहल्लों के हजारों लोगों को बेहतर आवागमन की सुविधा उपलब्ध होगी।

वार्ड पार्षद मुन्नी देवी एवं पूर्व पार्षद सह भाजपा नेता मनोज कुमार ने विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि क्षेत्र की जनता की वर्षों पुरानी मांग आज पूरी होने जा रही है। उन्होंने भरोसा जताया कि निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय सीमा में पूरा कराया जाएगा।

इस कार्यक्रम में भाजपा कार्यकर्ताओं, स्थानीय जनप्रतिनिधियों, व्यवसायियों एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रवासियों की उपस्थिति रही। लोगों ने उम्मीद जताई कि आने वाले समय में भी वार्ड-19 सहित पूरे क्षेत्र के विकास के लिए इसी तरह जनहित की योजनाओं को प्राथमिकता दी जाएगी।

चेहल्लुम पर हाई अलर्ट: ड्रोन से होगी जुलूस की निगरानी, बिना लाइसेंस नहीं निकलेगा जुलूस

- एक दर्जन संवेदनशील स्थलों पर अतिरिक्त सुरक्षा, ड्रोन व सीसीटीवी से होगी निगरानी
- डीजे और हथियारों के प्रदर्शन पर रोक, शांति व सौहार्द से पर्व मनाने की अपील

प्रातः किरण संवाददाता

औरंगाबाद। 04 अगस्त को होने वाले चेहल्लुम पर्व को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण और सुरक्षित माहौल में संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट है। पर्व को लेकर शनिवार की रात नगर थाना परिसर के सभागार में अनुमंडल प्रशासन ने विभागीय अधिकारियों, जुलूस आयोजकों, पूजा समिति के प्रतिनिधियों तथा शांति समिति के सदस्यों के साथ बैठक की। बैठक में सुरक्षा व्यवस्था, जुलूस मार्ग, यातायात, साफ-सफाई और अन्य आवश्यक तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में अनुमंडल पदाधिकारी गौरव सिंह और सदर एसडीपीओ सुशील कुमार ने स्पष्ट कहा कि चेहल्लुम के अवसर पर निकलने वाले प्रत्येक अखाड़ा व ताजिया जुलूस के लिए संबंधित समिति को प्रशासन से लाइसेंस लेना अनिवार्य होगा। बिना लाइसेंस किसी भी जुलूस को अनुमति नहीं दी जाएगी। जुलूस के दौरान डीजे बजाने पर पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा तथा किसी भी प्रकार के हथियार का प्रदर्शन करने की अनुमति नहीं होगी। नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों ने कहा कि पर्व-त्योहार समाज में भाईचारा, प्रेम और सौहार्द बढ़ाने का अवसर होते हैं। इन्हें खुशियों के साथ मनाया जाना चाहिए, न कि ऐसा कोई कार्य किया जाए जिससे गलत संदेश जाए या सामाजिक सौहार्द प्रभावित हो। सभी लोगों से मिल-जुलकर पर्व मनाने और प्रशासन का सहयोग करने की अपील की गई। बैठक में बताया गया कि शहर के विभिन्न इमामबाड़ों से निकलने वाले सिपहर और ताजिया जुलूस का पहलाम नगर थाना क्षेत्र के नावाडीह रोड स्थित कर्बला में होगा। पूरे जुलूस मार्ग की निगरानी ड्रोन कैमरों और सीसीटीवी के माध्यम से की जाएगी, ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तत्काल कार्रवाई की जा सके। प्रशासन ने शहर में करीब एक दर्जन संवेदनशील स्थलों की पहचान की है, जहां दंडाधिकारी और पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती रहेगी। जुलूस मार्ग पर आवश्यक स्थानों पर बैरिकेडिंग की जाएगी। कर्बला परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों में साफ-सफाई, पर्याप्त रोशनी, मेडिकल टीम और दमकल वाहनों की भी व्यवस्था रहेगी। बैठक में नगर थानाध्यक्ष बबन बैठा, सर्किल इंस्पेक्टर फहीम आजाद खान, सदर अंचल अधिकारी अनुज कुमार, बिजली विभाग के रंजीत गुप्ता, नगर परिषद के अधिकारी, वार्ड पार्षद सिकंदर हयात, अल्ताफ कुरैशी, मो. शाहनवाज रहमान उर्फ सल्लू खान, उप मुख्य पार्षद मो. एहसान, मो. हसन, मो. बिलाल, मो. शकील सहित जुलूस आयोजक एवं शांति समिति के सदस्य मौजूद रहे। सभी ने चेहल्लुम को आपसी भाईचारे और शांति के साथ संपन्न कराने में प्रशासन को पूर्ण सहयोग देने का भरोसा दिया।

गौतम बुद्ध महिला कॉलेज, गया में आज नए शैक्षणिक सत्रः 2026-30 बैच की छात्राओं के लिए छात्रा उन्मुखी कार्यक्रम

प्रात: किरण संवाददाता

गौतम बुद्ध महिला कॉलेज, गया में आज नए शैक्षणिक सत्रः 2026-30 बैच की छात्राओं के लिए छात्रा उन्मुखी कार्यक्रम (एस. आई. पी) कॉलेज के सावित्री महाजन सभागार में कॉलेज की प्राचार्य डॉ. सीमा पटेल की अध्यक्षता में संपन्न किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन, कुलगीत, स्वागत गीत एवं गणेश वंदना के साथ हुआ। मुख्य अथिति के तौर पर राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, दिल्ली के प्रसिद्ध रंगकर्मी श्री शम्भु सुमन पधारे थे। अपने मुख्य वक्तव्य में राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, नई दिल्ली के नाटक के अनुभव और अपने जीवन की रंग-यात्रा के संघर्ष को छात्राओं से साझा किये। अपने अध्यक्षीय भाषण में प्राचार्य डॉ. सीमा पटेल ने बताया कि महाविद्यालय में ही देश के भविष्य का निर्माण होता है। इसलिये छात्राएं महाविद्याल अवश्य आये, और अपने को इस काबिल बना लें कि उन्हें आगे जीवन किसी कठिनाई का सामना न करना पड़े। इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्रथम सेमेस्टर के छात्राओं को उनके महाविद्यालय से परिचय कराने के साथ-साथ उनके पाठ्यक्रम और नई शिक्षा नीति 2020 से भी परिचित कराना था। इस क्रम में डॉ. शगुफ्ता अंसारी ने स्वागत वक्तव्य दिए। उसके बाद डॉ. अफसा सुरैया ने 1953 ई. से लेकर आज तक की कॉलेज की यात्रा से सभी को रू-ब-रू कराई। डॉ. नगमा शादाब ने कॉलेज के नियमों, कॉलेज ड्रेस कोड, एंटी-रैगिंग सेल, बी.बी. एम एवं बी. सी. ए तथा एन. सी. सी. की गतिविधियों के बारे में बताया। परीक्षा प्रभारी डॉ. प्यारे माँझी ने चार वर्षीय नई कोर्स के बारे में एवं परीक्षा पद्धति के बारे में जानकारी साझा किये। गृह विज्ञान की डॉ. प्रियंका कुमारी ने एन. एस. एस. सेल और सेहत केंद्र तथा आज 01 अगस्त विश्व स्तन-पान सप्ताह की जानकारी दी।

खेल विभाग की प्रभारी डॉ. पूजा राय ने महाविद्यालय के खेल गतिविधियों की जानकारी साझा की। डॉ. विजेता लाल ने इंटर्नशिप एवं नियोजन सेल के बारे में बताई। इतिहास विभाग की डॉ. अनामिका कुमारी ने नई शिक्षा नीति 2020 की बारीकीयों को छात्राओं को बताई। स्कालरशिप एवं स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड के बारे में छात्राओं से सीनियर प्रोफेसर डॉ. सहदेव बाउरी ने सरल शब्दों में जानकारी साझा किये। कॉलेज में पाठ्यक्रम से इतर गतिविधियों की प्रभारी डॉ. अफसा नाहिद ने बच्चियों को बताया कि कॉलेज में कई क्लब हैं, उनसे जुड़कर छात्रा अपने व्यक्तित्व का विकास कर सकती हैं। कार्यक्रम में छात्राओं ने एक-से-बढ़कर एक गीत एवं नृत्य प्रस्तुत किये। सोनम एवं कुमारी शालिनी के ग्रुप ने ह्यए मालिक तेरे बन्दे हमह्न गीत को सस्वर प्रस्तुत किया। अन्या और उनके ग्रुप ने स्वागत गीत गाई। गणेश वंदना पर नृत्य अनुष्का कुमारी, श्रुति ने ह्यकान्हा सो जा जराह्न गीत तथा अखौरी रागिनी सेमेस्टर प्रथम की छात्रा ने ह्यघर मोरा आयो पियाह्न नामक गीत पर मन-मोहक नृत्य की। आज विश्व स्तन पान दिवस पर छात्राओं ने पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में भाग लिए जिनमें प्रथम सामिया नाज, संचिता द्वितीय स्थान तथा तृतीय स्थान अखौरी रागिनी रही।

वेस्ट चर्च रोड पर लगातार सड़क दुर्घटनाएँ चिंता का विषय प्रशासन शीघ्र करे आवश्यक कार्रवाई : इस्कॉन गया

प्रातः किरण संवाददाता

गया जी।इस्कॉन गया प्रबंधन ने वेस्ट चर्च रोड पर लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाओं पर गहरी चिंता व्यक्त की है। कल इस्कॉन मंदिर के समीप एक गंभीर सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की दुःखद मृत्यु हो गई। यह कोई पहली घटना नहीं है, बल्कि इस सड़क पर समय-समय पर दुर्घटनाएँ होती रही हैं, जिससे स्थानीय नागरिकों एवं श्रद्धालुओं में भय और चिंता का वातावरण है।

इस्कॉन गया प्रबंधन का कहना है कि इस सड़क पर अब तक स्पीड ब्रेकर की व्यवस्था नहीं की गई है। इसके अतिरिक्त, रात्रि के समय पर्याप्त स्ट्रीट लाइट न होने के कारण पूरा क्षेत्र अंधकारमय रहता है, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका और बढ़ जाती है।

यह क्षेत्र अत्यंत संवेदनशील है, क्योंकि यहाँ एक ओर इस्कॉन मंदिर स्थित है, जहाँ प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों में भाग लेने आते हैं, वहीं दूसरी ओर आयुक्त (कमिश्नर) का सरकारी आवास भी इसी मार्ग पर स्थित है।

विशेष रूप से जन्माष्टमी, रथयात्रा, पितृपक्ष मेला तथा अन्य प्रमुख उत्सवों के दौरान हजारों श्रद्धालुओं का आवागमन इसी मार्ग से होता है।इस्कॉन गया प्रबंधन ने बताया कि सड़क प्रकाश (स्ट्रीट लाइट) की कमी के संबंध में पूर्व में भी संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों को अवगत कराया जा चुका है, किंतु अब तक इस दिशा में कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। लगातार हो रही दुर्घटनाएँ इस बात का संकेत हैं कि अब तत्काल प्रभावी कदम उठाना अत्यंत आवश्यक हो गया है।

इस्कॉन गया प्रबंधन जिला एवं नगर प्रशासन से आग्रह करता है कि जनहित एवं श्रद्धालुओं की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए वेस्ट चर्च रोड पर शीघ्र स्पीड ब्रेकर का निर्माण कराया जाए तथा पर्याप्त संख्या में स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि भविष्य में होने वाली दुर्घटनाओं को रोका जा सके और नागरिकों एवं श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

इस्कॉन गया का मानना है कि समय रहते किए गए ये छोटे-छोटे सुरक्षा उपाय अनेक बहुमूल्य मानव जीवन बचा सकते हैं।

तारापीठ में दर्शन और पूजा करने का सौभाग्य प्राप्त होना अत्यंत आनंद एवं सौभाग्य की बात है: डॉ मनीष

प्रात: किरण संवाददाता

गया जी।सावन मास के पावन अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता डॉ. मनीष पंकज मिश्रा तथा भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य राजेंद्र प्रसाद अधिवक्ता प्रमोद कुमार मंटू कुमार बबलू गुप्ता ने पश्चिम बांगाल स्थित प्रसिद्ध शक्तिपीठ मां तारापीठ पहुंचकर विधि-विधान से मां तारा की पूजा-अर्चना की तथा प्रदेश एवं देशवासियों की सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की है।मां तारा के दर्शन उपरांत डॉ. मनीष पंकज मिश्रा ने कहा कि सावन का महीना भगवान शिव एवं आदिशक्ति की आराधना का विशेष समय माना जाता है। ऐसे पावन अवसर पर मां तारापीठ में दर्शन और पूजा करने का सौभाग्य प्राप्त होना अत्यंत आनंद एवं सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि मां तारा अपने भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण करने वाली हैं और जो भी श्रद्धा एवं विश्वास के साथ उनके दरबार में आता है।

वह मां की असीम कृपा का पात्र बनता है।भारतीय संस्कृति एवं सनातन परंपराओं के प्रति श्रद्धा रखनी चाहिए तथा धार्मिक स्थलों पर जाकर ईश्वर की आराधना करते हुए समाज में प्रेम, सद्भाव और सेवा की भावना को बढ़ावा देना चाहिए। मां तारा का आशीर्वाद समस्त मानव जाति के लिए कल्याणकारी हैभाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य राजेंद्र प्रसाद अधिवक्ता ने भी मां तारा के चरणों में नमन कर प्रदेश की उन्नति, समाज में सुख-शांति तथा सभी नागरिकों के उत्तम स्वास्थ्य एवं समृद्धि की प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि मां की कृपा से जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और प्रत्येक व्यक्ति को धर्म एवं मानवता के मार्ग पर चलने की प्रेरणा मिलती है।

जगजीवन कॉलेज के डॉ. फागुनी राम सभागार हॉल में महान प्रेमचंद साहित्य: मानवीय मूल्य संवर्धन और राष्ट्र निर्माण विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का हुआ आयोजन

- प्रेमचंद का संपूर्ण साहित्यिक जीवन मानवीय चेतना पर आधारित था: कुलपति

प्रात: किरण संवाददाता

गया। जगजीवन कॉलेज के डॉ. फागुनी राम सभागार हॉल में शनिवार को महान कथा सम्राट व उपन्यासकार मुंशी प्रेमचंद की 147वीं जयंती समारोह पूर्वक हर्ष और उल्लास के साथ मनाई गई है। इस अवसर पर ह्यप्रेमचंद साहित्यः मानवीय मूल्य संवर्धन और राष्ट्र निर्माणह्न विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ मगध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो (डॉ) दिलीप कुमार केसरी,कुलसचिव प्रो विनोद कुमार मंगलम, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रमोद कुमार चौधरी, मगध विश्वविद्यालय के हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो आनंद कुमार सिंह, उर्दू विभागाध्यक्ष प्रो अब्दुल हई, दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय के भारतीय भाषा विभाग के अध्यक्ष प्रो सुरेश चंद्र, प्राचार्य मो (डॉ) अयूब, जेजे कॉलेज के पूर्व प्राचार्य डॉ सत्येंद्र प्रजापति, कवि व शायर नदीम जाफरी एवं वरिष्ठ साहित्यकार डॉ राम सिंहासन सिंह ने संयुक्त रूप से करतल ध्वनि बीच दीप प्रज्वलित कर किया है। अध्यक्षीय संबोधन में प्राचार्य डॉ. मो अयूब ने आगत अतिथियों का स्वागत, वंदन एवं अभिनंदन किया है।

इस कार्यक्रम में विषय प्रवेश करते हुए हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ संगीता कुमारी ने कहा कि प्रेमचंद केवल हिंदी लिखित नहीं थी उन्होंने हिंदी और उर्दू दोनों भाषाओं में समान अधिकार से लिखा। उनकी अनेक रचनाएं पहले उर्दू में लिखी गई और बाद में हिंदी में आई।इसलिए उन्हें दोनों साहित्यिक परंपराओं का साझा लेखक माना जाता है। उन्होंने बताया कि इस तरह के संगोष्ठी के आयोजन से विद्यार्थियों में प्रेमचंद जी के कहानियों को यथार्थ और सच्चाइयों को जानने का अवसर मिलेगा।विशिष्ट अतिथि कुलसचिव प्रो विनोद कुमार मंगलम ने कहा की प्रेमचंद केवल एक कथाकार नहीं थे बल्कि वे समाज सुधारक भी थे जिन्होंने ह्यगोदानह्न ह्यनिर्मलाह्न, ह्यगबनह्न जैसी कृतियों के माध्यम से शोषित वर्ग की पीड़ा को बड़े ही मुखर होकर प्रस्तुत किया है। उनका साहित्य हमें मानवीय मूल्यों, भाईचारे और संघर्ष से लड़ने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि एक सदी बाद हुई जब कोई ह्यगोदानह्न, ह्यईदगाहह्न, ह्यपूस की रातह्न,ह्नकफनह्न या ह्यनमक का दरोगाह्न पढता है तो उसे लगता है कि यह कहानी किसी इतिहास की नहीं, बल्कि आज के भारत की भी हो सकती है। प्रेमचंद की कहानियां केवल अपने समय की नहीं है। उनमें गरीबी, असमानता, शिक्षा, महिलाओं की दुर्दशा, किसानों की समस्या, ईमानदारी, लालच और सामाजिक न्याय जैसे प्रश्न है जो आज भी हमारे समाज के समक्ष मौजूद हैं।

सम्मानित वक्ता मगध विश्वविद्यालय के हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो आनंद कुमार सिंह ने प्रेमचंद के कथा संसार, उनकी यथार्थवादी दृष्टि और ग्रामीण भारत के चित्रों पर विस्तार से प्रकाश डाला है।

मुख्य वक्ता के रूप में दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय के भारतीय भाषा विभाग के अध्यक्ष प्रो सुरेश चंद्र ने कहा की साहित्य समाज का दर्पण होता है, जो प्रेमचंद की कहानियों में स्पष्ट झलकता है।

भाजपा की वैचारिक पहचान बनाए रखने के लिए परिवारवाद से दूरी आवश्यक:आनंद चंद्रवंशी

प्रात: किरण संवाददाता

अरवल। पूर्व जिला पार्षद एवं वैश्यझ अतिपिछड़ा एकता मंच के अध्यक्ष तथा भाजपा पंचायतीराज प्रकोष्ठ, बिहार के सहसंयोजक आनंद कुमार चंद्रवंशी ने भाजपा के शीर्ष नेतृत्व से संगठन के निर्णयों में कार्यकताओं की भावना और पार्टी की मूल विचारधारा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का आग्रह किया है। चंद्रवंशी ने जारी एक वक्तव्य में कहा कि भारतीय जनता पार्टी का निर्माण किसी एक परिवार या व्यक्ति ने नहीं, बल्कि लाखों समर्पित कार्यकताओं के त्याग, तपस्या और संघर्ष से हुआ है। ऐसे में यदि किसी निर्णय से कार्यकताओं के बीच परिवारवाद को बढ़ावा मिलने की धारणा बनती है, तो नेतृत्व को उस पर गंभीरता से आत्ममंथन करना चाहिए।उन्होंने कहा कि हाल के दिनों में भाजपा विधान परिषद से जुड़े एक निर्णय को लेकर कार्यकताओं के बीच व्यापक चर्चा है। यदि किसी वर्तमान विधान पार्षद से इस्तीफा लेकर किसी अन्य व्यक्ति को अवसर दिया जाता है और कार्यकर्ता उसे परिवारवाद के दृष्टिकोण से देखते हैं, तो यह पार्टी की वैचारिक प्रतिबद्धता पर प्रश्न खड़े कर सकता है। चंद्रवंशी ने कहा कि भाजपा वर्षों से परिवारवादी राजनीति का विरोध करती रही है। इसलिए संगठन के भीतर भी वही सिद्धांत समान रूप से लागू होने चाहिए, जिनकी अपेक्षा अन्य राजनीतिक दलों से की जाती है। लोकतंत्र में अवसर की समानता और कार्यकर्ता का सम्मान ही किसी भी राजनीतिक दल की सबसे बड़ी पूंजी होती है।

रोटेरियन क्लब ऑफ गया युवा के अध्यक्ष स्मिता पोद्दार,रोटेरियन डॉ. सुरभि सचिव बनी

प्रात: किरण संवाददाता

गया जी।रोटरी क्लब ऑफ गया युवा का 12वाँ इंस्टॉलेशन समारोह एवं डिस्ट्रिक्ट गवर्नर 3250 (2026-27) का आधिकारिक दौरा गया के होटल सुप्रीम में अति भव्य और गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ है। इस कार्यक्रम की शुरूआत राष्ट्रगान और दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई है।इस अवसर पर रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3250 की डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रोटेरियन अनु नारंग मुख्य अतिथि रहीं, जबकि पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रोटेरियन संदीप नारंग विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे हैं। इनके साथ डिस्ट्रिक्ट सेक्रेटरी रोटेरियन राजेश परकेरिया,डा रतन कुमार,डिस्ट्रिक्ट असिस्टेंट सेक्रेटरी रोटेरियन दीपक चड्ढा, असिस्टेंट गवर्नर जोन-12 , रोटेरियन विजय भालोटिया, असिस्टेंट गवर्नर जोन-11, रोटेरियन अर्चना गोयनका, गया एवं बोधगया के विभिन्न रोटरी क्लबों, इनर व्हील क्लबों के अध्यक्ष एवं सचिव, वरिष्ठ रोटेरियन, प्रतिष्ठित उद्योगपति तथा अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे हैं।

इस समारोह में रोटेरियन स्मिता पोद्दार को वर्ष 2026-27 के लिए क्लब अध्यक्ष और रोटेरियन डॉ. सुरभि को सचिव पद की शपथ दिलाई गई हू। इसके साथ ही नवगठित बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने भी अपने-अपने दायित्वों की शपथ ग्रहण की है। इसके साथ ही आज रोटरी युवा ने 18 नए सदस्यों को अपने रोटरी परिवार की सदस्यता दी है। इससे पहले निवर्तमान अध्यक्ष रोटेरियन राहुल महाजन ने अपने कार्यकाल की उपलब्धियों का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया है।इस समारोह से पूर्व चार सामाजिक परियोजनाओं का शुभारंभ रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3250 की डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रोटेरियन अनु नारंग, पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रोटेरियन संदीप नारंग के साथ किया गया, जिनमेंः सहेली सेंटर, सेनेटरी पैड निर्माण मशीन, वृक्षारोपण और रोटरी पब्लिक इमेज अभियान अभियान शामिल हैं। इन पहलों का उद्देश्य महिला सशक्तिकरण, स्वरोजगार और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना है।इस समारोह का विशेष आकर्षण रोटरी फ्यूजन कॉमिक बुक का भव्य लोकार्पण डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रोटेरियन अनु नारंग के करकमलों द्वारा किया गया है। इसकी सराहना करते हुए डिस्ट्रिक्ट गवर्नर ने कहा कि रोटरी के सामाजिक परियोजनाओं को कॉमिक शैली में प्रस्तुत करने का यह एक अत्यंत रचनात्मक, प्रभावी प्रयास है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गया कॉलेज के छात्रों से किया सीधा संवाद, नशामुक्त भारत का दिलाया संकल्प

प्रात: किरण संवाददाता

गया।वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भारत सरकार के नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत आयोजित ह्लनशा मुक्ति युवा फॉर विकसित भारतह्व कार्यक्रम का देशभर के 125 चयनित शिक्षण संस्थानों में एक साथ आयोजन किया गया है। इस राष्ट्रीय अभियान का उद्देश्य नई पीढ़ी को नशामुक्त जीवन के प्रति प्रेरित करना तथा विकसित भारत के निर्माण में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना है।इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्यक्रम के लिए बिहार के चयनित महाविद्यालयों में शामिल गया कॉलेज, गया में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी विद्यार्थियों के साथ लाइव जुड़े और उन्हें संबोधित किया है। प्रधानमंत्री ने अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में कहा कि विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा, जब देश का युवा स्वस्थ, जागरूक और नशामुक्त होगा। उन्होंने कहा कि एक नशामुक्त युवा केवल अपने परिवार का ही नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र की प्रगति का आधार बनता है। उन्होंने युवाओं से स्वयं नशे से दूर रहने तथा समाज को भी नशामुक्त बनाने का आह्वान किया है।इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मगध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दिलीप कुमार केसरी थे। विशिष्ट अतिथियों में कुलसचिव प्रो. विनोद कुमार मंगलम, कुलानुशासक प्रो. कृष्णदेव प्रसाद वर्मा तथा राष्ट्रीय सेवा योजना, मगध विश्वविद्यालय के समन्वयक डॉ. पिंटू कुमार उपस्थित रहे हैं। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता गया कॉलेज, गया के प्राचार्य प्रो. सतीश सिंह चंद्र ने की है।प्राचार्य प्रो. सतीश सिंह चंद्र ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि गया कॉलेज के लिए यह अत्यंत गौरव और ऐतिहासिक अवसर है कि प्रधानमंत्री ने सीधे यहाँ के विद्यार्थियों से संवाद किया। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि महाविद्यालय की शैक्षणिक एवं सामाजिक प्रतिष्ठा का प्रमाण है तथा इससे विद्यार्थियों में राष्ट्र निर्माण के प्रति नई ऊर्जा का संचार होगा। उन्होंने उपस्थित सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को नशामुक्त भारत के निर्माण का संकल्प भी दिलाया।कुलसचिव प्रो. विनोद कुमार मंगलम ने युवाओं से सकारात्मक सोच, अनुशासन और राष्ट्रसेवा को जीवन का लक्ष्य बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि ऐसा नशा अपनाइए जो आपको सफलता, समाज सेवा और राष्ट्र निर्माण की ओर ले जाए।मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. दिलीप कुमार केसरी ने गया कॉलेज की गौरवशाली परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि इस ऐतिहासिक कार्यक्रम के बाद विद्यार्थियों की सामाजिक जिम्मेदारी और बढ़ गई है। उन्होंने राष्ट्रीय सेवा योजना के

इनर व्हील क्लब ऑफ गया द्वारा मेगा निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर (फेज-1) का सफल आयोजन

- 300 मरीजों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया

प्रात: किरण संवाददाता

गया, 2 अगस्त। इनर व्हील क्लब ऑफ गया, डिस्ट्रिक्ट 325 द्वारा मेगा निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर (फेज-1) का सफल आयोजन किया गया है। यह शिविर क्लब की जनसेवा एवं स्वास्थ्य जागरूकता की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। शिविर में लगभग 300 मरीजों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा उन्हें विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा परामर्श एवं आवश्यक उपचार उपलब्ध कराया गया है।इस शिविर में विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने अपनी निःस्वार्थ सेवाएँ प्रदान कीं। इनमें डॉ. रामसेवक सिंह (फिजीशियन), डॉ. मधुबाला, डॉ. रेनू (स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ), डॉ. रश्मि ओझा, डॉ. अमिताभ भदानी (दंत चिकित्सक) तथा डॉ. निमीसा (नेत्र रोग विशेषज्ञ) शामिल रहीं। सभी चिकित्सकों ने मरीजों की गहन स्वास्थ्य जांच कर उन्हें आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया है।

शिविर में आए बच्चों को पढ़ाई संबंधी सामग्री वितरित की गई है। वहीं स्वास्थ्य जांच कराने आए सभी मरीजों को हॉर्लिक्स, बिस्कुट, आवश्यक दवाइयाँ, ओआरएस घोल, जूस एवं अन्य उपयोगी सामग्री निःशुल्क प्रदान की गई, ताकि उन्हें उपचार के साथ-साथ पोषण एवं स्वास्थ्य संबंधी सहायता भी मिल सके।

इस अवसर पर क्लब की अध्यक्षा आभा सिंह ने सभी चिकित्सकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह मेगा निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का प्रथम चरण (फेज-1) है। आने वाले चरणों में भी अधिक से अधिक जरूरतमंद लोगों तक स्वास्थ्य सेवाएँ पहुँचाने का प्रयास किया जाएगा।

इस कार्यक्रम में क्लब की अध्यक्षा आभा सिंह, सचिव राखी भदानी, पीएस दुर्बा सहाय, पीडीसी अंजना पोद्दार, पीपी राज ढिल्लन, पीपी आभा सिंह, कोषाध्यक्ष सीतल गुप्ता तथा क्लब की सदस्य अनामिका एवं स्मिता सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहीं हैं।इस कार्यक्रम का उद्देश्य समाज के जरूरतमंद लोगों तक निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाएँ पहुँचाना, स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा आवश्यक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सामग्री उपलब्ध कराना था।

विश्व अंगदान दिवस पर स्वास्थ्य जांच शिविर व ब्लाइंड वॉक, अंगदान-नेत्रदान का दिया संदेश

प्रात : किरण संवाददाता

सीवान। विश्व अंगदान दिवस के अवसर पर रविवार को दधिची देहदान समिति, सिवान इकाई, सिवान ब्लड डोनर क्लब एवं रोटरी क्लब ऑफ सिवान संकल्प के संयुक्त तत्वावधान में गांधी मैदान में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर एवं ब्लाइंड वॉक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया तथा सैकड़ों लोगों की निःशुल्क शुगर एवं ब्लड प्रेशर जांच की गई। कार्यक्रम में दधिची देहदान समिति, सिवान के संरक्षक डॉ. संजय सिंह, डॉ. प्रदीप कुमार, डॉ. श्वेता रानी तथा सुनील श्रीवास्तव उपस्थित रहे। इस अवसर पर समिति

के अध्यक्ष नीलेश वर्मा नील ने कहा कि ब्लाइंड वॉक का उद्देश्य समाज को यह अनुभव कराना है कि दृष्टिबाधित व्यक्ति अपने दैनिक जीवन में किन चुनौतियों का सामना करते हैं। उन्होंने लोगों से नेत्रदान एवं अंगदान का संकल्प लेने की अपील करते हुए कहा कि एक संकल्प किसी के जीवन में नई रोशनी और नया जीवन दे सकता है। कार्यकारी सचिव कुमार प्रशांत एवं सचिव सतीश शर्मा ने अंगदान और नेत्रदान के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। वहीं उपाध्यक्ष राकेश सहाय ने अंगदान को मानवता की सबसे बड़ी सेवा बताते हुए अधिक से अधिक लोगों से इस महादान से जुड़ने का आह्वान किया।

रोटरी क्लब ऑफ सिवान संकल्प के अध्यक्ष राजीव रंजन ने कहा कि ऐसे जन-जागरूकता कार्यक्रम समाज में सकारात्मक संदेश देते हैं। चार्टर्ड सेक्रेटरी डॉ. पंकज कुमार ने स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां साझा कीं, जबकि रोटरी के पूर्व अध्यक्ष सुधीर पाठक एवं ललन जी ने स्वास्थ्य जांच कर लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। स्वास्थ्य जांच शिविर के बाद गांधी मैदान से जे.पी. चौक तक प्रतिभागियों ने आंखों पर काली पट्टी बांधकर ब्लाइंड वॉक निकाली। इस दौरान अंगदान एवं नेत्रदान के प्रति जन-जागरूकता का संदेश दिया गया, जिसे लोगों ने सराहा। कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रदीप कुमार, राकेश कुमार, पिंटू कुमार, सीमा तिवारी, प्रियंका भारती, रश्मि गिरी, राजीव रंजन, अक्षत नील, राजा कुमार तथा डेनियल ग्रुप के विदित कुमार सहित अनेक स्वयंसेवकों ने सक्रिय भूमिका निभाई। इसके अलावा सिवान पिंकाथॉन की महिलाओं, इनर व्हील क्लब तथा डेनियल क्लब के सदस्यों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाया। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित लोगों ने जीते-जी रक्तदान तथा मृत्यु के बाद अंगदान एवं नेत्रदान का संकल्प लेने की अपील की गई। वक्ताओं ने कहा कि हृअंगदान महादानहृ किसी जरूरतमंद को नया जीवन और नई रोशनी देने का सबसे बड़ा माध्यम है।

केआर स्कूल के पूर्वी छोर से अम्बेडकर चौक होते संत जेवियर हॉयर सेकेंड्री स्कूल की जर्जर सड़क और नाला का 3.06 करोड़ से होगा नवनिर्माण: गरिमा

प्रात : किरण संवाददाता

बेतिया। महापौर गरिमा देवी सिकारिया ने बताया कि बिहार शहरी आधारभूत संरचना विकास निगम लिमिटेड (बुडको) प्रशासन द्वारा मुख्यमंत्री समग्र शहरी विकास योजना के तहत नगर क्षेत्र में आधारभूत संरचना विस्तार से संबंधित दो महत्वपूर्ण परियोजनाओं के लिए निविदा जारी कर दी है। महापौर श्रीमती सिकारिया ने जारी निविदा आमंत्रण विज्ञप्ति के हवाले से महापौर श्रीमती सिकारिया ने बताया कि इन दोनों योजनाओं पर लगभग 3.06 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। बुडको प्रशासन द्वारा जारी निविदा के क्रम संख्या-2 पर अंकित संत जेवियर हॉयर सेकेंड्री स्कूल के दक्षिणी बाउंड्री से छोटी नहर तक आरसीसी नाला

निर्माण कराया जाएगा। इस योजना की प्राक्कलित लागत 80.11 लाख रुपये निर्धारित की गई है तथा निर्माण कार्य को चार माह में पूरा करना होगा। वहीं क्रम संख्या-5 के तहत नगर निगम क्षेत्र में केआर स्कूल की पूर्वी बाउंड्री से अंबेडकर चौक एवं छोटी नहर तक पीसीसी सड़क निर्माण की स्वीकृति दी गई है। इस परियोजना की प्राक्कलित लागत 2.25 करोड़ 87 हजार रुपये है। इस कार्य की निर्धारित पूर्णता अवधि आठ माह निर्धारित की गई है। बुडको के परियोजना निदेशक द्वारा जारी संबंधित निविदा की निर्धारित शर्तों के अनुसार इच्छुक संवेदक 17 अगस्त से 25 अगस्त तक ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर निविदा दस्तावेज प्राप्त कर सकेंगे तथा 25 अगस्त 2026 को अपराह्न 3 बजे तक ऑनलाइन निविदा अपलोड की जा सकेगी। तकनीकी निविदा 25 अगस्त को अपराह्न 3:30 बजे खोली जाएगी, जबकि वित्तीय निविदा तकनीकी मूल्यांकन के बाद खोली जाएगी। महापौर श्रीमती सिकारिया ने बताया कि इन दोनों परियोजनाओं के पूरा होने से नगर क्षेत्र में जल निकासी व्यवस्था सुदृढ़ होने के साथ आवागमन की सुविधा बेहतर होगी और बरसात के दौरान जलजमाव की समस्या में भी उल्लेखनीय कमी आने की उम्मीद है।

संक्षिप्त खबरें

सार्वजनिक अवकाश के कारण 4 अगस्त का सहयोग शिविर अब 5 अगस्त को होगा

बेतिया। 4 अगस्त 2026 को सार्वजनिक अवकाश घोषित रहने के कारण जिले के सभी प्रखंडों की पंचायतों एवं नगर निकायों के वार्डों में निर्धारित सहयोग शिविर अब 5 अगस्त 2026 (बुधवार) को उसी निर्धारित स्थल पर आयोजित किए जाएंगे। जिला पदाधिकारी तरनजोत सिंह ने कहा कि सामान्य प्रशासन विभाग, बिहार के निर्देशानुसार यदि प्रत्येक माह के प्रथम अथवा तृतीय मंगलवार को सार्वजनिक अवकाश रहता है, तो सहयोग शिविर का आयोजन अगले कार्य दिवस पर किया जाएगा। इसी प्रावधान के तहत यह निर्णय लिया गया है। उन्होंने संबंधित सभी अधिकारियों को 5 अगस्त को निर्धारित स्थलों पर सहयोग शिविर का सफल आयोजन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। सहयोग शिविर के संचालन से संबंधित अन्य सभी दिशा-निर्देश एवं मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) पूर्ववत प्रभावी रहेंगे।

पति-पत्नी के विवाद के बाद युवक ने कलाई काटी, डॉक्टरों की तत्परता से बची जान

बगहा। बगहा पुलिस जिला के पटखौली थाना क्षेत्र के कैलाश नगर मोहल्ला में घरेलू विवाद के बाद एक युवक ने शीशे के टुकड़े से अपनी दाहिने हाथ की कलाई काट ली। अधिक रक्तस्राव होने से उसकी हालत गंभीर हो गई। हालांकि, समय पर अस्पताल पहुंचने और चिकित्सकों की तत्परता से उसकी जान बच गई। घायल की पहचान कैलाश नगर निवासी अकबर अंसारी के 25 वर्षीय पुत्र अफजल अंसारी के रूप में हुई है। घटना के बाद उसके दोस्तों ने बिना समय गंवाए उसे अनुमंडलीय अस्पताल बगहा पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने तत्काल उपचार शुरू किया। अनुमंडलीय अस्पताल के चिकित्सक डॉ. विजय कुमार ने बताया कि युवक की कलाई पर गहरा घाव था और काफी मात्रा में खून बह चुका था। स्थिति गंभीर होने के कारण तुरंत ऑपरेशन का निर्णय लिया गया। लगभग दो घंटे तक चली प्लास्टिक सर्जरी के बाद रक्तस्राव पर सफलतापूर्वक नियंत्रण पा लिया गया, जिससे उसकी जान बचाई जा सकी। डॉ. विजय कुमार ने बताया कि यदि युवक को अस्पताल पहुंचाने में थोड़ी भी देर होती या उसे किसी अन्य अस्पताल रेफर करना पड़ता, तो रास्ते में उसकी जान को गंभीर खतरा हो सकता था। फिलहाल युवक की हालत स्थिर है और वह चिकित्सकीय निगरानी में उपचाराधीन है।

साइबर कैफे में लगी आग, कंप्यूटर-प्रिंटर समेत हजारों का सामान जलकर राख

सिवान/महराजगंज। थाना क्षेत्र के धोबवलिया स्थित सुजीत साइबर कैफे में शनिवार देर रात अज्ञात कारणों से आग लग गई। घटना से आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। आग की चपेट में आने से दुकान में रखा कंप्यूटर, प्रिंटर सहित अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण एवं सामान जलकर राख हो गया। इससे हजारों रुपये के नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है। जानकारी के अनुसार, रविवार सुबह दुकान के संचालक एवं जिगरावा पंचायत के पैक्स अध्यक्ष अरुण प्रसाद जब अपनी दुकान पर पहुंचे तो देखा कि दुकान के अंदर रखा अधिकांश सामान आग से जल चुका है। उन्होंने आशंका जताई कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने पेट्रोल छिड़ककर दुकान में आग लगाई है। घटना की सूचना तत्काल डायल 112 पुलिस एवं अग्निशमन विभाग को दी गई। सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ी और डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची तथा आग पर काबू पाने के साथ मामले की जांच शुरू कर दी। फिलहाल आग लगने के वास्तविक कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच कर रही है। घटना के बाद क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएँ हो रही हैं।

चहल्लुम व महाविरी झंडा को लेकर बगहा के विभिन्न थानों में शांति समिति की बैठक संपन्न

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। चहल्लुम और महाविरी झंडा पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से बगहा जिले के विभिन्न थानों में रविवार को शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। वाल्मीकिनगर, लौकरिया, भितहा, धनहा समेत कई थानों में आयोजित बैठकों में जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों, धार्मिक प्रतिनिधियों और स्थानीय लोगों ने भाग लिया तथा प्रशासन को पूर्ण सहयोग का भरोसा दिया। बैठक में संबंधित थानाध्यक्षों ने पर्व के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। लौकरिया थानाध्यक्ष अमन कुमार, भितहा थानाध्यक्ष अभिलाष कुमार, धनहा थानाध्यक्ष अमित कुमार तथा वाल्मीकिनगर थानाध्यक्ष मनोज कुमार ने बताया कि चहल्लुम एवं महाविरी झंडा जुलूस के दौरान किसी भी प्रकार की अमर्यादित भाषा, भड़काऊ या उत्तेजक गीत तथा डीजे के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। किसी भी तरह की अफवाह फैलाने या सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश करने वालों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि जुलूस या शोभायात्रा निकालने के लिए संबंधित आयोजकों को पूर्व में थाना में आवेदन देकर लाइसेंस प्राप्त करना अनिवार्य होगा। बिना लाइसेंस के किसी भी प्रकार के जुलूस की अनुमति नहीं दी जाएगी। प्रशासन की ओर से सभी आयोजकों से निर्धारित मार्ग, समय और प्रशासनिक निर्देशों का पालन करने की अपील की गई। बैठक में समाजसेवी अमित कुमार सिंह, बीडीसी सदस्य प्रेम कुमार, उपमुखिया रवि कुमार सहित विभिन्न पंचायतों के जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक एवं शांति समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

बाल हृदय योजना से 23 बच्चों को मिली नई उम्मीद

प्रात : किरण संवाददाता

बेतिया। पश्चिम चंपारण जिले में बाल हृदय योजना के तहत जन्मजात हृदय रोग से पीड़ित 23 चिन्हित बच्चों को निःशुल्क जांच एवं उपचार के लिए एम्बुलेंस के माध्यम से जय प्रभा मेदांता सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल भेजा गया। अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ० रमेश चंद्रा ने हरी झंडी दिखाकर सभी बच्चों को रवाना किया। अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ० रमेश चंद्रा ने बताया कि बाल हृदय योजना के अंतर्गत अब तक पश्चिम चंपारण जिले के 100 से अधिक जन्मजात हृदय रोग से ग्रसित बच्चों का सफलतापूर्वक निःशुल्क ऑपरेशन कराया जा चुका है। इस योजना के माध्यम से आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों को बेहतर एवं जीवनरक्षक चिकित्सा उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम की टीम द्वारा विद्यालयों एवं आंगनबाड़ी केंद्रों पर नियमित स्वास्थ्य जांच अभियान चलाया जाता है। इसी दौरान जिन बच्चों में जन्मजात हृदय रोग के लक्षण पाए जाते हैं, उन्हें विशेषज्ञ चिकित्सकों से निःशुल्क जांच कराकर बाल हृदय योजना के अंतर्गत रेफर किया जाता है। उन्होंने बताया कि योजना का उद्देश्य हृदय रोग से पीड़ित बच्चों की समय पर पहचान कर उन्हें उच्चस्तरीय चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना है, ताकि उनका समय रहते उपचार हो सके और वे स्वस्थ एवं सामान्य जीवन जी सकें। जिला स्वास्थ्य प्रशासन ने अभिभावकों से अपील की है कि यदि किसी बच्चे में हृदय रोग से संबंधित लक्षण दिखाई दें तो वे निकटतम स्वास्थ्य केंद्र या आरबीएसके टीम से संपर्क कर योजना का लाभ उठाएं।

भटक रही असहाय महिला को मिला सहारा, माहेर ममता निवास भेजी गई

प्रात : किरण संवाददाता

रक्सौल। शहर के सैनिक रोड पर बारिश के दौरान भटक रही एक असहाय महिला को स्थानीय लोगों की सतर्कता और स्वच्छ रक्सौल की पहल से सुरक्षित आश्रय मिल गया। महिला मानसिक रूप से अस्वस्थ प्रतीत हो रही थी। उसे बेहतर उपचार और देखभाल के लिए माहेर ममता निवास भेजा गया है। जानकारी के अनुसार, महिला काफी देर से सड़क पर इधर-उधर भटक रही थी। स्थानीय लोगों ने उससे बातचीत कर उसका नाम और पता जानने की कोशिश की, लेकिन वह स्पष्ट जानकारी नहीं दे सकी। कभी वह बेतिया, कभी सुगौली तो कभी मझरिया का नाम बता रही थी। इससे लोगों को उसकी मानसिक स्थिति सामान्य नहीं होने का संदेह हुआ। इसके बाद स्वच्छ रक्सौल से जुड़े समाजसेवी रणजीत सिंह को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही वे सबरा खातून के साथ मौके पर पहुंचे। सबसे पहले स्थानीय थाना को मामले की जानकारी दी गई। आवश्यक प्रक्रिया के बाद माहेर ममता निवास की टीम को बुलाया गया, जिसने महिला को अपने संरक्षण में ले लिया। समाजसेवियों ने बताया कि माहेर ममता निवास मानसिक रूप से कमजोर, बेसहारा और परित्यक्त महिलाओं के पुनर्वास के क्षेत्र में लगातार कार्य कर रहा है। संस्था ऐसी महिलाओं को सुरक्षित आवास, पौष्टिक भोजन, नियमित चिकित्सा, दवा और आवश्यक देखभाल उपलब्ध कराती है। साथ ही उनकी पहचान कर परिजनों तक पहुंचाने का भी प्रयास किया जाता है। स्थानीय लोगों ने इस मानवीय पहल की सराहना करते हुए कहा कि समय पर की गई मदद से एक असहाय महिला को सुरक्षित जीवन और उपचार की नई उम्मीद मिली है।

नेपाल से इलायची निर्यात में 64 प्रतिशत की बढ़ोतरी, निर्यात से रिकॉर्ड आय

बगहा। नेपाल से बड़ी इलायची (ब्लैक कार्डमम) के निर्यात में चालू वित्तीय वर्ष के दौरान उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। सीमा शुल्क विभाग के ताजा आंकड़ों के अनुसार, पिछले वर्ष की तुलना में इलायची के निर्यात में लगभग 64 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। बढ़ती अंतरराष्ट्रीय मांग और बेहतर बाजार मूल्य के कारण देश को रिकॉर्ड विदेशी मुद्रा की आय हो रही है। आंकड़ों के अनुसार, चालू वित्तीय वर्ष के पहले 11 महीनों में नेपाल ने 6,034 टन बड़ी इलायची का निर्यात किया, जिससे 12.01 अरब नेपाली रुपये की आमदनी हुई। यह नेपाल के इतिहास में इलायची निर्यात से प्राप्त अब तक की सबसे अधिक आय है। नेपाल की बड़ी इलायची का सबसे बड़ा खरीदार भारत है, जहां से इसका बड़ा हिस्सा पाकिस्तान और मध्य-पूर्व के देशों में पुनः निर्यात किया जाता है। नेपाली बड़ी इलायची अपनी विशेष सुगंध और पारंपरिक भट्ठी में सुखाने की प्रक्रिया के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में अलग पहचान रखती है। नेपाल बड़ी इलायची उद्यमी महासंघ के अध्यक्ष दीपक नेपाल ने कहा कि इस वर्ष किसानों को बेहतर कीमत मिलने से उत्पादन बेचने का उत्साह बढ़ा है। पूरे सीजन के दौरान कीमतें लगभग 2,500 नेपाली रुपये प्रति किलोग्राम के आसपास स्थिर रहने से किसानों और व्यापारियों दोनों को लाभ हुआ।

पवित्र सावन माह को लेकर प्रत्येक सोमवार को कांवड़ियों को मिलेगा फल व शुद्ध जल

प्रात : किरण संवाददाता

रक्सौल। पवित्र सावन माह में बाबा बैद्यनाथ धाम, देवघर जाने वाले कांवड़ियों और श्रद्धालुओं की सेवा के उद्देश्य से रक्सौल की सामाजिक संस्था श्री रौनियार वैश्य बंधु समिति की इकाई रौनियार बोलबम सेवा समिति द्वारा फल एवं शुद्ध पेयजल वितरण का आयोजन किया जाएगा। इसको लेकर समिति की एक बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता नवगठित समिति के अध्यक्ष राजकुमार गुप्ता ने की। इस दौरान बैठक में निर्णय लिया गया कि सावन माह की प्रत्येक सोमवारी को स्टेशन रोड स्थित न्यू मार्केट के समीप सेवा शिविर लगाया जाएगा। यहां से गुजरने वाले कांवड़ियों एवं श्रद्धालुओं को निःशुल्क फल, शुद्ध पेयजल एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। समिति के अध्यक्ष राजकुमार गुप्ता ने बताया कि वर्ष 1954 में स्थापित श्री रौनियार वैश्य बंधु समिति सामाजिक एवं धार्मिक कार्यों में लगातार सक्रिय रही है इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष बोलबम सेवा समिति का गठन किया गया तथा इस वर्ष समिति द्वारा सेवा शिविर लगाया जा रहा है. उन्होंने समाज के लोगों से अधिक से अधिक संख्या में जुड़कर इस पुनीत कार्य को सफल बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि सेवा ही सच्चा धर्म है की भावना के साथ यह आयोजन श्रद्धालुओं की सुविधा और जनसेवा को समर्पित रहेगा. आयोजन को सफल बनाने के लिए 31 सदस्यीय समिति का गठन किया गया है। वहीं इसकी जानकारी देते हुए मीडिया प्रभारी अजीत कुमार व विनोद कुमार गुप्ता ने संयुक्त रूप से बताया कि सावन का महीना भगवान शिव की आराधना का पर्व है। ऐसे में शिवभक्तों की सेवा करना हमारे लिए सौभाग्य की बात है। समिति का प्रयास रहेगा कि हर श्रद्धालु को बेहतर सुविधा मिले और सेवा कार्य पूरी श्रद्धा एवं अनुशासन के साथ संपन्न हो।

प्रखण्ड स्तरीय एफएलएन मास्टर ट्रेनर्स का कार्यशाला आयोजित

रक्सौल। बिहार शिक्षा परियोजना के तत्वावधान में राज्य एवं जिला से निर्गत पत्र एवं स्थानीय प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी प्राण रंजन प्रसाद के निदेर्शानुसार प्रखण्ड संसाधन केन्द्र रक्सौल में प्रखण्ड स्तरीय बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान मास्टर ट्रेनर्स प्रशिक्षण का सफल आयोजन जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर मदन प्रसाद यादव के नेतृत्व में किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य कक्षा 4 से 8 में एफएलएन के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु मास्टर ट्रेनर्स को टीचिंग एट दी राइट लेवल विद्यालय आधारित शिक्षण पद्धति, गतिविधि-आधारित अधिगम एवं अधिगम आकलन के विभिन्न आयामों से उन्मुख करना था। प्रशिक्षण के दौरान एफएलएन की विस्तृत रूपरेखा टीचिंग एट दी राइट लेवल विद्यालय स्तर पर प्रभावी क्रियान्वयन, शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया, अधिगम आकलन एवं शैक्षणिक सहयोग के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम में जिला स्तरीय प्रथम संस्था की ओर से कृष्णमोहन सिंह, नोडल शिक्षक मदन प्रसाद यादव बी.आर.सी. रक्सौल एवं मनीष कुमार आई.सी.टी. को-ऑडिनेटर ने सफलतापूर्वक शिक्षकों का उन्मुखीकरण किया। यह कार्यशाला प्रखण्ड शिक्षा पदाधिकारी रक्सौल के मार्ग दर्शन एवं निर्देशन में सम्पन्न हुआ। मुख्य प्रशिक्षक मदन प्रसाद यादव ने एफएलएन एवं टीचिंग एट दी राइट लेवल विद्यालय की अवधारणा, गतिविधि-आधारित शिक्षण, अधिगम आकलन तथा विद्यालय स्तर पर प्रभावी क्रियान्वयन के विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया। इस अवसर पर प्रखण्ड स्तरीय तकनीकि शिक्षक र संतोष कुमार ने इसके सफल क्रियान्वयन में आने वाली संभावित चुनौतियों, उनके व्यावहारिक समाधान तथा शैक्षणिक सहयोग की रूपरेखा पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम का मंच संचालन आई. सी. टी. को-ऑडिनेटर मनीष कुमार ने किया। प्रशिक्षण में प्रखण्ड के सभी सीआरसी से दो-दो चयनित मास्टर ट्रेनर्स ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। मास्टर ट्रेनर्स के रूप में गोपाल शर्मा, राम बाबू पासवान मोनाफ अंसारी, पुष्पेन्दू कुमार, ध्रुव कुमार, दुर्गेश कुमार, राज कुमार, अभिजीत कुमार गौरीशंकर राम एवं नेहा कुमारी सहित सभी चयनित शिक्षकों ने सक्रिय सहभागिता करते हुए प्रशिक्षण प्राप्त किया।

चहल्लुम व श्रावणी स्नान को लेकर इंडो-नेपाल सीमा पर सुरक्षा कड़ी, गंडक बराज पर सघन जांच अभियान

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। चहल्लुम और श्रावणी स्नान पर्व को लेकर भारत-नेपाल सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। इंडो-नेपाल सीमा स्थित गंडक बराज पर एसएसबी द्वारा सघन जांच अभियान चलाया जा रहा है। सीमा से आने-जाने वाले प्रत्येक व्यक्ति और वाहन की बारीकी से जांच की जा रही है, ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर समय रहते कार्रवाई की जा सके। जांच अभियान के दौरान यात्रियों के आधार कार्ड समेत अन्य पहचान पत्रों का सत्यापन किया जा रहा है। वहीं, उनके सामान की भी विधिवत स्क्रीनिंग की जा रही है। सुरक्षा बल

वाहनों की डिक्की, बैग और अन्य सामान की गहन जांच कर रहे हैं तथा संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ भी की जा रही है। एसएसबी इंस्पेक्टर लोकेश बनिया तथा गंडक बराज पोस्ट प्रभारी रुद्र प्रताप सिंह स्वयं मौके पर मौजूद रहकर जांच अभियान की निगरानी कर रहे हैं। अधिकारियों ने जवानों को सतर्कता के साथ ड्यूटी निभाने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल उच्च अधिकारियों को देने का निर्देश दिया है। अधिकारियों ने बताया कि चहल्लुम और श्रावणी स्नान के दौरान सीमावर्ती क्षेत्र में लोगों की आवाजाही बढ़ जाती है। इसे देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया गया है। सीमा पर अतिरिक्त बल की तैनाती के साथ चौकसी बढ़ा दी गई है, ताकि त्योहारों के दौरान शांति, सौहार्द और कानून-व्यवस्था पूरी तरह कायम रहे।

दीपमाला खरेल धकाल ने जीता मिस नेपाल हांगकांग इंटरनेशनल 2026 का ताज

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। नेपाली मूल की प्रतिभाशाली युवती दीपमाला खरेल धकाल ने मिस नेपाल हांगकांग इंटरनेशनल 2026 का खिताब अपने नाम कर लिया है। हांगकांग के ईटन होटल में आयोजित भव्य समारोह में उन्हें वर्ष 2024 की विजेता आश्मा कुमारी केसी ने ताज पहनाकर सम्मानित किया। इस उपलब्धि के साथ दीपमाला इस प्रतियोगिता की पहली विजेता बनी हैं। दीपमाला खरेल धकाल हांगकांग में पली-बढ़ी नेपाली मूल की युवा हैं। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपने परिवार, विशेष रूप से अपनी मां को दिया, जिन्होंने वर्षों पहले मिस नेपाल प्रतियोगिता में भाग लिया था। दीपमाला ने कहा कि उनकी मां से मिली प्रेरणा ने उन्हें इस मुकाम तक पहुंचने का हौसला दिया। इस जीत के बाद दीपमाला अब मिस नेपाल 2026 प्रतियोगिता में हांगकांग का प्रतिनिधित्व करेंगी। आयोजकों ने विश्वास जताया कि उनकी प्रतिभा, आत्मविश्वास और सामाजिक सरोकार उन्हें राष्ट्रीय मंच पर भी मजबूत दावेदार बनाएंगे। दीपमाला की इस उपलब्धि पर हांगकांग और नेपाल दोनों स्थानों के नेपाली समुदाय में खुशी का माहौल है।

वाल्मीकिनगर में मशहूर शायरा शाइस्ता का भव्य स्वागत व सम्मान समारोह आयोजित

बगहा। भारत-नेपाल सीमा स्थित वाल्मीकिनगर में रविवार को मशहूर शायरा शाइस्ता परवीन का भव्य स्वागत एवं सम्मान किया गया। उनके दो दिवसीय वाल्मीकिनगर प्रवास के अवसर पर पंचायत भवन परिसर में सम्मान समारोह सह काव्य संवाद का आयोजन किया गया, जिसमें साहित्य, समाजसेवा और विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े बड़ी संख्या में गणमान्य लोग शामिल हुए। समारोह में सुश्री शाइस्ता का पुष्पगुच्छ एवं अंगवस्त्र देकर अभिनंदन किया गया। उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि साहित्य समाज को जोड़ने और नई पीढ़ी को सकारात्मक दिशा देने का सशक्त माध्यम है। शाइस्ता परवीन की शायरी सामाजिक सरोकार, संवेदनशीलता और इंसानी रिश्तों की गहराई को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करती है। कार्यक्रम में रामपुरवा के समाजसेवी सुमन सिंह, शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. आई.बी. कुमार, वाल्मीकिनगर पंचायत के मुखिया पन्नालाल शाह, सदरुल हसन, मोहम्मद सानी, प्रो. जावेद इकबाल सहित बड़ी संख्या में साहित्यप्रेमी एवं गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। बताते चले की शाइस्ता देश के जाने-माने शायर शकील अहमद की पुत्री हैं और वर्तमान में दिल्ली में रहकर साहित्य सृजन कर रही हैं। इस अवसर पर शकील अहमद ने कहा कि साहित्य का उद्देश्य समाज में प्रेम, भाईचारा और इंसानियत के संदेश को मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि सीमावर्ती क्षेत्र वाल्मीकिनगर में साहित्यिक कार्यक्रमों का आयोजन होना पूरे क्षेत्र के लिए गर्व की बात है और ऐसे आयोजन सामाजिक सौहार्द को नई ऊर्जा प्रदान करते हैं।

बगहा उपकारा में बंदियों को नर्सरी प्रबंधन का दिया गया प्रशिक्षण

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। बेतिया वन प्रमंडल के तत्वावधान में बगहा वन प्रक्षेत्र द्वारा शनिवार को बगहा उपकारा (सब-जेल) में बंदियों के लिए दो दिवसीय नर्सरी प्रबंधन (ठ४१२ी१८ टंल्लॉील्ल३) प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य बंदियों को पौधशाला प्रबंधन की व्यावहारिक जानकारी देकर उन्हें स्वरोजगार और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक बनाना है। कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षकों ने पौध तैयार करने की विधि, बीज चयन, पौधों की रोपाई, सिंचाई, जैविक खाद का उपयोग, पौधों की देखभाल तथा नर्सरी संचालन की विभिन्न तकनीकों की विस्तृत जानकारी दी। साथ ही पौध उत्पादन से रोजगार के अवसरों और पर्यावरण संरक्षण में इसकी भूमिका पर भी प्रकाश डाला गया। रेंजर श्रीमान मलाकार ने बताया कि वन विभाग का प्रयास है कि बंदियों को ऐसे कौशल आधारित प्रशिक्षण दिए जाएं, जिससे वे रिहाई के बाद आत्मनिर्भर बन सकें। उन्होंने कहा कि नर्सरी प्रबंधन का प्रशिक्षण न केवल रोजगार का बेहतर माध्यम है, बल्कि हरियाली बढ़ाने और पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। प्रशिक्षण के दौरान बंदियों को पौध तैयार करने से लेकर उनके रखरखाव तक की सभी प्रक्रियाओं की जानकारी दी गई। उन्होंने कहा कि वन विभाग समय-समय पर इस प्रकार के जनजागरूकता एवं कौशल विकास कार्यक्रम आयोजित करता है, ताकि समाज के प्रत्येक वर्ग को पर्यावरण संरक्षण से जोड़ा जा सके। प्रशिक्षण में बंदियों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया और पौधशाला प्रबंधन से जुड़े विभिन्न विषयों पर जानकारी प्राप्त की।

नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान का हुआ शुभारंभ

प्रात : किरण संवाददाता

बेतिया। पश्चिम चंपारण समाहरणालय सभागार में रविवार को ह्लनशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान के शुभारंभ सह जन-जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा राष्ट्र को संबोधित ह्लनशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान का लाइव प्रसारण सभी प्रतिभागियों को दिखाया गया। कार्यक्रम में जिला प्रशासन की ओर से उप विकास आयुक्त काजले वैभव नितिन, वरीय उप समाहर्ता सह विशेष कार्य पदाधिकारी सुजीत कुमार, जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी राकेश कुमार, डीपीएम (शिक्षा विभाग) कुमकुम पाठक तथा डीपीएम जीविका आर. के. निखिल मुख्य रूप से उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने युवाओं से नशा मुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में एनसीसी कैडेट्स, स्काउट एवं गाइड, माय भारत वॉलिंटियर्स तथा विभिन्न शिक्षण संस्थानों के युवा उपस्थित रहे। कार्यक्रम में नशा मुक्ति के प्रति जागरूकता, युवाओं की जिम्मेदारी तथा विकसित भारत के निर्माण में उनकी भूमिका पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम के समापन के उपरांत माय भारत यूथ आइकॉन, बिहार आदित्य मधुकर द्वारा उपस्थित सभी युवाओं को नशा मुक्त भारत का संकल्प दिलाया गया। सभी प्रतिभागियों ने स्वयं नशे से दूर रहने तथा अपने परिवार, मित्रों और समाज को भी नशा मुक्ति के लिए प्रेरित करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर उपस्थित युवाओं को संबोधित करते हुए उप विकास आयुक्त श्री काजले वैभव नितिन ने कहा, भारत विश्व का सबसे युवा देश है। हमारे पास केवल जनसंख्या नहीं, बल्कि जनशक्ति है। यदि यही जनशक्ति नशा मुक्त रहे तो हमारा देश विकास और प्रगति की नई ऊँचाइयों को प्राप्त करेगा। नशा मुक्त भारत केवल एक सामाजिक अभियान नहीं, बल्कि विकसित भारत की पहली शर्त है। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना, उन्हें स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना तथा विकसित भारत 2047 के निर्माण में उनकी सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करना था। उपस्थित सभी युवाओं ने नशा मुक्त समाज के निर्माण हेतु जन-जागरूकता अभियान को जन-जन तक पहुँचाने का संकल्प लिया।

रामसापुर में जनसहयोग से बन रहा भव्य हनुमान मंदिर, श्रद्धालुओं में उत्साह

सीवान/दारौंदा प्रखंड क्षेत्र के रामसापुर पंचायत स्थित रामसापुर गांव में जनसहयोग और सामूहिक आस्था की मिसाल पेश करते हुए भव्य हनुमान मंदिर का निर्माण तेजी से कराया जा रहा है। ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों, व्यवसायियों तथा आसपास के श्रद्धालुओं के सहयोग से चल रहा यह निर्माण कार्य क्षेत्र में आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। मंदिर निर्माण में युवा नेता सुमित सिंह, जदयू नेता बंटी सिंह सहित कई सामाजिक कार्यकर्ता सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। इसके अलावा ग्रामीण और श्रद्धालु अपनी-अपनी क्षमता के अनुसार आर्थिक सहयोग, चंदा एवं श्रमदान कर इस धार्मिक अभियान को सफल बनाने में जुटे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यह मंदिर केवल पूजा-अर्चना का केंद्र नहीं होगा, बल्कि भविष्य में धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक गतिविधियों का प्रमुख स्थल बनेगा। रामसपुर गांव के रोहित कुमार, महेश राय, राजकुमार राय, अवधेश कुमार सहित सैकड़ों ग्रामीणों ने कहा कि यह मंदिर गांव की नई पहचान बनेगा और आने वाली पीढ़ी को अपनी संस्कृति एवं धार्मिक परंपराओं से जोड़ने का कार्य करेगा। ग्रामीणों ने बताया कि मंदिर निर्माण में हर वर्ग के लोग बढ़-चढ़कर भागीदारी निभा रहे हैं। कोई आर्थिक सहयोग कर रहा है तो कोई श्रमदान के माध्यम से अपनी सेवा दे रहा है। सामूहिक सहयोग और जनआस्था के कारण मंदिर निर्माण अभियान लगातार गति पकड़ रहा है। युवा नेता सुमित सिंह ने क्षेत्र के श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में इस पुण्य कार्य में सहभागी बनने की अपील करते हुए कहा कि सभी के सहयोग से मंदिर का निर्माण समय पर एवं भव्य स्वरूप में पूरा किया जाएगा।

मेरा भारत, मुंगेर द्वारा नशा मुक्त युवा विकसित भारत अभियान कार्यक्रम का भव्य आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर । युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में मेरा भारत मुंगेर द्वारा नशा मुक्त युवा विकसित भारत अभियान के अंतर्गत जिला स्तरीय कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम देशभर में चलाए जा रहे । राष्ट्रव्यापी जन-अभियान का एक महत्वपूर्ण हिस्सा था। इस संपूर्ण कार्यक्रम का सफल संयोजन मेरा भारत, मुंगेर के जिला युवा अधिकारी सह नोडल अधिकारी मयंक की देखरेख में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला युवा अधिकारी मयंक द्वारा मुख्य अतिथियों के स्वागत और संयुक्त दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। अपने स्वागत भाषण में मयंक ने कहा कि नशा मुक्ति ही विकसित भारत की वास्तविक नींव है। कार्यक्रम में उप विकास आयुक्त अजीत कुमार सिंह, पुलिस उपाधीक्षक (यातायात) प्रभात रंजन एवं सहायक आयुक्त (उत्पाद) विकेश कुमार सहित अन्य गणमान्य अतिथियों और प्रशासनिक अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही इस अवसर पर मुख्य अतिथियों उप विकास आयुक्त अजीत कुमार सिंह ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि नशामुक्त युवा ही विकसित भारत की सबसे बड़ी ताकत हैं। उन्होंने युवाओं से राष्ट्र निर्माण में अपनी ऊर्जा लगाने और समाज को नशा मुक्त बनाने का आह्वान किया। डीएसपी (यातायात) प्रभात रंजन ने कहा कि नशा न केवल स्वास्थ्य को नुकसान पहुँचाता है, बल्कि सामाजिक और कानूनी समस्याओं की वजह भी बनता है। युवाओं को इस अभियान से जुड़ना एक सुखद बदलाव का संकेत है। सहायक आयुक्त (उत्पाद) विकेश कुमार ने मुंगेर को पूरी तरह नशामुक्त जिला बनाने के लिए प्रशासन, शिक्षण संस्थानों, सामाजिक संगठनों एवं युवाओं के सामूहिक प्रयासों पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि जनभागीदारी से ही इस अभियान को जन-आंदोलन का स्वरूप दिया जा सकता है। कार्यक्रम की मुख्य बातें: सफल संयोजन एवं संचालनः कार्यक्रम के नोडल अधिकारी व जिला युवा अधिकारी मयंक के अभियान की रूपरेखा साझा करते हुए बताया कि युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना और उन्हें राष्ट्र निर्माण से जोड़ना इस अभियान का मुख्य उद्देश्य है। शपथ ग्रहण एवं मुख्य कार्यक्रमः जिला स्तरीय कार्यक्रम में 250 से अधिक युवाओं ने एक साथ नशा मुक्ति की शपथ ग्रहण की तथा माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के प्रेरणादायी संबोधन को ध्यानपूर्वक सुना। व्यापक जनभागीदारी: मुंगेर जिले के सभी प्रखंडों, शैक्षणिक संस्थानों एवं विभिन्न कार्यक्रम स्थलों पर आयोजित कार्यक्रमों के माध्यम से 2,500 से अधिक युवाओं ने इस अभियान में सहभागिता करते हुए नशा मुक्ति की शपथ ली और नशामुक्त व विकसित भारत के निर्माण का संकल्प दोहराया। कार्यक्रम का समापन नशामुक्त, स्वस्थ एवं विकसित भारत के निर्माण तथा मुंगेर को पूरी तरह नशामुक्त जिला बनाने के सामूहिक संकल्प के साथ हुआ।

श्रावणी मेला के पहली सोमवारी को लेकर रविवार को हजारों डाक कांवड़िया अजगैविनाथ धाम के उत्तरवाहिनी गंगा में लगाई डुबकी

प्रात : किरण संवाददाता

भागलपुर सुल्तानगंज। विश्व प्रसिद्ध श्रावणी मेला के चौथे दिन रविवार को पहली सोमवारी को लेकर बिहार, झारखंड, राजस्थान, उत्तरप्रदेश, बंगाल, नेपाल सहित विभिन्न राज्यों के हजारों, हजारों की संख्या में खासकर डाक बम,बोल बम कांवड़ियों की भीड़ उत्तरवाहिनी गंगा घाट पर उमड़ गई है/ आपको बताते चलें कि श्रावण मास में हर वर्ष की भांती इस वर्ष भी प्रत्येक रविवार की तरह इस रविवार को पहले सोमवारी को लेकर हजारों हजारों की संख्या में डाक कांवड़िया अजगैविनाथ धाम पहुंचकर जिला प्रशासन के द्वारा डाक रजिस्ट्रेशन कांउटर पर पहुंचकर डाक रजिस्ट्रेशन करवाते हुए उत्तरवाहिनी गंगा में डुबकी लगाकर पूजा पाठ करते हुए हर हर महादेव,बोल बम के जयकारे के साथ रवाना हो रहे हैं/साथ ही बोल बम कांवड़िया भी पैदल व वाहन से हजारों, हजारों की संख्या में बोल बम ,हर हर महादेव के जयकारे लगाकर रवाना हो रहे हैं/इसको लेकर भागलपुर एस एसपी प्रमोद कुमार यादव ने दल बल के साथ नमामि गंगा घाट एवं अजगैविनाथ गंगा घाट सहित कांवड़िया पथ का निरक्षण कर जायजा लेते हुए मिडिया को बताया कि कल पहली सोमवारी है इसके लिए सुरक्षा व्यवस्था की पुख्ता इंतजाम किये गये है, गंगा घाट में चोरी की घटनाएं होने पर गंगा घाट पर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है,सीवील में भी पुलिस बल की तैनाती की जाएगी, संदिग्ध व्यक्ति व चोर पर पैनी नजर रखी गई,कई चोर को भी हिरासत में लिया गया है कि बात कहते हुए कहा कांवड़ियों को भी अपनी समान की रक्षा करें ताकि चोरी की घटनाएं से बच सके और कहा कि कोई भी समस्या होती है तो पुलिस सुचना केन्द्र में सहायता ले सकते हैं और कहा कि कांवड़ियों की सुविधा के लिए मोबाइल ऐप श्रावणी मेला 2026को सहायता ले सकते हैं, कांवड़ियों की सुरक्षा व्यवस्था के लिए हर समय मुस्तैद होने की बात कही/इस मौके पर थानाध्यक्ष धनंजय कुमार,सीओ रमण कुमार, विडियो संजीव कुमार, दर्जनों पुलिस बल, महिला पुलिस बल सहित हजारों की संख्या में कांवड़िया मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

कांवड़िया वाहनों से फोरेलेन बाबा चौक के पास अवैध पैसा की वसुली

भागलपुर सुल्तानगंज। श्रावणी मेला को लेकर जिला प्रशासन द्वारा फोरलेन बाबा चौक के पास निशुल्क पार्किंग की व्यवस्था करने पर आज रविवार को फोरलेन में कांवड़िया वाहनों से अवैध पैसा की वसुली और कमिशन के नाम अवैध पैसा की वसुली करने पर पुलिस ने तीन लोगों को हिरासत में लिया है, मौके से कई लोग फरार हो गये है/इस मामले में झारखंड के रहनेवाले कांवड़िया वाहन ड्राईवर ने बताया कि फोरलेन बाबा चौक के पास वाहन पार्किंग लगाने पर सात सौ रुपये कमिशन के नाम लिया जा रहा है और कहा कि कई कांवड़िया वाहनों से अवैध पैसा की वसुली किया जा रहा है/इसकी भनक स्थानीय पुलिस को मिलने पर मौके पर पुलिस पहुंचकर तीन लोगों को हिरासत में ले लिया है, मौके से कई लोग फरार हो गये है/पुलिस पुरे घटना को लेकर घटना की छानबीन में जुट गई है।

दिगंबर जैन मंदिर में धूमधाम से संपन्न हुआ चातुर्मास मंगल कलश स्थापना समारोह

गया। सकल दिगंबर जैन समाज के तत्वावधान में रविवार को शहर के रमना रोड स्थित दिगंबर जैन मंदिर में चातुर्मास मंगल कलश स्थापना समारोह हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। परम पूज्य आचार्य विद्यासागर जी एवं आचार्य श्री समय सागर जी महाराज की आज्ञानुवर्ती शिष्या 105 श्री आर्यिका अंतरमति माताजी ससंघ, आर्यिका श्री 105 अनुग्रहमति माताजी एवं आर्यिका श्री 105 स्वाध्याय मति माताजी के मंगल सानिध्य में धमार्मृत पावन वर्षा योग-2026 और चातुर्मास का भव्य आगाज हुआ। भव्य अनुष्ठान और शोभा यात्रा जैन परंपरानुसार सुबह साढ़े छह बजे से अनुष्ठान की शुरूआत हुई। पांच सौभाग्यशाली महिलाओं द्वारा कलश पूजन, मंगलाष्टक, दिगबंधन, अभिषेक, शांतिधारा पाठ, पाद प्रक्षालन और शास्त्र भेंट के पश्चात श्रीफल अर्पित कर मंगल कलश की स्थापना की गई। इसके बाद सुबह साढ़े सात बजे गाजे-बाजे और ढोल-मजीरे के साथ भव्य शोभा यात्रा निकाली गई। यह यात्रा जैन मंदिर से शुरू होकर लोहा पट्टी, जीबी रोड, कोतवाली मोड़, केपी रोड, पान दरीबा और रमना रोड होते हुए वापस जैन मंदिर पहुँची। मंदिर पहुँचकर आर्यिका 105 अंतरमती माता जी के मंत्रोच्चारण से पवित्र जल द्वारा विनायक यंत्र का महाअभिषेक कराया गया।

आईआईएम बोधगया में लक्ष्य 1.0 का आगाज, कॉर्पोरेट दिग्गजों ने छात्रों को दिए सफलता के मंत्र

गया जी।आईआईएम बोधगया ने अपने पहले कॉर्पोरेट लीडरशिप कॉन्क्लेव ह्यलक्ष्य 1.0ह्व का सफल आयोजन किया। इसके साथ ही संस्थान ने अंतिम प्लेसमेंट सत्र 2026-27 की औपचारिक शुरूआत हुई। उद्योग और शिक्षण संस्थानों के बीच बेहतर सहयोग बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में कॉर्पोरेट जगत के वरिष्ठ अधिकारी, संस्थान के शिक्षक और छात्रों ने भाग लिया। इस दौरान नेतृत्व, उद्योग की बदलती जरूरतों और प्रबंधन के क्षेत्र में भविष्य के अवसरों पर चर्चा हुई। यह पहल छात्रों को बदलते कारोबारी माहौल के लिए तैयार करने और उद्योग जगत के साथ मजबूत संबंध बनाने की दिशा में संस्थान की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। कैंपस टू कॉर्पोरेट इनसाइटिंग विजन, शेपिंग लीडर्स थीम पर आयोजित लक्ष्य 1.0 की परिकल्पना आईआईएम बोधगया की निदेशक प्रो. विनिता एस. सहाय के मार्गदर्शन में की गई। इसका उद्देश्य उद्योग और शिक्षण संस्थानों के बीच सहयोग को मजबूत करना तथा कॉर्पोरेट जगत और भावी प्रबंधकों के बीच सार्थक संवाद का मंच तैयार करना है। इस पहल का नेतृत्व करियर डेवलपमेंट सेल की अध्यक्ष प्रो. दीपिका गुप्ता ने किया। उन्होंने इसे केवल प्लेसमेंट तक सीमित न रखकर इंटर्नशिप, लाइव प्रोजेक्ट, अतिथि व्याख्यान, नेतृत्व संवाद और दीर्घकालिक कॉर्पोरेट साझेदारी जैसे अवसरों से भी जोड़ा। ह्यलक्ष्य 1.0ह्व के माध्यम से आईआईएम बोधगया ने उद्योग और शिक्षण संस्थानों के बीच लंबे समय तक सहयोग बढ़ाने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। इस कार्यक्रम में दो विशेष नेतृत्व पैनल चर्चा आयोजित की गईं।

हवेली खड़गपुर में भाजपा नगर मंडल की बैठक, समरसता संकल्प अभियान की रूपरेखा पर चर्चा

प्रात : किरण संवाददाता

हवेली खड़गपुर(मुंगेर)। भारतीय जनता पार्टी के केंद्र, प्रदेश एवं जिला नेतृत्व के निदेर्शानुसार माह के प्रथम रविवार को हवेली खड़गपुर नगर मंडल की बैठक सिंहपुर स्थित सामुदायिक भवन में नगर अध्यक्ष की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में तारापुर विधानसभा संयोजक एवं जिला मंत्री उपस्थित रहे। बैठक का शुभारंभ डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय के तैलचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करने तथा राष्ट्रगान जन-गण-मन के साथ किया गया। इसके बाद पूर्व बैठक की कार्यवाही की पुष्टि की गई। बैठक में संगठन की मजबूती, बूथ स्तर तक पार्टी को सशक्त बनाने तथा कार्यकताओं को सक्रिय रहकर जनसंपर्क बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया। वक्ताओं ने कहा कि संगठन की मजबूती कार्यकताओं की सक्रियता और जनसेवा से ही संभव है। इस दौरान आगामी समरसता संकल्प अभियान को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बताया गया कि संत शिरोमणि गुरु रविदास जयंती के अवसर पर पार्टी द्वारा विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। अभियान के तहत 29 जुलाई 2026 (गुरु पूर्णिमा) से 20 फरवरी 2027 तक अलग-अलग तिथियों में गांव-गांव और टोला-टोला जाकर संत शिरोमणि गुरु रविदास के जीवन, विचार एवं सामाजिक समरसता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य किया जाएगा। साथ ही उनके आदर्शों पर चलते हुए समाज के अंतिम व्यक्ति तक सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचाने का संकल्प दोहराया गया। बैठक में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बिहार वानिकी महाविद्यालय, मुंगेर में 15-दिवसीय स्वच्छता पखवाड़े का शुभारंभ

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर । शनिवार को मुंगेर बिहार वानिकी महाविद्यालय एवं शोध संस्थान, मुंगेर में राष्ट्रीय सेवा योजना एन एस एस के तत्वावधान में 15-दिवसीय स्वच्छता पखवाड़े का भव्य शुभारंभ किया गया। यह विशेष जागरूकता अभियान 1 अगस्त से 15 अगस्त 2026 तक चलेगा। इसका उद्देश्य लोगों को स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना है। स्वच्छता की शपथ के साथ शुरू हुआ अभियान पखवाड़े के शुभारंभ पर महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. अनिल पासवान एवं एन एस एस के प्रभारी पदाधिकारी डॉ. उमा कान्त सिंह की अगुवाई में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान महाविद्यालय के सभी वैज्ञानिकों, कर्मचारियों, छात्र-छात्राओं ने एकजुट होकर स्वच्छता की शपथ ली। अधिष्ठाता डॉ. अनिल पासवान ने कहा कि इस अभियान के माध्यम से हम समाज को जागृत करना चाहते हैं कि पर्यावरण और पेड़-पौधों का संरक्षण किया जाए। इसकी शुरूआत हमें अपने स्तर से करनी होगी। सबसे पहले हम लोगों को अपने महाविद्यालय परिसर को पूरी तरह स्वच्छ बनाना है। उन्होंने सभी से अपील की कि वे एक जिम्मेदार नागरिक बनें और मिलकर महाविद्यालय को स्वच्छ और स्वस्थ बनाएं। एन एस एस प्रभारी ने कहा कि स्वच्छता हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। एक स्वच्छ, स्वस्थ एवं सुव्यवस्थित कार्यस्थल का निर्माण करना प्रत्येक वैज्ञानिक, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राओं का परम कर्तव्य है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य स्वच्छ, हरित एवं सतत भविष्य के प्रति जागरूकता को मजबूत करना है। वृक्षारोपण कर दिया गया हरित संदेश कार्यक्रम के दौरान अधिष्ठाता एवं एन एस एह ठरर प्रभारी पदाधिकारी द्वारा संयुक्त रूप से परिसर में वृक्षारोपण भी किया गया। यह इस बात का प्रतीक है।

बचपन की यादें

प्रात : किरण संवाददाता

बचपन की रंगीन यादों को, दिल में सँजोकर रखे हुए, एक जमाना बीत गया। मम्मी जब सुबह चिल्लाती थीं, नींद और भी गहरी हो जाती थी, ब्रश भी आधी नींद में करते, भागमभाग में ड्रेस थे पहनते, बस स्टॉप पर पहुँचकर धूम मचाए, एक जमाना बीत गया। किताबों में छिपाकर कॉमिक्स पढ़ना, परीक्षा आने पर अच्छे बच्चे बन जाना, बस में खिड़की के लिए मारामारी, मिलकर खेलना वो अंताक्षरी, बीच क्लास में चुराकर टिफिन खाए, एक जमाना बीत गया। कभी खो-खो तो कभी कबड्डी, कभी नीली और लाल परी बन जाते थे, लुका-छिपी का खेल जो होता, मिलकर चोर की बैंड बजाते थे, जंजीरे के खेल में लंबी-लंबी जंजीर बनाए, एक जमाना बीत गया। स्वतंत्रता दिवस का झंडागान, बारिश में भीग कर गाते थे, गणतंत्र दिवस के चार लड्डू, अमृत समझ कर खाते थे, बाल दिवस पर जलेबी की दौड़ लगाए, एक जमाना बीत गया। दिवाली के पटाखे, होली के रंग, दोस्तों के संग नये साल की उमंग, जन्माष्टमी में झांकी लगाना, नवरात्रि में रामलीला देखने जाना, दशहरे के मेले से रंग-बिरंगे गुब्बारे लाए, एक जमाना बीत गया।

अजगैविनाथ गंगा घाट पर विभिन्न राज्यों से आए कांवड़ियों, बच्चों एवं गंगा घाट के पुजारियों ने प्लास्टिक मुक्त रहित श्रावणी मेला अभियान में बढ़-चढ़कर लिया भाग

सुल्तानगंज भागलपुर। वन प्रमंडल, भागलपुर, माटी मंत्रा एवं असर के संयुक्त तत्वावधान में जलवायु समर्थ पंचायत अभियान के अंतर्गत संचालित प्लास्टिक मुक्त रहित श्रावणी मेला92026 के तहत सावन के पहली सोमवारी को लेकर रविवार को सुल्तानगंज गंगा घाट पर व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान का उद्देश्य श्रावणी मेला में आने वाले श्रद्धालुओं एवं कांवरियों को गंगा की स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण तथा प्लास्टिक प्रदूषण से होने वाले दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना था। इस अवसर पर बिहार सहित झारखंड, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल एवं अन्य राज्यों से आए कांवरियों ने अभियान में उत्साहपूर्वक भाग लिया। गंगा घाट पर उपस्थित बच्चों, स्थानीय नागरिकों, सामाजिक कार्यकताओं तथा पुजारियों (पंडितों) ने भी अभियान का समर्थन करते हुए श्रद्धालुओं को स्वच्छता का संदेश दिया। सभी ने एक स्वर में कहा कि गंगा हमारी आस्था, संस्कृति और जीवन का आधार है, इसलिए इसे स्वच्छ रखना प्रत्येक श्रद्धालु का नैतिक एवं सामाजिक दायित्व है। अभियान के दौरान स्वयंसेवकों ने कांवरियों एवं श्रद्धालुओं से व्यक्तिगत रूप से संवाद किया तथा उनसे आग्रह किया कि प्लास्टिक की बोतलें, शैम्पू पाउच, अगरबत्ती के रैपर, पूजा सामग्री की प्लास्टिक पैकिंग, पॉलीथिन एवं अन्य प्लास्टिक कचरा गंगा में बिल्कुल भी न डालें। लोगों से अपील की गई कि वे कचरे को निर्धारित डस्टबिन में ही डालें और दूसरों को भी ऐसा करने के लिए प्रेरित करें। गंगा घाट पर मौजूद पुजारियों ने अपने संदेश में कहा कि माँ गंगा को स्वच्छ रखना ही सच्ची पूजा और भगवान शिव के प्रति वास्तविक श्रद्धा है। यदि हम गंगा को प्रदूषित करते हैं तो हमारी आस्था का उद्देश्य अधूरा रह जाता है। उनके इस संदेश का श्रद्धालुओं पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा और अनेक कांवरियों ने अभियान में अपनी सहभागिता दर्ज कराई। अभियान के दौरान बच्चों ने हाथों में जागरूकता तख्तियाँ लेकर स्वच्छ गंगा झ सच्ची भक्ति, बोल बम प्लास्टिक कम, गंगा है कूड़ेदान नहीं तथा प्लास्टिक छोड़ो, प्रकृति जोड़ो जैसे संदेशों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया। कई श्रद्धालुओं ने स्वयं आगे बढ़कर प्लास्टिक का उपयोग कम करने तथा गंगा को स्वच्छ रखने का संकल्प लिया। आयोजकों ने बताया कि प्लास्टिक मुक्त हरित श्रावणी मेलाझ2026ह्व केवल एक अभियान नहीं, बल्कि जनभागीदारी के माध्यम से गंगा संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण का एक व्यापक जनआंदोलन है। पूरे श्रावणी मेला अवधि में प्रत्येक सप्ताह गंगा घाटों एवं प्रमुख स्थलों पर जन-जागरूकता कार्यक्रम, स्वच्छता अभियान, संवाद, पर्यावरण संरक्षण गतिविधियाँ तथा जनसहभागिता आधारित कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

जर्जर सड़क पर पलटा ई-रिक्शा, यात्री बाल-बाल बचे; श्रृंगार दुकान को भी नुकसान

प्रात : किरण संवाददाता

हवेली खड़गपुर (मुंगेर)। नगर के मुख्य बाजार स्थित कुलकुला स्थान के समीप शनिवार शाम जर्जर सड़क के कारण एक ई-रिक्शा अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में ई-रिक्शा पर सवार सभी यात्री बाल-बाल बच गए, हालांकि पास स्थित एक श्रृंगार प्रसाधन की दुकान को नुकसान पहुंचा। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग जुट गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कुलकुला स्थान के पास सड़क लंबे समय से बदहाल है। नगर परिषद द्वारा मरम्मत के नाम पर सड़क पर ईंट के टुकड़े और मिट्टी डाली गई थी, लेकिन लगातार बारिश के कारण मिट्टी कीचड़ में तब्दील हो गई। इससे सड़क और अधिक फिसलन भरी एवं खतरनाक हो गई। इसी दौरान वहां से गुजर रहा ई-रिक्शा संतुलन खो बैठा और पलट गया। हादसे में ई-रिक्शा पर सवार सभी यात्रियों को मामूली झटके आए, लेकिन किसी के गंभीर रूप से घायल होने की सूचना नहीं है। वहीं, ई-रिक्शा पलटने से पास की एक श्रृंगार प्रसाधन की दुकान का सामान क्षतिग्रस्त हो गया। घटना के बाद स्थानीय लोगों और दुकानदारों ने तत्परता दिखाते हुए ई-रिक्शा को सीधा किया तथा यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला। लोगों ने नगर परिषद से जर्जर सड़क की शीघ्र मरम्मत कराने की मांग की है। उनका कहना है कि इस मार्ग पर आए दिन छोटे-बड़े हादसे हो रहे हैं, लेकिन अब तक स्थायी समाधान नहीं किया गया है। यदि समय रहते सड़क की समुचित मरम्मत नहीं कराई गई, तो भविष्य में कोई बड़ा हादसा हो सकता है।

सावन महीना में बनारस की सुबह और वृंदावन की शाम जैसा नजारा है कांवरिया पथ पर

प्रात : किरण संवाददाता

तारापुर (मुंगेर) सावन में सुल्तानगंज से फैले बाबाधाम देवघर के बीच कच्ची कांवरिया पथ में शिव के ऊपर जलाभिषेक करने जा रहे कांवरियों का सैलाब जारी है । गौरतलब है कि राज्य सरकार के द्वारा सावन महीने में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग पटना द्वारा जिला प्रशासन मुंगेर के सौजन्य से कांवरियों के लिए सेवा शिविर लगाए गए है। यहां इस शिविर में श्रद्धालुओं को हर तरह की सुविधाएं मिलती है। हालांकि सावन के बाद भादो महीने में यह सुविधा नहीं रहने क कारण भक्तों को भारी मुसीबत के बीच पैदल यात्रा करना पड़ता है। सावन में कच्ची कांवरिया पथ में शाम ढलने के बाद वृंदावन की सुबह और बनारस की शाम जैसा नजारा लोगों को देखने के लिए मिल रहा है । कच्ची कांवरिया पथ पर जगह-जगह बजते भोलेनाथ के गीतों पर चलते-चलते अपना थकान मिटाने के लिए कांवरिया थिड़कने को बाध्य हो जा रहे हैं । कांवरिया पथ पर रात्रि 2:00 बजे के बाद से ही पैदल जा रहे श्रद्धालुओं द्वारा गाए जा रहे गीत अपन नगरिया हो बाबा लगाभों बेरा पार , एवं हमसे भंगिया ना पिसाई ए गणेश के पापा देवघर जात बानी ,में घोलते झूमते नाचते पूरे उमंग के साथ बाबाधाम की ओर श्रद्धालु अग्रसर हैं । मानो मुंगेर जिले के 26 किलोमीटर की दूरी में लोक आस्था का समुद्रर उमरने जैसी द्दश्य देखने को 24 घंटे मिल रहा है । अगर बारिश होती रही तो शिव भक्तों को उमस भरी गर्मी से बेहद राहत मिलती है।

बरियारपुर में करंट लगने से 2 पड़ोसियों की मौत, गांव में पसरा मातम

मुंगेर। बरियारपुर प्रखंड की रतनपुर पंचायत में रविवार को करंट लगने से दो पड़ोसियों की दर्दनाक मौत हो गई। घटना से पूरे गांव में शोक की लहर है। बचाने के क्रम में चपेट में आया पुलिस जवान जानकारी के अनुसार हादसा उस समय हुआ जब पंकज कुमार खेत में मंदिर के लिए बिजली का तार जोड़ रहे थे। इसी दौरान वह करंट की चपेट में आ गए। उन्हें बचाने के लिए दौड़े उनके पड़ोसी और बिहार पुलिस के जवान अमन कुमार * भी करंट की चपेट में आ गए। दोनों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। दोनों के परिवारों पर टूटा दुखों का पहाड़ मृतकों की पहचान पंकज कुमार, 35 वर्ष, पिता स्व. रामदेव साव और अमन कुमार, 28 वर्ष, पिता राजकुमार साह के रूप में हुई है। दोनों रतनपुर पंचायत के निवासी और आपस में पड़ोसी थे। अमन कुमार बिहार पुलिस में समस्तीपुर जिले में टाइगर मोबाइल में कार्यरत थे। वह छुट्टी लेकर गांव आए थे। परिजनों ने बताया कि सोमवार को उन्हें सुल्तानगंज से गंगाजल लेकर बाबा बैद्यनाथ धाम, देवघर जाना था, लेकिन उससे पहले ही यह हादसा हो गया। पंकज कुमार जमालपुर रेल कारखाना में ग्रुप-डी कर्मचारी थे। उनके परिवार में पत्नी और दो छोटे बच्चे हैं। हादसे के बाद दोनों बच्चों के सिर से पिता का साया उठ गया है। अस्पताल में जुटी भीड़ : घटना के बाद ग्रामीणों और परिजनों ने आनन-फानन में दोनों को मुंगेर सदर अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद दोनों को मृत घोषित कर दिया।

सुढ़ी (वैश्य)समाज की महाहुंकार: पटना से मुजफ्फरपुर तक गर्जे समाज के लोग, तेज हुआ राज्यव्यापी आंदोलन

सुढ़ी समाज का पटना में महाजुटान: अति पिछड़ा वर्ग के दर्जे के लिए सड़क से सदन तक संघर्ष का ऐलान

अभय आर्या

पटना। अखिल भारतीय सूड़ी (वैश्य) संगठन का एक दिवसीय राज्य स्तरीय महासम्मेलन रविवार को बिहार विधानसभा के विस्तारित भवन सभागार में ऐतिहासिक उत्साह के साथ संपन्न हुआ। सम्मेलन में पूरे प्रदेश के कोने-कोने से जुटे सामाजिक दिग्गजों और प्रमंडलीय व ज़िला संयोजकों ने समाज की उपेक्षा पर गहरी चिंता जताई। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए पूर्व मंत्री समीर महासेठ ने कहा कि वे लंबे समय से सूड़ी समाज को अति पिछड़ा श्रेणी में शामिल करने की मांग विधानसभा में उठाते रहे हैं और अब इसमें जरा भी देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। संगठन के संयोजक डॉ. वरुण कुमार और ओबरा विधायक डॉ. प्रकाश चंद्र ने स्पष्ट किया कि अति पिछड़ा वर्ग का दर्जा दिलाना ही उनकी मुख्य प्राथमिकता है। उन्होंने हुंकार भरते हुए कहा, जरूरत पड़ी तो हक के लिए सड़क से सदन तक बड़ा आंदोलन होगा। भागलपुर संयोजक विश्वेश आर्य और डॉ. अनिल कुमार ने चेतावनी दी कि यदि सरकार समय रहते अधिकार नहीं देती, तो प्रदेशव्यापी जनाक्रोश उपजेगा। वहीं नारी शक्ति की प्रतीक स्मिता पूर्वे ने बच्चों के भविष्य के लिए सामाजिक एकजुटता पर जोर दिया। सम्मेलन में अरुण कुमार सुंडी ने एक

बड़ा मुद्दा उठाते हुए कहा कि शराबबंदी के बाद समाज का पारंपरिक व्यापार ठप हो गया, जिससे 95% लोग बेरोजगार हो गए। जब बंगाल में यह समाज रळ और झारखंड-ओडिशा में अति पिछड़ा वर्ग में शामिल है, तो बिहार में यह सौतेला व्यवहार क्यों? समाजसेवी अवधेश भगत के सफल संचालन में आयोजित इस सम्मेलन में समाज के उत्थान के लिए उत्कृष्ट कार्य करने वाले संयोजकों व गणमान्य लोगों को सम्मानित

भी किया गया। बैठक में मनोज कुमार गुप्ता, दिगंबर मंडल, नवल कुमार समेत सैकड़ों प्रतिनिधि उपस्थित रहे। सम्मेलन में मनोज कुमार गुप्ता वार्ड पार्षद मगध प्रमंडल, दिगंबर मंडल,नवल कुमार,रत्नेश कुमार, ललित मुखिया, सुधेश कुमार, विनय कुमार ,आलोक अंजन, मनीष कुमार गुप्ता, अंबुज प्रसाद, रंजीत कुमार, धीरज कुमार, राजेंद्र प्रसाद गुप्ता, कैमूर जिला से अजय कुमार, अशोक कुमार गुप्ता भी उपस्थित रहे।

सुढ़ी समाज को ईबीसी में शामिल कराने की मुहिम तेज: मुजफ्फरपुर में महामंथन, तिरहुत और दरभंगा को मिले नए प्रभारी

● अतिपिछड़ा वर्ग का दर्जा दिलाने की रणनीति तैयार

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ़्फरपुर। अखिल भारतीय सूड़ी (वैश्य) संगठन, बिहार प्रदेश के तत्वावधान में सिकंदरपुर स्थित मरीन ड्राइव के उत्सव विवाह भवन में एक विशेष परिचर्चा सह संगठन निर्माण बैठक आयोजित हुई। विनोद पंजीयार की अध्यक्षता एवं प्रदेश प्रवक्ता पप्पू नायक के संचालन में हुई इस बैठक में समाज को अतिपिछड़ा वर्ग में शामिल कराने और सामाजिक, शैक्षणिक व राजनीतिक भागीदारी बढ़ाने के लिए रणनीति बनाई गई। वक्ताओं ने एकजुटता का आह्वान करते हुए कहा कि अधिकारों की इस लड़ाई को जिला एवं प्रमंडल स्तर तक ले जाया जाएगा। इसके लिए व्यापक जनसंपर्क और चरणबद्ध आंदोलन की रूपरेखा तैयार की गई है। नई नियुक्तियाँ और दायित्व संगठन विस्तार को रफ्तार देने के लिए नए पदाधिकारियों की घोषणा की गईः प्रदेश सह-संयोजकः सुनील

गड़ाई प्रमंडल प्रभारी/संयोजकः चितरंजन महतो (तिरहुत प्रमंडल), प्रहलाद पूर्वे (दरभंगा प्रमंडल) प्रदेश महिला मोर्चा सह-संयोजकः सोनी पूर्वे एवं काजोल पूर्वे जिला संयोजकः विनोद पंजीयार (लालगंज), रमेश पूर्वे (समस्तीपुर)

एवं बिरेन्द्र कुमार (मुजफ़्फ़रपुर) बैठक में पंकज कुमार, सर्वजीत पूर्वे, विशाल महासेठ सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे। अंत में लोकतांत्रिक तरीके से संघर्ष जारी रखने का सर्वसम्मत प्रस्ताव पारित हुआ।

संक्षिप्त समाचार

यूपीएससी का पेपर सुरक्षित, फिर एनईईटी बार-बार कैसे हो जाता है लीक?

मुंबई, एजेंसी। नीट पेपर लीक मामले को लेकर राजनीतिक विवाद फिर तेज हो गया है। राकां शरदचंद्र पवार पार्टी की सांसद सुप्रिया सुले ने केंद्र सरकार से सवाल किया कि जब यूपीएससी की परीक्षा का पेपर लीक नहीं होता, तो नीट (एनईईटी) का पेपर बार-बार कैसे लीक हो जाता है। उन्होंने मामले की पारदर्शी जांच और परीक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार की मांग की। मुंबई में लोकशाहीर अण्णाभाऊ साठे की जयंती पर मीडिया से बातचीत में सांसद सुप्रिया सुले ने कहा कि नीट पेपर लीक की जांच के लिए एसआईटी, सर्वदलीय बैठक या संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) बनाई जानी चाहिए। सुले ने कहा कि कई कोचिंग संस्थान बड़े कारोबारी समूह बन चुके हैं और उनका शेयर बाजार में प्रवेश चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि शिक्षा का बढ़ता व्यवसायीकरण रोकने और संसद में शिक्षा व्यवस्था पर गंभीर चर्चा करने की जरूरत है। उन्होंने परीक्षा सुधार विधेयक पर भी असंतोष जताते हुए कहा कि केवल सजा का प्रावधान काफी नहीं है। सरकार को पेपर लीक की मूल वजह खत्म करने के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए। शिवसेना यूबीटी के पक्ष प्रमुख उद्धव ठाकरे ने जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों के साथ हुई कथित पुलिस कार्रवाई की आलोचना की। छात्रों के खिलाफ पुलिस एक्शन को अमानवीय बताते हुए उन्होंने कहा कि आंसू गैस छोड़ी गई, लाठियां बरसाई गईं। ठाकरे ने स्पष्ट किया कि छात्र केवल शिक्षा प्रणाली में सुधार चाहते थे। सरकार को पहले दिन ही छात्रों से शांति से बात करनी चाहिए थी। उन्होंने सरकार की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को छात्रों और उनके परिवारों से माफी मांगनी चाहिए।

हर सुबह हरियाली के नाम... गाजियाबाद में पीढ़ियों का जीवन संवारने को बुजुर्ग धरा को कर रहे हरा-भरा

गाजियाबाद, एजेंसी। शहर में लगातार बढ़ते कंक्रीट के जंगल और घटती हरियाली के बीच शहर के कुछ बुजुर्गों और पर्यावरण प्रेमियों ने एक ऐसी मिसाल कायम की है, जो समाज को पर्यावरण संरक्षण का वास्तविक अर्थ समझा रही है। पिछले करीब दो दशकों से यह टोली बिना किसी प्रचार-प्रसार या सरकारी सहायता की अपेक्षा किए लगातार पौधारोपण और उनकी देखभाल में जुटी है। इनके प्रयासों से अब तक शहर के विभिन्न हिस्सों में 25 हजार से अधिक छायादार, फलदार और औषधीय पौधे लगाए जा चुके हैं। इनमें से हजारों पौधे आज विशाल वृक्ष बनकर लोगों को छाया, स्वच्छ हवा और बेहतर पर्यावरण दे रहे हैं। राजनगर स्थित सेव अर्थ चैरिटेबल ट्रस्ट के बैनर तले चल रही यह मुहिम केवल पौधे लगाने तक सीमित नहीं है। टीम का सबसे बड़ा लक्ष्य पौधों को जीवित रखना है। इसी कारण टोली के सदस्य प्रतिदिन सुबह छह बजे से करीब साढ़े सात बजे तक ई-रिक्शा और छोटे वाहनों में पानी की टंकियां भरकर निकलते हैं। शहर की अलग-अलग ग्रीन बेल्ट और सड़कों के किनारे लगाए गए पौधों की सिंचाई करते हैं, उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं और जरूरत पड़ने पर नए पौधे भी रोपते हैं। इस अभियान की शुरुआत पर्यावरण प्रेमी अभय त्यागी ने अकेले की थी। धीरे-धीरे इस नेक कार्य से उद्यमी, सरकारी सेवा से सेवानिवृत्त अधिकारी-कर्मचारी और सामाजिक कार्यकर्ता जुड़ते चले गए। आज उनके साथ डा. राकेश चावला, अजय मित्तल, अश्विनी शर्मा, शिव कुमार शर्मा और धर्मेंद्र सहित कई सदस्य नियमित रूप से श्रमदान कर रहे हैं। वहीं अरुण त्यागी, पंकज गुप्ता, राजीव मल्होत्रा और मनोज कुमार जैसे सहयोगी आर्थिक और अन्य संसाधनों से इस अभियान को मजबूती दे रहे हैं। टीम के सदस्य बताते हैं कि पौधारोपण और देखभाल का अधिकांश खर्च वे अपनी पेंशन और निजी आय से उठाते हैं। किसी से कभी सहयोग की मांग नहीं की जाती। यदि कोई व्यक्ति स्वेच्छा से पौधे, पानी की व्यवस्था या अन्य सहयोग करता है तो उसका सम्मानपूर्वक स्वागत किया जाता है। यही कारण है कि अब राहगीर और स्थानीय निवासी भी इस अभियान से प्रेरित होकर पौधे दान करने लगे हैं। पर्यावरण संतुलन बनाने वाले अधिक लगाए पौधे इस मुहिम के तहत नीम, पीपल, पिलखन, सहजन, आम, इमली, बेल और अन्य देशी प्रजातियों के पौधे लगाए गए हैं। इनका चयन इस आधार पर किया जाता है कि वे लंबे समय तक जीवित रहें और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में अधिक उपयोगी साबित हों।

राज्य का दर्जा मांगते ही होता है आतंकी हमला, कुलगाम पर फारूक अब्दुल्ला का सवाल

जम्मू, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर में ताजा आतंकी हमलों ने सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ा दी है, क्योंकि पहलगाम हमले की तरह कुलगाम में भी श्रमिकों को नाम पूछकर मारा गया है। खुफिया इनपुट के अनुसार, कुलगाम में दो हिन्दू श्रमिकों की हत्या आतंकी संगठन 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' के आतंकियों ने की है। यह फ्रंट पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन लश्कर ए तैयबा से जुड़ा है। सूत्रों के अनुसार, पता चला है कि कुलगाम के केलाम में ईंट-भट्ठे पर श्रमिकों को उनका नाम पूछने के बाद गोली मारी गई। वहीं जम्मू-कश्मीर के पूर्व सीएम फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि जब भी राज्य का दर्जा मांगा जाता है तब ही ऐसा हमला क्यों होता है।

क्यों हो गई सुरक्षा एजेंसियों को चिंता

पुलिस को यह जानकारी घटनास्थल पर मौजूद दूसरे मजदूरों ने दी। इस इनपुट के बाद सुरक्षा एजेंसियां इसलिए चिंतित हैं, क्योंकि इस आतंकी हमले का पैटर्न पहलगाम हमले जैसा ही था। 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम में भी आतंकियों ने 26 पर्यटकों को उनका धर्म पूछने के बाद मार डाला था। इससे पूर्व 22 जुलाई को हेड कॉन्स्टेबल आशिक हुसैन कुरैशी की भी हत्या कर दी गई थी। 10 दिन के भीतर लगातार दो आतंकी वारदातों ने संकेत दिया है कि आतंकी संगठन सुरक्षा बलों के साथ-साथ एक बार फिर प्रवासी मजदूरों को भी निशाना बनाकर घाटी में भय का माहौल पैदा करना चाहते हैं।

दो साल बाद हुआ प्रवासियों पर हमला

सुरक्षा एजेंसियां इसे क्षेत्र में शांति और सामान्य स्थिति बहाल करने के प्रयासों को चुनौती देने की रणनीति के रूप में देख रही हैं। एक अधिकारी ने कहा कि कश्मीर में बाहरी लोगों पर लगभग दो साल बाद इस तरह का हमला हुआ है। इसलिए सुरक्षा बलों को खास सतर्कता के निर्देश दिए गए हैं। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने यहां पुलिस प्रमुख और अन्य अधिकारियों के साथ सुरक्षा की समीक्षा के लिए एक उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने सुरक्षाबलों को निर्देश दिया कि वे आतंकवादियों को खत्म करने के लिए अभियान तेज करें। सिन्हा ने सभी उपायुक्तों और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों को प्रवासी मजदूरों की सुरक्षा के लिए लागू मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) की व्यापक समीक्षा करने का भी निर्देश दिया। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस महानिदेशक नलिन प्रभात और पुलिस व अन्य सुरक्षाबलों के वरिष्ठ अधिकारियों ने घटनास्थल का दौरा किया और सुरक्षा स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि घाटी के अन्य हिस्सों में भी सुरक्षा बढ़ा दी गई है तथा लोगों और वाहनों की जांच सख्त कर दी गई है।

सितंबर तक तैयार होगा नोएडा एयरपोर्ट का अंतरराष्ट्रीय टर्मिनल, दिसंबर से विदेशी उड़ानें शुरू होने की उम्मीद

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। नोएडा एयरपोर्ट का अंतरराष्ट्रीय टर्मिनल का निर्माण सितंबर तक पूरा हो जाएगा। नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो की सुरक्षा को लेकर जांच और अनापत्ति के बाद साल के अंत तक विदेश के लिए विमान सेवा शुरू होने की संभावना है। मध्य पूर्वी एशिया और आसियान देशों के लिए अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर विशेष जोर होगा। नोएडा एयरपोर्ट से घरेलू विमान सेवा 15 जून से शुरू हो चुकी हैं। बेंगलुरु, मुंबई, हैदराबाद समेत देश के कई शहरों के लिए इंडिगो और अकासा एयर विमान सेवा का संचालन कर रही हैं। लेकिन लोगों को एयरपोर्ट से अंतरराष्ट्रीय विमान सेवा शुरू होने का बेसब्री से इंतजार है। एयरपोर्ट पर अंतरराष्ट्रीय टर्मिनल का निर्माण अभी जारी है। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लि. के अधिकारियों के मुताबिक सिविल वर्क पूरा हो चुका है। आंतरिक साज सज्जा का काम चल रहा है। सितंबर अंत तक अंतरराष्ट्रीय टर्मिनल पूरी तरह से तैयार हो जाएगा, लेकिन विमान सेवा शुरू होने से पहले नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो सुरक्षा मानक को लेकर जांच करेगा। उसकी अनापत्ति के बाद ही अंतरराष्ट्रीय विमान सेवा शुरू होगी। घरेलू टर्मिनल के सुरक्षा मानकों को लेकर भी सुरक्षा ब्यूरो ने कई आपत्ति लगाई। इसके चलते 28 मार्च को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हाथों उद्घाटन के बाद यात्री सेवा 15 जून से शुरू हो पाई थीं।

6 साल बाद भारत-चीन सीमा पार व्यापार शुरू, मंत्री जगत नेगी ने छुप्पन ट्रेड मार्ट का किया उद्घाटन

रिकांगपिओ, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश के किन्नौर जिले के पूह उपमंडल की सीमावर्ती ग्राम पंचायत नमज्ञा में 1 करोड़ 70 लाख रुपए की लागत से निर्मित छुप्पन ट्रेड मार्ट का राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी ने उद्घाटन किया. 2020 के बाद भारत-चीन सीमा पार व्यापार आरंभ करने के लिए मंत्री ने हरी झंडी दिखाई. इस मौके पर कैबिनेट मंत्री जगत सिंह नेगी ने स्थानीय व्यापारियों से आह्वान किया कि वे पारदर्शिता एवं नियमानुसार केंद्र सरकार के वाणिज्य विभाग द्वारा तय आयात-निर्यात वस्तुओं के नियमों का सख्ती से पालन करें. वहीं, पूह व्यापार मंडल अध्यक्ष हिशे नेगी की मांग पर, जिसमें आयात-निर्यात वस्तुओं का दायरा बढ़ाने की मांग की गई थी, जगत सिंह नेगी ने आश्वासन दिया कि वे मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के समक्ष यह प्रस्ताव प्रस्तुत करेंगे. ताकि विदेश मंत्रालय द्वारा चीन सरकार को इन विषयों पर अवगत करवाया जा सके. राजस्व मंत्री ने कहा, 'शिपकी-ला से सीमा पार व्यापार आरंभ होने से सीमावर्ती क्षेत्रों के लोगों की आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा और स्थानीय युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे '. जनजातीय विकास मंत्री ने स्थानीय लोगों को आश्वासन दिया कि वर्तमान प्रदेश सरकार सीमावर्ती क्षेत्रों के विकास के लिए प्रतिबद्ध है और इस दिशा में निरंतर कार्य कर रही है. ताकि दुर्गम क्षेत्र में रहने वाले लोगों को मूलभूत सुविधाओं से वंचित न रहना पड़े. वहीं, नमज्ञा की प्रधान अंजलि नेगी ने मंत्री को अपने क्षेत्र की समस्याओं से अवगत कराया. इस दौरान राजस्व मंत्री ने स्थानीय लोगों की जन समस्याएं सुनी और उनका मौके पर ही त्वरित निवारण भी किया. कैबिनेट मंत्री के ग्राम पंचायत नमज्ञा पहुंचने पर नमज्ञा, टाशीगंग महिला मंडलों ने किनौरी लोक नृत्य प्रस्तुत किया. कैबिनेट मंत्री ने सांस्कृतिक प्रस्तुति प्रस्तुत करने वाले महिला मंडलों को 25-25 हजार रुपए की राशि प्रदान की. उपायुक्त किन्नौर डॉ अमित कुमार शर्मा ने भारतीय सेना, भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल, कस्टम व रेखांकित अंतरराष्ट्रीय ट्रेड अधिकारियों का उनके सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया.

ऐसे नहीं कैंसल की जा सकती एफआईआर, सुप्रीम कोर्ट ने रद्द कर दिया हाई कोर्ट का फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने महत्वपूर्ण फैसले में कहा कि उच्च न्यायालयों को मुकदमा रद्द करने की अपनी शक्ति का इस्तेमाल बहुत ही सोच-समझकर और कभी-कभार ही करना चाहिए। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया कि हाईकोर्ट प्राथमिकी रद्द करने की मांग पर विचार करते समय मुकदमे का मिनी ट्रायल नहीं कर सकते।

मुकदमा रद्द करने की शक्ति का प्रयोग सोचकर करें हाईकोर्ट

जस्टिस संजय करोल और एन. कोटिस्वर सिंह की पीठ ने कर्नाटक हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ राज्य सरकार की अपील पर यह फैसला दिया। हाईकोर्ट ने भ्रष्टाचार के आरोपों में कर्नाटक पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों पर दर्ज 6 प्राथमिकी रद्द कर दी थी। पीठ ने कहा कि यह तय कानून द्वारा स्थापित सिद्धांत है कि उच्च न्यायालयों को दर्ज प्राथमिकी रद्द करने की शक्ति का इस्तेमाल बहुत सोच-समझकर करना चाहिए। जस्टिस करोल ने कहा, जब कोई हाईकोर्ट प्राथमिकी रद्द करने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई कर रहा हो, तो उसे जांच से जुड़ी सामग्री के बारे में गैर-जरूरी छानबीन करने से बचना चाहिए। कहा गया कि हाईकोर्ट को बस यह देखना होता है कि क्या पहली नजर में प्राथमिकी के तथ्यों

से किसी संज्ञेय अपराध का पता चलता है या नहीं। अदालत ने कहा कि प्राथमिकी रद्द करने की मांग के शुरुआती चरण में ही हाईकोर्ट द्वारा 'मुकदमे का मिनी-ट्रायल' नहीं किया जा सकता। मामले में कर्नाटक हाईकोर्ट ने अपने आदेशों में सीआरपीसी की धारा-482 के तहत याचिका पर विचार करने के दायरे से बाहर जाकर काम किया। पीठ ने कहा कि हाईकोर्ट ने अपने आदेश में दो अहम बातों पर ध्यान दिया था, पहला प्राथमिकी दर्ज करने में देरी और दूसरा पैसे की मांग या वसूली का कोई सबूत न होना। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि गैर-कानूनी तरीके से पैसे या फायदे की मांग और उसकी वसूली का सबूत न होना, बरी होने का तो आधार बन सकता है लेकिन, यह प्राथमिकी रद्द करने का आधार नहीं हो सकता। इसके साथ ही, सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट द्वारा छह प्राथमिकी रद्द करने का फैसला रद्द कर दिया। कर्नाटक पुलिस ने वर्ष 2020 में बेंगलुरु की सेंट्रल क्राइम ब्रांच के सहायक पुलिस आयुक्त प्रभु शंकर और अन्य के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण रोकथाम अधिनियम (पीसी एक्ट) एवं अन्य धाराओं में 6 प्राथमिकी दर्ज की थी। इसके बाद, आरोपी पुलिस अधिकारी प्रभु शंकर और इंस्पेक्टर निरंजन कुमार ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर दर्ज प्राथमिकियों को रद्द करने की मांग की। हाईकोर्ट ने सितंबर, 2021 में सभी पक्षों को सुनने के बाद यह कहते हुए दर्ज प्राथमिकियां रद्द कर दी।

बीजिंग असंबली के ओपन हाउस में भारतीय समुदाय ने उठाए वीजा और सोशल मीडिया से जुड़े मुद्दे

बीजिंग, एजेंसी। चीन में रहने वाले भारतीय समुदाय के सदस्यों ने भारतीय दूतावास के हाल के वर्षों में आयोजित पहले 'ओपन हाउस' कार्यक्रम में चीनी सोशल मीडिया पर भारत-विरोधी अपमानजनक सामग्री, भारतीय पेशेवरों को कार्य वीजा मिलने में गिरावट तथा उनके जीवनसाथियों के रोजगार पर प्रतिबंध सहित कई मुद्दों पर चिंता जतायी। भारतीय दूतावास ने शुक्रवार को इस जनसंपर्क पहल का आयोजन किया, जिसमें बीजिंग में विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत बड़ी संख्या में भारतीय पेशेवर शामिल हुए और समुदाय से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। भारत के राजदूत विक्रम दुरईस्वामी ने एक अन्य राजनयिक (दूतावास, शिक्षा एवं सामुदायिक मामलों) नितिनजीत सिंह तथा दूसरे राजनयिक (वीजा) रमेश सिंह के साथ भारतीय समुदाय के सदस्यों से विभिन्न विषयों पर बातचीत की। भौगोलिकसंदर्भ बैठक के दौरान जिन प्रमुख चिंताओं को उठाया गया, उनमें चीनी सोशल मीडिया मंचों पर भारतीयों, उनके खान-पान और संस्कृति के खिलाफ बढ़ती अपमानजनक सामग्री, भारतीय पेशेवरों को जारी किए जाने वाले कार्य वीजा की संख्या में कमी, उनके जीवनसाथियों के रोजगार पर प्रतिबंध तथा दूतावास संबंधी सेवाओं से जुड़ी कठिनाइयां शामिल थीं। मई में चीन में भारत के राजदूत का पद संभालने वाले दुरईस्वामी ने कहा कि द्विपक्षीय संबंधों को बेहतर बनाने के प्रयासों के तहत उन्होंने चीनी अधिकारियों के साथ संपर्क बढ़ाया है। उन्होंने बताया कि अगले सप्ताह से भारतीय दूतावास भारतीय वीजा के लिए आवेदन करने वाले चीनी नागरिकों के लिए आवश्यक दस्तावेजों की प्रक्रिया को और सरल बनाएगा, ताकि भारत की यात्रा को बढ़ावा दिया जा सके। चीनी सोशल मीडिया पर भारत-विरोधी और अपमानजनक सामग्री को लेकर जताई गई चिंताओं के जवाब में दुरईस्वामी ने कहा कि चीनी सरकार भी इस तरह की सामग्री में बढ़ोतरी को लेकर चिंतित है और इससे निपटने के लिए कदम उठा रही है।

सदी का सबसे लंबा सूर्य ग्रहण: छह मिनट 23 सेकंड तक दिन में छाएगा अंधेरा, वैज्ञानिक क्यों मान रहे दुर्लभ घटना

वॉशिंगटन, एजेंसी। 2 अगस्त 2027 को दुनिया एक बेहद दुर्लभ खगोलीय घटना की गवाह बनेगी। इस दिन 21वीं सदी का सबसे लंबा पूर्ण सूर्य ग्रहण दिखाई देगा। ग्रहण के दौरान चंद्रमा पूरी तरह सूर्य को ढक लेगा और कुछ स्थानों पर दिन के समय करीब 6 मिनट 23 सेकंड तक अंधेरा छा जाएगा। इस दौरान तापमान में गिरावट महसूस होगी, आसमान में तारे दिखाई दे सकते हैं और सूर्य का बाहरी चमकीला भाग यानी कोरोना नजर आएगा। वैज्ञानिकों के अनुसार यह इस सदी की सबसे महत्वपूर्ण खगोलीय घटनाओं में से एक होगी।

यह पूर्ण सूर्य ग्रहण 2 अगस्त 2027 को अटलांटिक महासागर से शुरू होकर दक्षिणी स्पेन, जिब्राल्टर, उत्तरी अफ्रीका और मध्य पूर्व के कुछ हिस्सों से होकर गुजरेगा। ग्रहण का सबसे लंबा चरण मिस्र के लक्सर के पास दिखाई देगा, जहां करीब 6 मिनट 23 सेकंड तक पूर्ण अंधेरा रहेगा। यह 21वीं सदी का सबसे लंबा पूर्ण सूर्य ग्रहण होगा, जिसे जमीन से आसानी से देखा जा सकेगा। इस कारण वैज्ञानिकों, खगोलविदों और ग्रहण देखने के शौकीनों के लिए यह एक ऐतिहासिक अवसर माना जा रहा है।

विशेषज्ञों के अनुसार इस असाधारण अवधि के पीछे पृथ्वी, चंद्रमा और सूर्य की विशेष स्थिति जिम्मेदार होगी। ग्रहण के समय चंद्रमा पृथ्वी के अपेक्षाकृत करीब होगा, इसलिए वह सामान्य से बड़ा दिखाई देगा और सूर्य को पूरी तरह अधिक समय तक ढक सकेगा। वहीं पृथ्वी सूर्य से अपनी अधिकतम दूरी यानी एपहेलियन के करीब होगी, जिससे सूर्य थोड़ा छोटा दिखाई देगा। इन दोनों स्थितियों के एक साथ बनने से पूर्ण ग्रहण की अवधि सामान्य ग्रहणों की तुलना में काफी लंबी हो जाएगी। वैज्ञानिकों का कहना है कि ऐसा संयोग बहुत कम देखने को मिलता है। पूर्ण सूर्य ग्रहण का मार्ग हजारों किलोमीटर लंबा होगा। यह अटलांटिक महासागर से शुरू होकर दक्षिणी स्पेन, जिब्राल्टर, मोरक्को, अल्जीरिया, ट्यूनीशिया, लीबिया, मिस्र, सूडान, सऊदी अरब, यमन और सोमालिया तक पहुंचेगा। इनमें मिस्र को ग्रहण देखने के लिए सबसे बेहतर स्थान माना जा रहा है। लक्सर और न्यू वैली गवर्नरेट के आसपास के इलाकों में सबसे लंबी अवधि तक अंधेरा रहेगा। इसके अलावा यूरोप, अफ्रीका और एशिया के करोड़ों लोग कम से कम आंशिक सूर्य ग्रहण देख सकेंगे। ये ग्रहण भारत में नहीं दिखाई देगा। पूर्ण ग्रहण के समय कुछ मिनटों के लिए दिन का उजाला शाम जैसा हो जाएगा। तापमान में अस्थायी गिरावट आएगी और कुछ चमकीले ग्रह तथा तारे दिखाई दे सकते हैं। इसी दौरान सूर्य का कोरोना बिना किसी उपकरण के देखा जा सकेगा। इसके अलावा बेलीज़ बीड्स और डायमंड रिंग इफेक्ट जैसे दुर्लभ दृश्य भी दिखाई देंगे। ये तब बनते हैं जब सूर्य की किरणें चंद्रमा की सतह की घाटियों से होकर गुजरती हैं। यही वजह है कि पूर्ण सूर्य ग्रहण खगोल विज्ञान के सबसे आकर्षक दृश्यों में गिना जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार पूर्ण ग्रहण के बहुत सीमित समय को छोड़कर सूर्य को सीधे देखना आंखों के लिए खतरनाक हो सकता है।

इंडोनेशिया में मदुरा द्वीप के पास फेरी में आग लगने से 5 लोगों की मौत, 41 लापता

नुसंतारा, एजेंसी। इंडोनेशिया के मदुरा द्वीप के पास 271 लोगों को ले जा रही एक फेरी में आग लगने से कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई और 41 लापता हैं। इस हादसे में 225 लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया है। फिलहाल लापता यात्रियों की तलाश के लिए बचाव दल का अभियान लगातार जारी है।

इंडोनेशिया के मदुरा द्वीप के पास रविवार को एक बड़ा हादसा हो गया। 271 लोगों, यात्रियों और क्रू मेंबर्स, को ले जा रही एक फेरी में अचानक आग लग गई। इस हादसे में कम से कम 5 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 41 लोग अभी भी लापता हैं।

इंडोनेशिया की खोज और बचाव टीम के मुताबिक, अब तक 225 लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया है। यह फेरी पूर्वी जावा के सुराबाया से दक्षिण सुलावेसी के मकासर जा रही थी, तभी रविवार सुबह इसमें अचानक आग लग गई।

लापता यात्रियों को ढूंढने के लिए बचाव टीमें लगातार काम कर रही हैं। अधिकारियों ने बताया कि अभी तक आग लगने की वजह का पता नहीं चल पाया है। जिस मदुरा द्वीप के पास यह हादसा हुआ, वह जावा के उत्तर-पूर्वी तट के पास स्थित है।

पीओके चुनावों को लेकर पश्चिमी देशों के रुख पर क्यों उठे सवाल?: रिपोर्ट में दावा- पाक को मिल रही रणनीतिक छूट

तेल अवीव, एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में हुए तथाकथित विधानसभा चुनावों को लेकर पश्चिमी देशों के रुख पर सवाल उठाए गए हैं। एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि चुनावों के दौरान धांधली, मतदाताओं को डराने-धमकाने और विपक्षी दलों के कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी जैसे आरोप सामने आए, लेकिन इसके बावजूद पश्चिमी देशों की प्रतिक्रिया अपेक्षाकृत शांत रही।

रिपोर्ट के अनुसार, इन चुनावों में विपक्षी दलों ने पाकिस्तानी अधिकारियों पर चुनावी प्रक्रिया में हस्तक्षेप के आरोप लगाए। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह केवल किसी एक आरोप का मामला नहीं है, बल्कि ऐसे आरोपों का एक दोहराया जाने वाला पैटर्न है, जिसके कारण कई मतदाताओं को लगता है कि मतदान से पहले ही चुनाव परिणाम तय कर दिए जाते हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि दक्षिण एशिया के अन्य देशों में चुनावी अनियमितताओं पर पश्चिमी देश अक्सर खुलकर प्रतिक्रिया देते हैं, जबकि पाकिस्तान के मामले में दशकों से अलग रवैया देखने को मिलता रहा है। इटली के राजनीतिक

सलाहकार, लेखक और भू-राजनीतिक विशेषज्ञ सर्जियो रेस्टेली ने टाइम्स ऑफ इस्राइल में प्रकाशित अपने लेख में लिखा, 'इसका परिणाम यह होता है कि पाकिस्तान को जवाबदेही से एक तरह की रणनीतिक छूट मिल जाती है। समय के साथ यह छूट एक आदत बन जाती है।' उन्होंने लिखा कि शीत युद्ध के दौर में भी पाकिस्तान के साथ इसी तरह का व्यवहार हुआ। बाद में 11 सितंबर के हमलों के बाद आतंकवाद के खिलाफ युद्ध में पाकिस्तान की रणनीतिक भूमिका के कारण लोकतांत्रिक जवाबदेही का मुद्दा पीछे चला गया। रेस्टेली ने दावा किया कि मौजूदा पाकिस्तान भी उसी ढांचे में फिट बैठता है। उन्होंने लिखा, 'इमरान खान जेल में हैं। अदालतें अपने फैसलों को लेकर पहले से अधिक सतर्क हो गई हैं। पिछले चुनावों के बाद मीडिया का दायरा सिमटा है और राजनीतिक विपक्ष पुलिस के दबाव में काम कर रहा है।' उनके अनुसार, ऐसे माहौल में पीओके में विवादित चुनाव कोई असामान्य घटना नहीं, बल्कि उसी व्यवस्था का हिस्सा हैं। रेस्टेली ने कहा कि पीओके में राजनीतिक वैधता कमजोर होने से इस्लामाबाद के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यह दावा करना और कठिन हो जाता है कि कश्मीर मुद्दे पर उसका पक्ष लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व पर आधारित है।

मुद्रक तथा प्रकाशक रंजीत राय द्वारा स्वामी आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, प्लॉट नं. सी-16 एवं 17, रोड नं. 9, पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, पटना-800013 के पक्ष में आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड प्रेस से मुद्रित एवं सी-20, एस.के. पुरी, नियर बसावन पार्क, पटना, बिहार-800013 से प्रकाशित संपादक- देवन प्रसाद राय Mob.: 9212228045, 8130691216,
(नोट: प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा पटना न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. BIHHIN/2013/ 49676, Email: news@pratahkiran.com, patna@pratahkiran.com, 9971557129, 9334542496